ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पुलिस की जिम्मेदारी और प्राथमिकता @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 24 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-142

मुस्लिम रहनुमाई की आड़ में रोहिंग्या लड़कियों को बेचने का धंधा!

20 हजार से एक लाख तक में बिक रही हैं रोहिंग्या लड़कियां

जम्मू, 23 मई (एजेंसियां)। मुस्लिमों के प्रति रहनुमाई दिखा कर म्यांमार से रोहिंग्या लड़कियों को जम्मू-कश्मीर लाकर बेचा जा रहा है। यह धंधा पूरे देश में चल रहा है, लेकिन इसका आधिकारिक खुलासा जम्मू कश्मीर में हुआ है। जघन्य मानव तस्करी के कई मामले सामने आए हैं। इस धंधे में बाहरी और स्थानीय लोगों की साठगांठ पकड़ी गई है। पुलिस जांच में तस्करी के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें स्थानीय और बाहरी तस्कर शामिल हैं। मानव तस्करी के इस धंधे में कई एनजीओ भी शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि तस्करों ने ही कई फर्जी एनजीओ बना रखे हैं, जिनकी आड़ में वे रोहिंग्या या अन्य लड़कियों की खरीद-फरोख्त का धंधा करते हैं।

जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्या सिर्फ अवैध रूप से बसे नहीं हैं, बल्कि इन्हें सुनियोजित रूप से यहां बसासा गया है। इन बस्तियों के लिंक से म्यांमार से रोहिंग्या लड़कियां लाने में तस्करों को सुविधा रहती है। लड़कियों को जम्मू कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों में ले जाकर इन्हें सेक्स मार्केट में बेच दिया जाता है। यौन विकृत लोग या बड़ी उम्र के लोग बड़ी राशि देकर भी रोहिंग्या लड़कियों को खरीदते हैं और उनसे शादी कर लेते हैं। इनकी शादियां भी गैरकानूनी तरीके से कराई जा रही हैं। इन लड़कियों को म्यांमार से लाकर एक लाख रुपए तक में जम्मू-कश्मीर में बेचा जा रहा है। पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज मामले रोहिंग्या लड़कियों की तस्करी के सबूत हैं। जम्मू की रोहिंग्या बस्ती इनके लिए ट्रांजिट पॉइंट का काम करती हैं। कुछ दिन यहां रखने के बाद सौदा पक्का होते ही लड़कियों को आगे भेज दिया जाता है।

इस तस्करी में कश्मीर के कई लोग शामिल हैं, जो रोहिंग्या समुदाय और मानव-तस्करों के साथ मिलकर यह धंधा चला रहे हैं। अत्यंत अल्प अवधि में जम्मू संभाग में 30 और कश्मीर में 110 लड़कियों को बेचे जाने या उन्हें बेच कर जबरन शादियां कराए जाने के मामले सामने आ चुके हैं। जम्मू के बठिंडी, सुंजवां, त्रिकुटा नगर और नरवाल

मानव-तस्करों और स्थानीय लोगों की साठगांठ से चल रहा व्यापार

रोहिंग्या बस्तियां और कई एनजीओ बन रहे हैं तस्करी का जरिया

जैसे इलाकों में रोहिंग्या समुदाय की बस्तियां हैं। जम्मू जिले के 70 प्रतिशत रोहिंग्या इन्हीं क्षेत्रों में रहते हैं। ये इलाके उनके लिए ट्रांजिट जोन की तरह काम करते हैं, जहां लड़कियों या अन्य लोगों को कुछ दिन रोककर फिर अन्य राज्यों में भेज दिया जाता है।

रोहिंग्या लड़कियों की तस्करी के मामले बाकायदा पुलिस की जानकारी में हैं। कई मामले पकड़े भी गए हैं, लेकिन इस धंधे में अधिक पैसा और अधिक सामर्थ्य पुलिस कार्रवाई में बाधा है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक 22 सितंबर 2022 को नगरोटा पुलिस ने म्यांमार निवासी अब्दुल शकूर और मोहम्मद यासमीन को कश्मीर में रोहिंग्या लड़कियों को बेचने के मामले में रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। 3 दिसंबर 2022 को त्रिकुटा नगर पुलिस ने दो नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया, जिन्हें 20 से 50 हज़ार रुपए में खरीदकर लाया गया था और उन्हें ऊंची कीमत पर बेचने के लिए ग्राहक की तलाश की जा रही थी। 8 नवंबर 2023 को बठिंडी से जफर आलम को एनआईए ने गिरफ्तार किया था। वह म्यांमार से लड़कियां लाकर उन्हें कश्मीर में बेचने के धंधे में शामिल था। 28 नवंबर 2023 को बांदीपुरा में म्यांमार निवासी मंजूर आलम को गिरफ्तार किया गया था। वह रोहिंग्या लड़कियों को जम्मू में ठहराकर कश्मीर भेजता था। 28 मई 2024 को बड़गाम में दो रोहिंग्या लड़कियों को बरामद किया गया, जिन्हें बेचने के लिए लाया गया था। 12 जुलाई 2024 को बारामुला के शकील अहमद से चार नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया गया। उसने एक लड़की को 20 हजार रुपए में बेचा था। ये घटनाएं बताती हैं कि रोहिंग्या लड़कियों की तस्करी के धंधे के बारे में जम्मू कश्मीर पुलिस अनभिज्ञ नहीं है। पुलिस को यह भी पता है कि कश्मीर में काम करने वाले रोहिंग्या मजदूर भी इस तस्करी में शामिल हैं। ये अपने परिवार से मिलने के बहाने म्यांमार जाते हैं और वापसी में नाबालिगों को अपनी बेटियां बताकर ले आते हैं। 20 जनवरी 2024 को कोलकाता में रेलवे पुलिस ने बांग्लादेशी रोहिंग्या मुस्लिम अब्दुल रहमान को गिरफ्तार किया था, जो दो नाबालिग लड़कियों के साथ कश्मीर जा रहा था।

एनजीओ के बहाने मानव-तस्कर म्यांमार की रोहिंग्या बस्तियों में जाते हैं और लड़कियों को चुनते हैं। कोलकाता या गुवाहाटी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उन्हें भारत लाया जाता है। जम्मू पहुंचने पर इन्हें बस्तियों में छिपा दिया जाता है।

▶10पर

राहुल गांधी की भारत विरोधी हरकतें और बयानबाजी जारी

ऑपरेशन सिंदूर पर राहुल ने फिर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत विरोधी हरकतें और बयानबाजियां जारी हैं। देश की सुरक्षा संवेदनशीलता का ध्यान रखे बगैर राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। उनमें यह आत्ममंथन करने की क्षमता भी नहीं रही कि वे यह समझ सकें कि वे पाकिस्तान सरकार के प्रवक्ता की तरह व्यवहार कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों को पूरी तरह गलत प्रस्तुतीकरण बता चुका है। इसके बावजूद राहुल गांधी ने फिर से उन्हीं सवालों को उठा कर अपनी असलियत का फूहड़ प्रदर्शन किया है। जबकि कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी पार्टियों के नेता विदेशों में जाकर ऑपरेशन सिंदूर की अनिवार्यता पर बात कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कैसे फूहड़ और हास्यास्पद सवाल पूछे, इसकी बानगी देखिए। उन्होंने पूछा, क्या जेजे बताएंगे भारत को पाकिस्तान के साथ क्यों जोड़ दिया गया है? पाकिस्तान की निंदा करने में एक भी देश ने हमारा साथ क्यों नहीं दिया? ट्रंप को भारत और

पाकिस्तान के प्रवक्ता की तरह कर रहे व्यवहार

पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के लिए किसने कहा? ऐसे बेवकूफाना सवाल पूछ कर राहुल ने खुद ही यह भी कह दिया कि भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है। इसके संक्षिप्त और सटीक जवाब में भाजपा ने राहुल गांधी को निशान-ए-पाकिस्तान बताया। पार्टी ने कहा, राहुल भारतीय सशस्त्र बलों का पराक्रम को कमतर साबित करने और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी करके देश की सुरक्षा को खतरे में डालना बंद कर दें।

इसके पहले भी राहुल गांधी ने कहा था कि हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को सूचित करना एक अपराध था। राहुल ने पूछा था कि भारतीय वायुसेना ने कितने विमान मारे गए? राहुल ने यह जानने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई कि भारत ने पाकिस्तान के कितने विमान मार गिराए या कितने सैन्य ठिकाने नष्ट किए। विदेश मंत्रालय ने उस समय भी कहा था कि 1991 की संधि के मुताबिक पाकिस्तान के गैर सैनिक ठिकानों पर हमला किए जाने के बारे में टास्क पूरा होने के बाद बताया गया था। भाजपा नेता निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी को 1991 में पाकिस्तान से किए गए समझौते के बारे में ज्ञान दिया, जिसमें तत्कालीन सरकार ने यह समझौता किया था कि किसी भी आक्रमण या सेना के मूवमेंट की जानकारी का आदान-प्रदान भारत और पाकिस्तान एक दूसरे से करेगा। भाजपा सांसद दुबे ने राहुल गांधी से पूछा था, राहुल गांधी बताएं कि क्या 1991 का वह समझौता देशद्रोह था?

दुबे ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर से सवाल करने के लिए पाखंड करने का आरोप लगाया। भाजपा सांसद ने कांग्रेस समर्थित सरकार के दौरान हस्ताक्षरित 1991 के भारत-पाक सैन्य पारदर्शिता समझौते का हवाला देते हुए कांग्रेस के पाकिस्तानी वोट बैंक के साथ लंबे समय से जुड़े होने का आरोप लगाया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, सवाल हमारी सरकार और आपकी (कांग्रेस) सरकार का नहीं है, सवाल यह है कि 1947 से हम पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र मानते हैं, 78 साल से कश्मीर के मुद्दे पर हमारी उनके साथ लड़ाई चल रही है। हमारे कश्मीर के हिस्से को पाकिस्तान ने अपने कब्जे में कर रखा है।

▶10पर

बीएसएफ के समारोह में बोले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

आतंकी हमलों का कठोर जवाब मोदी सरकार में ही संभव

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में आयोजित बीएसएफ अलंकरण समारोह में गृह मंत्री अमित शाह ने देश की सेना की जमकर तारीफ की। उनकी तरफ से ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया गया और पाकिस्तान को भी जमकर फटकार लगाई। कार्यक्रम के दौरान भारत-पाक तनाव पर शाह ने विस्तार से बात की और आगे की रणनीति के बारे में स्पष्ट रूप से बताया। अमित शाह ने आज सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में महानिदेशक बीएसएफ दलजीत सिंह चौधरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अमित शाह ने बीएसएफ के अलंकरण समारोह 2025 और रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए अर्धसैनिक बल के साहस और समर्पण को सलाम किया। उन्होंने कहा कि बीएसएफ और सेना आज विश्व के सामने अद्वितीय वीरता का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी साहस का प्रतीक है ऑपरेशन सिंदूर।

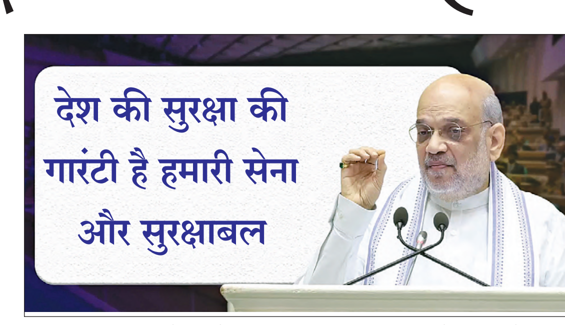

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों से मिली सही जानकारी और सेना की जबरदस्त ताकत एक साथ आई, तब ऑपरेशन सिंदूर को सफलता मिली। शाह ने कहा कि सेना ने 100 किमी अंदर घुसकर पाक को उसका जमीर दिखाने का काम किया है। बीएसएफ के जवान भी मोर्चे पर थे। हमारे जवान एक इंच भी पीछे नहीं हटे और उनकी गोली का जवाब गोले से दिया। इसके बाद गृह मंत्री ने पुरानी सरकारों को भी निशाने पर लिया और पाकिस्तान को एक्सपोज करने का काम किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत कई दशकों से पाक समर्थित आतंक का सामना कर रहा है। पाक ने कई घटनाएं कीं, लेकिन इसका कभी उचित जवाब नहीं दिया गया। 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने। इसके बाद सबसे पहला बड़ा हमला उरी में हमारे जवानों पर किया गया। हमने घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक किया। पुलवामा में हमला हुआ तो भारत की सेना ने एयर स्ट्राइक करके कठोर जवाब दिया और इस बार ऑपरेशन सिंदूर में हमने फिर से आतंकी अड्डों को खत्म किया। गृह मंत्री ने दो टूक कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद हमने आतंकियों और उनके ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए लेकिन पाकिस्तान ने इन हमलों को अपने ऊपर हमला मान लिया। इससे साबित हो गया कि वह एक आतंकवाद समर्थक देश है। यही नहीं, आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तानी सेना के अफसर उनके ताबूत को कंधा देते और नमाज ए जनाजा पढ़ते दिखे।केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के तीन प्रमुख कारण बताए। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों से मिली सटीक जानकारी और भारतीय सेना की जबरदस्त मारक क्षमता के तालमेल से संभव हुआ। इन तीनों के एक साथ आने से देश ने दशकों से चल रहे पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद का निर्णायक उत्तर दिया। गृहमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान पूरी तरह बेनकाब हो गया है। आतंकी ठिकानों पर हमले पर पाकिस्तान की सेना ने जवाबी कार्रवाई की। आतंकवादियों के जनाजों में पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी शामिल हुए। इनसे स्पष्ट हो गया कि भारत में होने वाले आतंकी हमले पाकिस्तान प्रायोजित हैं। भारतीय सेना ने न केवल आतंकियों के नौ ठिकाने नष्ट किए बल्कि उनके दो मुख्यालय भी ध्वस्त किए।

गृहमंत्री ने सभी सुरक्षा बलों को नमन करते हुए कार्यक्रम में कहा, भारत अब जवाब देता है। हम केवल आतंकी ठिकानों पर हमला करते हैं, पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को नहीं छूते।

▶10पर

प. बंगाल में हिंदुओं को मारे जाने पर चुप रहने वाले

कश्मीर जाकर बहा रहे घड़ियाली आंसू

श्रीनगर, 23 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को चुन-चुन मारे जाने पर चुप रहने वाले शातिर सियासतदान कश्मीर में पाकिस्तानी गोलाबारी में एलओसी पर मारे गए मुस्लिम परिवारों की मातमपुर्सी के लिए कश्मीर पहुंच गए हैं। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेता कश्मीर जाकर घरियाली आंसू बहा रहे हैं, लेकिन उन्हें अपने ही राज्य के मुर्शिदाबाद में हुई हालिया हिंसा के बाद वहां के हिंदुओं की फिक्र करने की जरूरत महसूस नहीं हुई। मुस्लिम तुष्टिकरण का इससे भद्दा उदाहरण और क्या हो सकता है। तृणमूल कांग्रेस उसी भद्दे उदाहरण की वाहक पार्टी है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की पोल खोलने विदेशों में जाने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में यूसुफ पठान को शामिल होने से ममता बनर्जी ने रोक दिया और उसी ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रभावित इलाकों में

मुस्लिम तुष्टिकरण का भद्दा उदाहरण है टीएमसी

जाकर मुस्लिमों के प्रति सहानुभूति दिखाने की कोशिश कर रही है। यह साफ तौर पर तृणमूल कांग्रेस का दोहरा चरित्र है। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जम्मू-कश्मीर में है। टीएमसी का दावा है कि उसके नेता पाकिस्तानी गोलीबारी से पीड़ित लोगों का दर्द बांट रहे हैं। यह राजनीतिक पाखंड से अधिक कुछ नहीं है, क्योंकि जिस राज्य के लोगों ने टीएमसी को चुना है, वहां संदेशखाली से लेकर मुर्शिदाबाद तक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को लेकर न सिर्फ टीएमसी चुप रही, बल्कि हिंसा की इन घटनाओं में टीएमसी नेताओं का हाथ भी सामने आया।

टीएमसी का जो पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 21 मई से 23 मई तक जम्मू-कश्मीर के दौरे पर रहा, उसमें डेरेक ओब्रायन, सागरिका घोष, नदीमुल हक, ममता ठाकुर और पश्चिम बंगाल के मंत्री मानस रंजन भुइंया शामिल थे। डेरेक ओब्रायन ने पुंछ में कहा, हम यहां इन परिवारों को यह बताने आए हैं कि हम उनके साथ हैं। यही बात मुर्शिदाबाद के पीड़ितों के बीच जाकर क्यों नहीं कही थी? मुस्लिम परस्त डेरेक के पास इस सवाल का कोई जवाब नहीं है।

▶10पर

खुफिया एजेंसियों की सूचना के बाद नेपाल सीमा पर सतर्कता

37 आतंकवादी भारत में घुसने की फिराक में

37 में 27 पाकिस्तानी और 10 बांग्लादेशी आतंकी

लखनऊ, 23 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश और पाकिस्तान के 37 आतंकी नेपाल के रास्ते भारत में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियों की इस सूचना के बाद भारतीय सीमा पर सुरक्षाबल सतर्क हैं और कड़ी निगरानी की जा रही है। बताया गया है कि भारत में घुसने की फिराक में लगे आतंकी पाकिस्तान और बांग्लादेश से नेपाल की खुली सीमा पर पहुंचे हैं। एसएसबी ने 1500 से अधिक जवानों को तैनात किया है और 24 घंटे पैट्रोलिंग की जा रही है। भारत ने जब से आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया है तब से पाकिस्तान बौखला गया है।

▶10पर

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ परिवार वियतनाम दौरे पर रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के सदस्य शुक्रवार को एक विशेष प्रीमियम अंतरराष्ट्रीय दौरे पर वियतनाम के लिए रवाना हुए। यह सात दिन और आठ रातों की यात्रा 27 मई 2025 तक चलेगी, जिसमें प्रतिभागी वियतनाम के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक सौंदर्य का निकट से अनुभव करेंगे। वियतनाम अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक स्थलों और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। इस यात्रा का उद्देश्य न केवल मनोरंजन है, बल्कि सदस्यों के बीच नेटवर्किंग को सुदृढ़ करना, आपसी सहयोग को बढ़ाना और वैश्विक व्यापारिक अवसरों की

पहचान करना भी है। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने बताया, वियतनाम आज वैश्विक पहचान और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्र है। इसकी संस्कृति और इतिहास में गहराई है, जो प्रत्येक यात्री को कुछ नया सिखाने और जोड़ने का अवसर देता है।

इस यात्रा के संबंध में संगठन के महामंत्री विजय सिंघवी ने कहा यह दौरा हमारे सदस्यों के लिए न केवल व्यक्तिगत अनुभव का अवसर है, बल्कि संगठन की एकता और सहयोग को और अधिक मजबूत करने का माध्यम भी है। इस यात्रा से आपसी जुड़ाव और सामाजिक संवाद को नई दिशा मिलेगी। इस सफल आयोजन के संयोजक कमल पुन्निया और सह-संयोजक अरुण कुमार नाहर हैं, जो इस पूरी यात्रा को व्यवस्थित और आनंददायक बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। जीतो परिवार ने सभी यात्रियों को इस रोमांचक और यादगार यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी और विश्वास जताया है कि यह दौरा प्रेरणादायक अनुभवों और स्थायी यादों से भरपूर रहेगा।

विशाल नि:शुल्क कृत्रिम पैर वितरण शिविर आयोजित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
लक्सुरिटो एक्सिबिशन हुब्बल्ली परिवार और ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क कृत्रिम पैर लगाने के शिविर का आयोजन किम्स परिसर में स्थित महावीर लिंब सेंटर में किया गया। शिविर में राज्य के विभिन्न जगहों के दिव्यांगों को कृत्रिम पैर लगाए गए।

शिविर का उद्घाटन लक्सुरिटो एक्सिबिशन परिवार के दलीचंद कोठारी, चांदनी कोठारी, लिंब सेंटर के कार्यदर्शी प्रकाश कटारिया, पुष्पा कोठारी, रौनक कोठारी, संभव कोठारी, पूनम बाफना, अंकिता रांका ने दिव्यांगों को कृत्रिम पाँव लगाकर किया। फेडरेशन के कार्यदर्शी प्रकाश कटारिया ने बताया कि लक्सुरिटो एक्सिबिशन हुब्बल्ली परिवार के

सदस्य लिंब सेंटर द्वारा किये जा रहे मानव सेवा कार्यों को देखते हुए दानदाता के रूप में दिव्यांगों की सेवा के लिए आगे आये है, जो सभी के लिए प्रेरणा का कार्य है।

दानदाता परिवार के संभव कोठरी ने बताया किलिंब सेंटर के माध्यम से दिव्यांग सेवा का हमें मौका मिला है, यह अतुलनीय है। संभव ने सभी से निवेदन किया की सभी को इस सेवा में भाग लेकर पुण्य का कार्य करना चाहिए। लिंब सेंटर के कन्वीनर सुभाष चंद्रा डंक ने बताया महावीर लिंब सेंटर दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में अलग अलग शिविरों के माध्यम से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। इस दौरान लिंब सेंटर के पदाधिकारियों ने दानदाता ग्रुप के सदस्यों को सम्मानित कर आभार जताया।

दिवंगत संथारा साधिका को श्रद्धा सुमन अर्पित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ बेंगलूरु ने गुरुवार को कोथरुड पुणे में दिवंगत संथारा साधिका डॉ.प्रियदर्शना को बेंगलूरु के समस्त स्थानक वासी संघों की ओर से श्रद्धा सुमन अर्पित किए। साध्वी प्रियदर्शना जी ने पूर्ण सचेत अवस्था में 68 दिनों तक समाधि यात्रा की और गुरुवार सायंकाल अंतिम श्वास ली। शुक्रवार को उनका पुणे में अंतिम संस्कार हुआ। बेंगलूरु महासंघ की ओर से जारी विज्ञप्ति में दिवंगत साध्वी का गुणानुवाद करते हुए कहा कि साध्वी जी ने अपने शरीर से मोह का त्याग कर स्वेच्छा से प्रवर्तक कुंदन ऋषि जी के पास आजीवन का संथारा ग्रहण कर आत्म भावों में बहुत ही शांति और धैर्य के साथ यात्रा की और अपने संकल्प पर दृढ़ रहे। अनेक साधु संतों ने महासति को धर्म ध्यान का पाथेय दिया और श्रावक श्राविकाओं ने महासति के दर्शन किए। स्थानीय मयूर कालोनी, कोथरुड पुणे संघ ने बड़े अहो भाव के साथ सेवा का लाभ लिया।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ बेंगलूरु दिवंगत साध्वी जी के लिए शाश्वत सुख की कामना करता है।

तटीय क्षेत्रों के लिए आज रेड अलर्ट

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कई दिनों तक हुई भारी बारिश के बाद, गुरुवार को दक्षिण कन्नड़ (डीके) और उडुपी जिलों में बारिश में थोड़ी कमी आई, कुछ इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हुई। बुधवार की तुलना में तटीय इलाकों में हवा और बारिश की गतिविधि में कमी देखी गई। कुछ जगहों पर सुबह बारिश हुई, उसके बाद बादल छाए रहे और आंशिक रूप से धूप खिली। मेंगलूरु में दिन में बादल छाए रहे और धूप खिली, जबकि उडुपी में शाम और रात में अच्छी बारिश हुई। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, तटीय क्षेत्र के लिए शनिवार को रेड अलर्ट और 25 से 28 मई तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की उम्मीद है। हाल ही में हुई बारिश के कारण तटीय

क्षेत्र में तापमान में गिरावट आई है। 22 मई को मेंगलूरु में अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.4 डिग्री सेल्सियस कम है। न्यूनतम तापमान 23.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो मौसमी औसत से 1.6 डिग्री सेल्सियस कम है। उडुपी जिले में, उडुपी शहर, ब्रह्मवर, काउप और हिरियादका जैसे इलाकों में दिन में धूप और बादल छाए रहे, इसके बाद शाम और रात में भारी बारिश हुई। हवा और बारिश के कारण कुंडापुर तालुक में एक घर, ब्रह्मवर तालुक में छह घर और उडुपी तालुक में तीन घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा। इसके अलावा, कुंडापुर तालुक में तीन व्यक्तियों के सुपारी के बागानों को नुकसान पहुंचा, जबकि बारिश ने उडुपी तालुक के मूडुथोनसे गांव में सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय को भी प्रभावित किया। कई जगहों पर नालियों और तूफानी नहरों से साफ किया गया कचरा उनके किनारों पर जमा हो गया। यह समस्या ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों के कुछ वार्डों में देखी गई है। बारिश के दौरान इसे फिर से ड्रेनेज सिस्टम में जाने से रोकने के लिए सफाई के तुरंत बाद कचरे का निपटान करना महत्वपूर्ण है। ग्राम पंचायतों और शहरी नगर परिषदों सहित स्थानीय निकायों को समय पर अपशिष्ट निपटान को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।

मानसून को देखते हुए, उडुपी की डिप्टी कमिश्नर डॉ. के. विद्याकुमारी और जिला पंचायत के सीईओ प्रतीक बोयल ने विभिन्न विभागों, शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों को आवश्यक तैयारी करने और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में वर्षा जल निकासी नालियों की सफाई में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव से मुलाकात कर किया सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चंदनबाला बहु मंडल की अध्यक्ष शारदा सिंघी ने अपने बेंगलूरु प्रवास के दौरान कर्नाटक राज्य की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश से उनके बेंगलूरु स्थित कार्यालय में मुलाकात की और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान संस्कार स्कूल हुब्बली के कोषाध्यक्ष उज्वल सिंघी, निकिता मुणोत अहमदनगर, प्रियंका चतुर जैन मुंबई, स्नेहा सिंघी, उन्नति सिंघी सहित अन्य ने मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को सम्मानित किया।

पर्पल लाइन पर नम्मा मेट्रो सेवाएं बाधित

4 घंटे 55 मिनट बाद बहाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने बताया कि बेंगलूरु में व्हाइटफील्ड (कडुगोडी) मेट्रो स्टेशन पर तकनीकी खराबी के कारण शुक्रवार की सुबह पर्पल लाइन पर नम्मा मेट्रो सेवाएं बाधित हो गईं। सुबह जारी एक मीडिया विज्ञप्ति में, बीएमआरसीएल ने घोषणा की कि खराबी के कारण सुबह 5 बजे से व्हाइटफील्ड (कडुगोडी) स्टेशन से ट्रेनें नहीं चल रही थीं। व्यवधान के दौरान, सेवाएँ होप फार्म चन्नासंद्रा और चलघट्टा मेट्रो स्टेशनों के बीच के हिस्से तक ही सीमित थीं। हालांकि, ग्रीन लाइन पर परिचालन अप्रभावित रहा। बाद में दिन में, बीएमआरसीएल

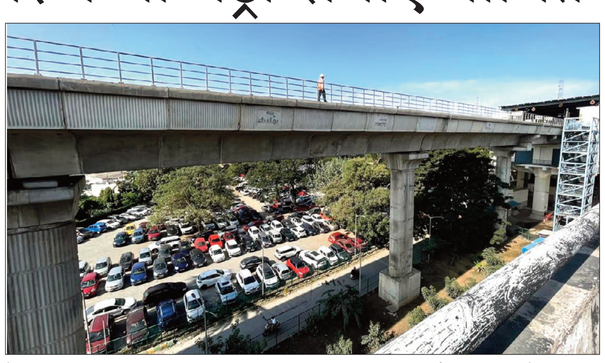

ने बताया कि व्हाइटफील्ड (कडुगोडी) और चलघट्टा के बीच परिचालन सहित पर्पल लाइन पर सामान्य सेवाएं सुबह 9.55 बजे तक पूरी तरह से बहाल कर दी गई थीं। नम्मा मेट्रो नेटवर्क में सबसे व्यस्त कॉरिडोर पर्पल लाइन, शहर के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों को जोड़ती है, जिसमें व्हाइटफील्ड जैसे आईटी हब भी शामिल हैं, जो इसे हजारों दैनिक यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी बनाता है। सुबह के समय यात्रा करने वाले यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा और सामान्य सेवा बहाल होने तक उन्हें परिवहन के वैकल्पिक साधनों की तलाश करनी पड़ी। गड़बड़ी का कारण स्पष्ट नहीं किया गया। बीएमआरसीएल के एक अधिकारी ने कहा कि यह बिजली की समस्या से संबंधित था, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी।

हाथी ने महिला को कुचलकर मार डाला

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेलूर तालुक के अंकिहल्ली में जंगली हाथी ने एक महिला को कुचलकर मार डाला, जिससे कर्नाटक के हासन जिले में मानव-हाथी संघर्ष और बढ़ गया। गजेंद्रपुरा की 45 वर्षीय चंद्रम्मा गांव में एक एस्टेट में काम करते समय हाथी से टकरा गई। इस घटना से एस्टेट में काम करने वाले अन्य कर्मचारी सदमे में हैं। इस साल जनवरी से हासन जिले के बेलूर और सकलेशपुर तालुकों में हाथियों के हमलों में कई मौतें हुई हैं। स्थानीय लोगों ने समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर कई बार विरोध प्रदर्शन किया है। वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने इस मुद्दे पर कई बैठकें कीं। उन्होंने उपद्रवी हाथियों को पकड़ने का आदेश दिया। हालांकि, संघर्ष जारी है। हाल ही में वन विभाग ने भद्रा वन्यजीव अभयारण्य में हाथियों के लिए एक सॉफ्ट रिलीज सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया। अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है।

रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण कर दिए जाने के बाद लोगों को नहीं होगा फायदा: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय बड़े और मध्यम उद्योग तथा इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि क्या रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण कर दिए जाने के बाद लोगों को कुछ फायदा होगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं रामनगर का नाम बदलने को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हूं। उन्होंने कहा कि इसका कोई फायदा नहीं होगा। रामनगर नाम का अपना एक इतिहास है। मैं यह नहीं कहना चाहता कि वे इसे बदलने के लिए हिंदुत्व विरोधी हैं। उन्होंने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि पैसा लूटने के लिए इस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। बेंगलूरु दक्षिण जिले के बजाय, वह इसका नाम केंगल हनुमंतैया के नाम पर रख सकते थे, जिन्होंने विश्व प्रसिद्ध विधान सौधा का निर्माण किया था। इससे पहले केंगल हनुमंतैया ने नेहरू को हराकर राजनीति खेली थी। उन्होंने सवाल किया कि जब 2017 में रामनगर जिले की घोषणा की गई थी, जिसमें तीन मुख्यमंत्री थे, तो इसका विरोध क्यों नहीं हुआ था। बेंगलूरु ग्रामीण जिले के लोग बुद्धिमान हैं। मैं ही वह व्यक्ति हूं जिसने बेंगलूरु ग्रामीण नाम को आगे बढ़ाया। रामनगर को जिला मुख्यालय बनाने से आम लोगों को

लाभ हुआ है। उनकी सरकार हमेशा नहीं चलेगी। मैं जानता हूं कि अगले चुनाव का परिणाम क्या होगा। उन्होंने कहा कि नाम फिर से बदल जाएगा। कुमारस्वामी, जिन्होंने मुख्य रूप से बेंगलूरु की समस्याओं का उल्लेख किया था, ने डी.के. शिवकुमार की आलोचना की। 2006-07, 2007-08 में जेडीएस-भाजपा गठबंधन सरकार में मुख्यमंत्री के तौर पर और 2018 के बाद 14 महीने तक कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार में मुख्यमंत्री के तौर पर मैंने जो काम किया, वह सरकारी रिकॉर्ड में है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो रात एक बजे तक व्यापार और लूटपाट में व्यस्त रहते हैं, वे कुछ दस्तावेज निकालकर देखें। कैबिनेट की बैठक में रामनगर जिले का नाम बदलने और बेंगलूरु में सुरंग सड़क के निर्माण के संबंध में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रशासन ने सड़क निर्माण के लिए मंजूरी दे दी है। मुझे नहीं मालूम पैसा कहां है। उन्होंने मजाक में कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री इस पर चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे।

इससे पहले, बेंगलूरु के मिन्स स्कायर से हेब्बल तक 30 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। जब वे मुख्यमंत्री थे, तब एक टनल रोड के निर्माण पर चर्चा कर लागत मूल्य पर कोरियाई कंपनी को ठेका देने की तैयारी की गई थी। शाही नहरों के ऊपर एक एलिवेटेड सड़क बनाने का प्रस्ताव था। उन्होंने इस बात पर असंतोष जताया कि बदली राजनीति में सभी सरकारों ने अपने कार्यकाल की परियोजनाओं को कूड़ेदान में फेंक दिया है। साईं लेआउट में जल जमाव का कारण सरकार का रवैया है। पिछली भाजपा सरकार में भी यही स्थिति थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने स्थल का निरीक्षण किया। जब मैंने स्थानीय विधायक बसवराजू से फोन पर बात की, तो ब्यातारायपुरा और दाशरहल्ली सहित सात या आठ विधानसभा क्षेत्रों से बारिश का पानी बहकर आ रहा था और रेलवे ट्रैक के एक तरफ खड़ा था। उन्होंने कहा कि लगभग 15 करोड़ की लागत पर काम किया जाना था और उस पानी को दूसरी तरफ मोड़ने के लिए कदम उठाए जाने थे। उन्होंने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री से चर्चा की और परियोजना शुरू की। लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि काम पूरा नहीं हुआ है और पानी स्थिर है क्योंकि मौजूदा सरकार ने ठेकेदारों को भुगतान नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री एसी बस में शहर भ्रमण की तरह रोड शो करेंगे तो इसका कोई फायदा नहीं होगा। आउटर पेरिफेरल रिंग रोड के निर्माण की प्रक्रिया 17 वर्ष पहले शुरू हुई थी। तत्कालीन केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री बालू ने धनराशि उपलब्ध कराने पर सहमति व्यक्त की। एक निविदा भी थी। मैं केंद्र सरकार की एनयूआरएम योजना के तहत बेंगलूरु में 25,000 करोड़ रुपये लाया था। उन्होंने कहा कि जब लागत मूल्य पर एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए निर्णय लिया गया तो उस समय उनकी सरकार में शहरी विकास मंत्री रहे डॉ. जी. परमेश्वर ने उन्हें टोकते हुए कहा कि उनसे परामर्श किए बिना कोई निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए।

मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
मादक पदार्थों की तस्करी पर एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए, उडुपी जिला पुलिस ने मादक पदार्थों की निरंतर बिक्री में कथित संलिप्तता के लिए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में कोलागिरी के कृष्णा अचारी

(43) और केलारकलाबेट्टू के अब्दुल जाबतार (27) शामिल हैं।

दोनों पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए हैं और उन्हें धारवाड़ सेंट्रल जेल में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। जिला पुलिस द्वारा लगातार निगरानी अभियान के बाद गिरफ्तारियां की गईं, जो कुछ समय से आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों जिले के विभिन्न हिस्सों में मादक पदार्थों के वितरण में शामिल थे।

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पुलिस की जिम्मेदारी और प्राथमिकता: पुलिस महानिदेशक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नए पुलिस महानिदेशक डॉ. एम.ए. सलीम ने पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को राज्य में कानून-व्यवस्था और सौहार्द बनाए रखने के लिए कुशलता-पूर्वक काम करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अपराधी-केंद्रित प्रणाली को पीड़ित-केंद्रित प्रणाली में बदलने के निर्देश दिए हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद पुलिस बल को एक अलग पत्र लिखते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने सभी सहकर्मियों, जूनियर पुलिस अधिकारियों से लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों तक, से निरंतर सहयोग की अपेक्षा रखते हैं। उन्होंने देश में शांति, सद्भाव और सुरक्षा का माहौल बनाने के लिए विभाग को समाज-हितैषी बनाने के लिए सभी से मिलकर काम करने का आह्वान किया। पुलिस महानिदेशक ने दस मुख्य बिन्दु प्रस्तावित करते हुए सबसे पहले कानून-व्यवस्था और सौहार्द बनाए रखने को प्राथमिकता दी है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रभावी और समय पर उपाय किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था और सद्भाव के लिए खतरा पैदा करने वाले व्यक्तियों और ताकतों के खिलाफ आवश्यक सावधानी और निवारक उपाय किए जाने चाहिए। अपराधों को व्यवस्थित रूप से रोकने के लिए उपाय किए जाने चाहिए तथा अपराधों की गहन जांच करके दोषियों को दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने आदेश दिया है कि पीड़ितों को न्याय दिलाया जाए। अब तक अपराधों की जांच में अपराधी-केंद्रित प्रणाली अपनाई जाती रही है। इसे पीड़ित-केंद्रित मार्ग में परिवर्तित किया जाना चाहिए तथा पीड़ितों को न्याय प्रदान करके तथा उन्हें योग्य लाभ प्रदान करके उनका पुनर्वास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि दोषियों को सजा मिले। पुलिस अधिकारियों को कभी भी ईमानदारी से समझौता नहीं करना चाहिए। हर सरकारी प्रक्रिया में पारदर्शिता पर जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता के बीच विश्वसनीयता बनाने और कमजोर वर्गों तथा आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को न्याय दिलाने का प्रयास करने से हमारी ईमानदारी के सिद्धांत हमारी नैतिकता और आत्मसंतुष्टि को दोगुना कर देते हैं। एक अच्छा मानव संसाधन पुलिस विभाग के लिए एक परिसंपत्ति है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए सहकर्मियों को नियमित व्यायाम करना चाहिए, काम के तनाव को दूर करना चाहिए, दीर्घकालिक कर्तव्यों को विभाजित करना चाहिए, अच्छा कार्य वातावरण रखना चाहिए, मनोबल बढ़ाने के लिए कदम उठाने चाहिए, बिना कारण छुट्टी देने से इनकार नहीं करना चाहिए, अच्छी सेवा को मान्यता और पुरस्कृत करना चाहिए तथा ऐसे अभ्यासों को अपनाना चाहिए जो परिवार की भलाई पर जोर देते हों। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पुलिस की जिम्मेदारी और प्राथमिकता है। मौजूदा कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए, निवारक उपाय किए जाने चाहिए और सुरक्षित वातावरण बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता को जागरूक किया जाना चाहिए। मादक पदार्थों के उत्पादन, परिवहन और बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। पीड़ितों के पुनर्वास के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। जुआ, मटका और वेश्यावृत्ति जैसी अनैतिक गतिविधियों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए। उपद्रवियों, असामाजिक तत्वों और अन्य संगठित अपराधों को रोकने के लिए प्रभावी कानूनों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भौतिक अपराधों पर अंकुश लगाकर साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा वंचितों तक शीघ्र धनराशि पहुंचाने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। यातायात प्रबंधन में सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि सड़क अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के माध्यम से निर्दोष लोगों की जान बचाई जानी चाहिए।

अगले कुछ दिनों तक राज्य के विभिन्न जिलों में बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए चेतावनी दी है कि अरब सागर में दबाव के कारण तटीय, मलनाड और उत्तर कर्नाटक जिलों में भारी बारिश होगी। तटीय, मलनाड और उत्तरी कर्नाटक के कुछ जिलों में पिछले चार-पांच दिनों से भारी बारिश हो रही है तथा अगले तीन दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है। अरब सागर में गोवा के पूर्वी तट पर एक दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके अतिरिक्त, चक्रवात मायलाई के बनने के कारण राज्य में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

मौसम विभाग के बेंगलूरु क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक सी.एस. पाटिल ने बताया कि तट समेत उत्तर कर्नाटक के कुछ जिलों में भारी बारिश होगी। 26 मई तक तटीय और उत्तरी आंतरिक क्षेत्रों में व्यापक बारिश होगी। उन्होंने कहा कि दक्षिणी आंतरिक भागों में भी मध्यम बारिश होगी। उन्होंने कहा कि कलबुर्गी, यादगीर, कोप्पल, बीदर, उत्तर कन्नड़, उडुपी, दक्षिण कन्नड़, बेलगावी, धारवाड़, हावेरी, गदग, शिवमोग्गा, चिक्कमगलूरु, कोडागु, विजयपुरा और बागलकोट जिलों में भारी बारिश की संभावना होगी और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अगले तीन दिनों तक शेष जिलों में छिटपुट एवं व्यापक वर्षा होने की संभावना है। कुल मिलाकर राज्य के सभी जिलों में बारिश होगी। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु और आसपास के जिलों में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने के संकेत हैं।

ऑटो चालकों ने बेकरी मालिक और बेटे पर किया हमला

सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। थोक्कोट्टू जंक्शन पर एक चौंकाने वाली घटना में, दो ऑटो-रिक्शा चालक एक बेकरी में घुस गए और दुकान के मालिक और उसके बेटे पर हमला कर दिया, क्योंकि उनसे एक खड़ी गाड़ी को हटाने के लिए कहा गया था। यह पूरा मामला बेकरी के सीसीटीवी में कैद हो गया और उल्लाल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब मारुति स्वीट्स बेकरी के मालिक अश्विन कुमार ने ऑटो चालक बशीर से अपने टेंपो रिक्शा को थोड़ा हटाने के लिए कहा, जो दुकान के सामने बाधा उत्पन्न करने के लिए खड़ा था। अनुरोध से नाराज बशीर ने अपने साथी ऑटो चालक ईशान के साथ मिलकर बेकरी में घुसकर अश्विन पर हमला करने का प्रयास किया। बेकरी के अंदर अश्विन की मां और एक महिला कर्मचारी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन दोनों ने उन्हें भी धक्का दे दिया और लगभग हमला कर दिया। स्थिति तब तक बिगड़ती रही जब तक कि बगल के शिवसागर होटल के मालिक सुचिवृथा शेट्टी ने हस्तक्षेप नहीं किया और हमलावरों को बेकरी से बाहर धकेलने में कामयाब नहीं हो गए। मारपीट की कोशिश समेत यह घटना बेकरी के सीसीटीवी सिस्टम में रिकॉर्ड हो गई। अश्विन ने उल्लाल पुलिस स्टेशन में बशीर और ईशान के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन पर मारपीट करने और उन्हें और उनकी मां को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस फुटेज और दी गई शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट लिमिटेड की ब्रांड एंबेसडर बनी अभिनेत्री तमन्ना भाटिया

कार्यकर्ताओं ने गैर-कन्नड़ अभिनेत्री की नियुक्ति का किया विरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट लिमिटेड द्वारा अपने उत्पादों के ब्रांड एंबेसडर के रूप में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को नियुक्त करने के एक दिन बाद, कर्नाटक सरकार इस पद के लिए एक गैर-कन्नड़ भाषी अभिनेत्री को चुनने के लिए आलोचनाओं के घेरे में आ गई है।

युवा कर्नाटक वेदिके के सदस्यों ने शुक्रवार को बेंगलूरु में केएसडीएल की यशवंतपुर फैक्ट्री में विरोध प्रदर्शन किया और सरकार के कन्नड़ विरोधी फैसले की निंदा की। उन्होंने बहुभाषी अभिनेत्री को करोड़ों रुपये का सौदा देने की आवश्यकता पर सवाल उठाया, जबकि प्रतिष्ठित मैसूरु सैंडल ब्रांड ने अब तक किसी भी सेलिब्रिटी के नाम के बिना 400 करोड़ का लाभ कमाया है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि इस सौदे को रद्द किया जाए। तमन्ना को दो साल की अवधि के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में साइन किया गया है, जिसके लिए उन्हें 6.2 करोड़ का भुगतान किया जाएगा। सोशल मीडिया पर कार्यकर्ताओं और नेटिजन्स द्वारा उठाई गई आपत्तियों का जवाब देते हुए, वाणिज्य और उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कन्नड़ भाषा, पहचान और फिल्म उद्योग के प्रति गहरा सम्मान और आदर व्यक्त करते हुए मीडियाकर्मियों से कहा कि जब व्यापार की बात आती है, तो प्रतिस्पर्धा एक महत्वपूर्ण कारक होती है। उन्होंने अभिनेत्री की नियुक्ति को एक विचारशील और शोध-समर्थित निर्णय बताया। उन्होंने कहा, तमन्ना को साइन करने से पहले, हमने दीपिका पादुकोण और रश्मिका मंदाना जैसे कर्नाटक में जन्मी अभिनेत्रियों से संपर्क किया था। हमने श्रीलीला, पूजा हेगड़े और कियारा आडवाणी से भी संपर्क किया। हालाँकि, चूँकि दीपिका अब खुद एक उद्यमी हैं, इसलिए वह अपने उत्पादों को बढ़ावा देने में व्यस्त हैं, और इसलिए वे इसमें शामिल नहीं हो सकीं। बाकी लोगों ने पहले ही दूसरे कॉस्मेटिक ब्रांड, क्रीम और साबुन के साथ एंबेसडर के तौर पर साइन अप कर लिया है। उन्होंने कहा कि वे अगले दो साल तक कोई और काम नहीं कर सकते। इसलिए, तमन्ना, जिनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 28 मिलियन फॉलोअर्स हैं, को उनके अखिल भारतीय प्रभाव और करिश्मे के आधार पर लाया गया है। उन्होंने कहा हमारा मानना है कि आप जो बोते हैं, वही काटते हैं। इसलिए हम उत्कृष्टता बो रहे हैं - उत्पादों, लोगों, प्रक्रियाओं और साझेदारी में। तमन्ना भाटिया को ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त करना एक अच्छी तरह से शोध किया गया कदम है - उनकी अखिल भारतीय अपील, मजबूत डिजिटल उपस्थिति और युवाओं के साथ प्रतिध्वनि को देखते हुए। मंत्री ने ब्रांड एंबेसडर चुनने में शामिल बातों को भी सूचीबद्ध किया, जिसमें किसी भी श्रेणी के लिए उपलब्धता (यदि उनके पास गैर-प्रतिस्पर्धा समझौता है), सोशल मीडिया पर मौजूदगी, ब्रांड, उत्पाद और लक्षित दर्शकों के साथ सामंजस्य, और मार्केटिंग फिट और पहुंच जैसे कारक शामिल हैं। ब्रांड के व्यापक और रणनीतिक बदलाव की बात करते हुए, पाटिल ने संकेत दिया कि तमन्ना की नियुक्ति कर्नाटक से परे बाजारों में भी आक्रामक रूप से प्रवेश करने के इरादे का हिस्सा थी। अभिनेत्री दक्षिण भारतीय भाषाओं की फिल्मों के साथ-साथ हिंदी फिल्म उद्योग में भी अपने अभिनय के लिए लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान मैसूरु सैंडल ब्रांड को कर्नाटक के गौरव से ऊपर उठाकर भारत का सच्चा रत्न बनाने पर है। हम दीर्घकालिक, टिकाऊ परिवर्तन के लिए प्रयास कर रहे हैं।

कुमारस्वामी मानसिक बीमारी से पीड़ित हैं: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी पर मानसिक बीमारी से पीड़ित होने का आरोप लगाया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कुमारस्वामी झूठ का दूसरा नाम हैं। एच.डी. कुमारस्वामी ने कांग्रेस प्रमुख पर अधिकारियों को यह जानकारी देने का आरोप लगाया कि अभिनेत्री रान्या राव दुबई से सोना ला रही हैं। डी.के. शिवकुमार ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी दूसरे जिले से हैं, हम बेंगलूरु से हैं, हमारी विरासत की रक्षा के लिए रामनगर का नाम बदल दिया गया है, उन्हें क्या समस्या है? रामनगर में कोई परिवर्तन नहीं किया जा रहा है। रामानगर, रामानगर ही रहेगा। कुमारस्वामी हासन जिले से यहां क्यों आये? क्या हासन में राजनीति नहीं हो सकती थी? पहले कुमारस्वामी अपना नाम बदलें। आइये, उनके नाम के आगे लगे शहर के प्रतीक चिन्ह को बदल दें। उन्होंने कहा मद्रास को चेन्नई, गुलबर्गा को कलबुर्गी और बीजापुर को विजयपुरा कर दिया गया है। इससे उन्हें क्या परेशानी होगी। इस आरोप का जवाब देते हुए कि नाम रियल एस्टेट विकास के लिए बदला गया था, डी.के. शिवकुमार ने कहा, हां। किसानों और ग्रामीणों का विकास होना चाहिए। हमारी सम्पत्तियों का मूल्य बढ़ना चाहिए। हर किसान का भला होना चाहिए। निवेश विदेश से आना चाहिए। हम नौकरी पाना चाहते हैं।

परमेश्वर के बारे में ईडी को कांग्रेसियों ने दी जानकारी : प्रहलाद जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के इस बयान से सार्वजनिक क्षेत्र में तीखी बहस छिड़ गई है कि कांग्रेस के लोगों ने ही प्रवर्तन निदेशालय को गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर के बारे में जानकारी दी थी। गृह मंत्री परमेश्वर के शैक्षणिक संस्थानों पर ईडी की छापेमारी दो दिनों तक चली। यह हमला राजनीति से प्रेरित था और इसके अनेक अर्थ निकाले गए। कांग्रेस इस अर्थ में बात कर रही है कि परमेश्वर एक सभ्य राजनेता हैं, दलित नेता हैं और मुख्यमंत्री पद के आकांक्षी हैं, और इसीलिए उन्हें मुश्किल में डालने के लिए जानबूझकर इस तरह का हमला किया गया।

भाजपा नेताओं ने शुरू में यह आरोप लगाया था कि परमेश्वर का संबंध रान्या राव के सोने की तस्करी मामले से है, लेकिन कांग्रेस द्वारा केंद्र सरकार पर दलित नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाने के बाद उनका रुख ठंडा पड़ गया है। इस बीच, प्रवर्तन निदेशालय के सूत्रों के हवाले से खबर मिली है कि परमेश्वर के शैक्षणिक संस्थान ने रान्या राव के क्रेडिट कार्ड बिल के रूप में 40 लाख रुपये का भुगतान किया है।

सोने की तस्करी के आरोपी एक व्यक्ति के साथ परमेश्वर के संबंध ने एक अलग तरह की चर्चा को जन्म दिया था। डी.के. शिवकुमार ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि परमेश्वर ने कहा था कि धन हस्तांतरण की बात सच है। हम दान-पुण्य के नाम पर शिक्षा, स्वास्थ्य, विवाह और निकाह जैसे कार्यक्रमों में मदद करते हैं। पैसा शायद इसी तरह गया होगा। डी.के. शिवकुमार ने बचाव करते हुए कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। यह स्पष्ट है कि यह हमला राजनीति से प्रेरित न होकर वस्तुनिष्ठ साक्ष्यों पर आधारित था। अब केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के बयान ने और राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। यह कांग्रेस के कार्यकर्ता ही थे जिन्होंने परमेश्वर के खिलाफ सूचना उपलब्ध कराई थी और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया जानते हैं कि वह कौन था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक ऐसा समूह है जो सोने की तस्करी और उसके व्यापार में संलिप्त है। इसके साथ ही उन्होंने भविष्यवाणी की है कि सोना तस्करी मामला कांग्रेसियों के लिए एक और फांसी का फंदा बनेगा। परमेश्वर एक सभ्य राजनीतिज्ञ हैं। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि उनके मन में भी परमेश्वर के प्रति सम्मान है।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पहले कोरटागेरे में परमेश्वर को हराया था और उन्हें मुख्यमंत्री बनने से रोका था, वे लगातार उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं। कांग्रेस में रहे परमेश्वर को भाजपा में लाने के कई प्रयास हो चुके हैं। परमेश्वर के कई भाजपा नेताओं के साथ घनिष्ठ संबंध हैं और उन्होंने अक्सर कांग्रेस की विचारधारा के साथ-साथ भाजपा के कुछ वैचारिक पदों के लिए समर्थन व्यक्त किया है। इन्हीं परमेश्वर को एक बार कांग्रेस पार्टी में खड़गे को मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल किया गया था। पार्टी के बाहर चिंता है कि परमेश्वर, जिन्होंने केपीसीसी अध्यक्ष के रूप में आठ साल का रिकॉर्ड बनाया है और पार्टी को एक बार सत्ता में लाए हैं, ऐसी स्थिति में हैं कि उनसे कम से कम उपमुख्यमंत्री पद के लिए पूछा जा रहा है।

हावेरी गैंगरेप के आरोपियों को जमानत पर रिहा करने पर उनका भव्य स्वागत

गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने को लेकर मामला दर्ज

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो। एक चौंकाने वाली घटना में, गैंगरेप के एक मामले में जमानत पर रिहा हुए सात मुख्य आरोपियों का हावेरी जिले में उनके अनुयायियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया, जिसकी वीडियो क्लिपिंग सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। आईपीसी की धारा 376डी के तहत आरोपों का सामना कर रहे आरोपियों को 17 महीने पहले गिरफ्तार किया गया था और उन्हें हावेरी उप-जेल में रखा गया था। हावेरी के अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने के बाद उन्हें 20 मई को रिहा कर दिया गया।

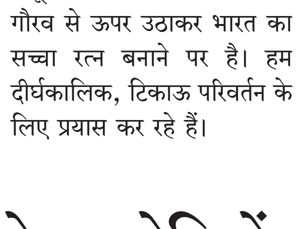

उनकी रिहाई के बाद, आरोपियों के समर्थकों को वायरल हुए वीडियो में सार्वजनिक जुलूस के साथ उनका स्वागत करते देखा जा सकता है, जिसकी काफी आलोचना हो रही है। कथित तौर पर चार पहिया और दोपहिया वाहनों से जुलूस हावेरी उप-जेल से जिले के अक्की अलूर शहर तक निकाला गया। आरोपी आफताब चंदनकट्टी, मदर साब मंडक्की, समीवुल्ला लालनवर, मोहम्मद सादिक आगासिमानी, शोएब मुल्ला, तौसीप चोटी और रियाज साविकेरी पर 26 वर्षीय महिला के साथ सामूहिक बलात्कार का आरोप है। वायरल वीडियो क्लिप में, समर्थक नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि आरोपी व्यक्ति विजय चिन्ह दिखा रहे हैं। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, हावेरी जिले के पुलिस अधीक्षक अंशु कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने और लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एसपी ने यह भी कहा कि आरोपियों के खिलाफ हिस्ट्रीशीट खोली जाएगी और वे जमानत रद्द करने के लिए अदालत में अपील करेंगे। कुल मिलाकर, इस मामले में 19 आरोपी हैं, जिनमें सात मुख्य आरोपी शामिल हैं। मामले में शामिल बारह अन्य को 10 महीने पहले जमानत पर रिहा किया गया था।

पहलगाम आतंकी हमले का असर : कश्मीर के फिल्म पर्यटन पर भी लग गया ग्रहण

जम्मू, 23 मई (ब्यूरो)। कश्मीर वादी के सबसे खूबसूरत पर्यटनस्थल पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले ने कश्मीर के नवजात फिल्म पर्यटन पुनरुद्धार पर ग्रहण लगा दिया है, जिसके कारण कई निर्धारित शूटिंग रद्द और स्थगित करनी पड़ी हैं। दरअसल मनोरंजन उद्योग में भय व्याप्त होने के कारण, प्रोडक्शन हाउस घाटी से हट रहे हैं, जिससे व्यस्त शूटिंग सीजन पटरी से उतर गया है। लाइन प्रोड्यूसर और स्थानीय कलाकार, जिन्होंने इस साल मीडिया से जुड़े पर्यटन में उछाल की उम्मीद लगाई थी, कहते हैं कि इसका प्रभाव तत्काल और गंभीर रहा है। श्रीनगर स्थित लाइन प्रोड्यूसर साइमा भट का कहना है कि मई और जून में हमारे पास फीचर फिल्मों और बड़े बजट की वेब सीरीज सहित चार प्रमुख शूटिंग की योजना थी। इन टीमों को पहलगाम के घास के मैदानों में फिल्मांकन करना था, ठीक उसी जगह जहां हमला हुआ था। उसके बाद, निर्माताओं ने रातोंरात फिल्मांकन छोड़ दिया और मनाली, शिमला और यहां तक कि स्विट्ज़रलैंड जैसे विकल्पों पर चले गए। हालांकि जमीनी स्तर पर सुरक्षा के बारे में प्रोडक्शन टीमों को आश्वस्त करने के प्रयासों के बावजूद, फिल्म निर्माता आशंकित हैं। भट के बकौल, हम लगातार उनसे संपर्क कर रहे हैं, यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि चीजें नियंत्रण में हैं। लेकिन डर बना हुआ है।

चिंताजनक बात यह है कि यह सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं है, टॉलीवुड के क्रू ने भी पीछे हटना शुरू कर दिया है। एक अन्य अनुभवी लाइन प्रोड्यूसर ताहिर हुसैन ने बताया कि मई से जून के बीच में होने वाली एक फीचर फिल्म और कई म्यूजिक एल्बम की शूटिंग को या तो अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है या फिर स्थानांतरित कर दिया गया है। वैसे कुछ निर्देशक नई सेटिंग में फिट होने के लिए स्क्रिप्ट को फिर से लिख रहे हैं। नतीजा यह है कि अचानक हुई इस रुकावट ने कश्मीर के नाजुक सिनेमाई पुनरुत्थान को गंभीर झटका दिया है। हाल के वर्षों में, कश्मीर ने भारतीय सिनेमा के लिए एक पसंदीदा पृष्ठभूमि के रूप में अपनी ऐतिहासिक भूमिका को पुनः प्राप्त करना शुरू कर दिया था, जहां हाई-प्रोफाइल शूटिंग ने स्थानीय अर्थव्यवस्था और रचनात्मक कार्यबल को पुनर्जीवित किया।

अनंतनाग के एक महत्वाकांक्षी अभिनेता हसन जावेद कहते हैं कि यह दिल तोड़ने वाला है। उनका कहना था कि हममें से कई लोगों को आखिरकार भूमिकाएं या पर्दे के पीछे का काम मिल रहा था। जब हमें लगा कि चीजें सुधर रही हैं, तो सब कुछ फिर से ठंडा हो गया।

फिल्म उद्योग में कई लोगों के लिए, इस हमले ने सुरक्षा की भावना को चकनाचूर कर दिया, जो अभी-अभी जड़ जमाना शुरू हुई थी। हुसैन ने याद करते हुए बताया कि एक समय था जब हम फिल्म यूनिट्स की संख्या के हिसाब से नहीं चल पाते थे। अब, एक भी यूनिट तारीखों की पुष्टि नहीं कर रही है।

निर्देशक-निर्माता मुश्ताक अली खान आशान्वित हैं। उन्होंने आशा प्रकट करते हुए कहा कि मैं बॉलीवुड की उन हस्तियों के संपर्क में हूं जो कश्मीर को पर्यटन और फिल्मांकन दोनों के लिए एक सुरक्षित गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए अभियान की योजना बना रहे हैं।

अगर स्थानीय उद्योग, लोग और सरकार मिलकर काम करें, तो हम उस आत्मविश्वास को फिर से हासिल कर सकते हैं। सेट से परे, पहलगाम की पर्यटन-निर्भर अर्थव्यवस्था पर इसका असर महसूस किया जा रहा है। दुकानदार, होटल व्यवसायी, टट्टू वाले और ट्रांसपोर्टर संघर्ष कर रहे हैं। अब्दुल रशीद, एक स्थानीय ड्राइवर जो नियमित रूप से फिल्म क्रू को ले जाता था, कहते हैं कि मंदी विनाशकारी है। उनका कहना था कि पिछले दो वर्षों में, मैं लगातार बॉलीवुड यूनिट्स के साथ घूमता रहा। इस साल, मुझे एक भी बुकिंग नहीं मिली है।

यह केवल पर्यटकों पर हमला नहीं है, यह हमारी आजीविका पर हमला है।

इस हमले के बाद से सुरक्षा बलों ने प्रमुख पर्यटन क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ा दी है, लेकिन पहलगाम हमले के परिणाम से यह पता चलता है कि कश्मीर की आर्थिक उम्मीदें कितनी कमजोर हैं, और कितनी जल्दी प्रगति को नुकसान पहुंच सकता है।

विश्व व्यापार का बड़ा केंद्र बनेगा भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र: मोदी

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र को पूर्वी भारत का सबसे महत्वपूर्ण अंग बताया है और कहा है कि आने वाले समय में देश के वैश्विक व्यापार में इस क्षेत्र की संभावनायें कई गुना बढ़ने वाली हैं। श्री मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं से पूर्वी भारत और पूर्वोत्तर क्षेत्र आर्थिक वृद्धि के नये केंद्र के रूप में उभरा है। श्री मोदी यहां भारत मंडपम में पूर्वोत्तर क्षेत्र पर दो दिन के निवेशक सम्मेलन - राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और दक्षिण पूर्व एशियायी देशों के संघ आसियान के बीच व्यापार संबंधों के विस्तार के साथ पूर्वात्तर क्षेत्र व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने वाला है।

उन्होंने कहा, आसियान के साथ व्यापार इस समय वार्षिक सवा सौ अरब डालर का है, जो आने वाले वर्षों में ये 200 अरब डॉलर को पार कर जाएगा, नॉर्थ ईस्ट इस ट्रेड का एक मजबूत सेतु बनेगा, आसियान के लिए व्यापार का प्रवेश-द्वार बनेगा, और इसके लिए भी हम ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर तेज़ी से काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार इसके लिए बुनियादी सुविधायें खड़ी करने में लगी है। भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग से म्यांमार होते हुए थाईलैंड तक सीधा संपर्क होगा। इससे भारत से वियतनाम और लाओस जैसे देशों तक पहुंचना आसान हो जाएगा।

श्री मोदी ने कहा, सरकार, कलादान मल्टीमोडल ट्रांजिट प्रोजेक्ट को तेजी से पूरा करने में जुटी है। यह परियोजना कोलकाता पोर्ट को म्यांमार के सित्तवे बंदरगाह से जोड़ेगी, और मिज़ोरम होते हुए बाकी का पूर्वोत्तर क्षेत्र इससे जुड़ जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे पश्चिम बंगाल और मिज़ोरम की दूरी बहुत कम हो जाएगी। यह उद्योग और व्यापार के लिए भी बहुत बड़ा वरदान साबित होगा।

उन्होंने कहा कि इस समय गुवाहाटी, इम्फाल, अगरतला जैसे शहरों को विभिन्न सम्पर्क सुविधाओं वाले लॉजिस्टिक्स केंद्रों के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। मेघालय और मिज़ोरम में थल सीमा शुल्क केंद्रों से भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को विस्तार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में संभावनाओं का एक नया आकाश खुलने जा रहा है और भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र एशिया प्रशांत देशों में 'व्यापार का नया नाम' बनने जा रहा है।

श्री मोदी ने कहा, किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए सबसे जरूरी है- शांति और कानून-व्यवस्था की उत्तम स्थिति। आतंकवाद हो या अशांति फैलाने वाले माओवादी, हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलती है। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब पूर्वोत्तर के साथ बम-बंदूक और ब्लॉकेड का नाम जुड़ा था, जिसका बहुत बड़ा नुकसान वहां के युवाओं को उठाना पड़ा। प्रधानमंत्री ने कहा, आज हमारा फोकस पूर्वोत्तर के युवाओं के भविष्य पर है। इसलिए हमने एक के बाद एक शांति समझौते किए, युवाओं को विकास की मुख्य धारा में आने का अवसर दिया।

उन्होंने कहा कि पिछले 10-11 साल में, 10 हजार से ज्यादा युवाओं ने हथियार छोड़कर शांति का रास्ता चुना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोज-गार के लिए, स्वरोजगार के लिए नये मौके मिल रहे हैं। मुद्रा योजना ने लाखों युवाओं को हजारों करोड़ रुपए की मदद दी है। क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थानों के बढ़ने से यहां के युवाओं को कौशल बढ़ाने में मदद कर रही है। क्षेत्र के युवा 'इंटरनेट यूज़र नहीं, डिजिटल इन-ोवेटर (नवप्रवर्तक) बन रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि 13 हजार किलोमीटर से ज्यादा ऑप्टिकल फाइबर, 4जी, 5जी कवरेज, टेक्न-ोलॉजी में उभरती संभावनायें, नॉर्थ ईस्ट का युवा अब अपने शहर में ही बड़े-बडे स्टार्टअप शुरू कर रहा है। नॉर्थ ईस्ट भारत का डिजिटल गेटवे बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र ऊर्जा और सेमीकंडक्टर उद्योग का केंद्र बन रहा है। क्षेत्र के राज्यों में हाइड्रोपावर और सोलर पावर के हज़ारों करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट स्वीकृत किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा, आज देश में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को मजबूत करने में भी नॉर्थ ईस्ट, असम की भूमिका बड़ी हो रही है।

बहुत जल्द नॉर्थ ईस्ट के सेमीकंडक्टर प्लांट से पहली मेड इन इंडिया चिप देश को मिलने वाली है। इस प्लांट ने, नॉर्थ ईस्ट में सेमीकंडक्टर सेक्टर के लिए, अन्य अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के लिए संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। उल्लेखनीय है कि टाटा समूह की कंपनी टाटा सेमीकंडक्टर एसेम्बली एवं टेस्ट प्रा.लि ने असम में अपना पहला चिप एसेम्बली कारखाना लगाया है। उन्होंने निवेशकों और उद्यमियों से कहा, आपके सामने संयंत्रों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश का अवसर तो है ही, विनिर्माण का भी सुनहरा मौका है। सोलर मॉड्यूल्स हों, सेल्स हों, स्टोरेज हो, रिसर्च हो, इसमें ज्यादा से ज्यादा निवेश ज़रूरी है।

उन्होंने कहा, यह हमारा भविष्य है, हम भविष्य के लिए आज जितना अधिक निवेश करेंगे, उतना ही विदेशों पर निर्भरता कम होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने पूर्वोत्तर में संपर्क सुविधाओं के विस्तार के लिए लाखों करोड़ रुपए खर्च किए हैं। क्षेत्र में 11 हजार किलोमीटर के नये राष्ट्रीय राजमार्ग बनाये गये हैं। सैकड़ों किलोमीटर की नयी रेल लाइनें बिछाई गयी हैं, नॉर्थ ईस्ट में हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी हो चुकी है। ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों पर वॉटरवेज़ बन रहे हैं। सैकड़ों की संख्या में मोबाइल फोन टावर्स लगाये गये हैं, और इतना ही नहीं, 1600 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन का नॉर्थ ईस्ट गैस ग्रिड भी बनाया गया है।

उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में जमीन तैयार हो चुकी है, हमारे उद्योगों को आगे बढ़कर, इस अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए। आपको पहले पहुंचने के लाभ से चूकना नहीं है।

अपने संबोधन के शुरू में श्री मोदी ने कहा, राइज़िंग नॉर्थ ईस्ट, सिर्फ़ इन्वेस्टर्स समिट नहीं है, यह एक आंदोलन है। यह एक कदम उठाने का आह्वान है, भारत का भविष्य, पूर्वोत्तर के उज्ज्वल भविष्य से ही नयी उंचाई पर पहुंचेगा।

उन्होंने सम्मेलन में उद्यमियों और विदेशी प्रतिनिधियों की उपस्थिति की ओर संकेत करते हुए कहा, इतनी बड़ी संख्या में बड़े उद्योगपति आए हैं। यह दिखाता है कि नॉर्थ ईस्ट (पूर्वोत्तर क्षेत्र) को लेकर सभी में उत्साह है, उमंग है और नये-नये सपने हैं।

उन्होंने सभी मंत्रालयों और क्षेत्र के सभी राज्यों की सरकारों को इस काम के लिए बधाई देते हुए कहा कि सबके प्रयासों से वहां निवेश के लिए एक शानदार माहौल बना है। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, सुकांता मजूमदार , मणिपुर के राज्यपाल अजय भल्ला, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा , अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग , नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा मंच पर उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर राज्यों में एक लाख करोड़ निवेश करेगा अडाणी समूह

काम आ रहा पूर्वोत्तर के विकास का मोदी-विजन

अडाणी समूह के प्रमुख गौतम अडाणी ने किया ऐलान

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। देश का बड़ा कारोबारी समूह अडाणी ग्रुप पूर्वोत्तर राज्यों में बड़े निवेश की तैयारी कर रहा है। अडाणी समूह ने ऐलान किया है कि वह पूर्वोत्तर राज्यों में एक लाख करोड़ का निवेश करेगा।

अडाणी समूह यह निवेश अगले 10 वर्षों में करने वाला है। पूर्वोत्तर के 7 राज्यों में यह निवेश स्मार्ट एनर्जी, हाईवे, डिजिटल कनेक्टिविटी और स्किल डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। इस निवेश योजना का ऐलान राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट में अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने किया है। यह समिट पूर्वोत्तर राज्यों में निवेश लाने के लिए की जा रही है।

इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को किया। इस समिट का आयोजन नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हो रहा है। गौतम अडाणी ने इस निवेश का ऐलान करते हुए कहा, पिछले दशक में पूर्वोत्तर भारत की पहाड़ियों और घाटियों में भारत के विकास का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है, विविधता, जिजीविषा और असीम संभावनाओं से भरी यह धरती अब आर्थिक और रणनीतिक उन्नति का केंद्र बन चुका है। गौतम अडाणी ने पीएम मोदी के पूर्वोत्तर भारत के विकास के विजन की सराहना की और कहा कि पीएम मोदी का एक्ट ईस्ट, एक्ट फास्ट, एक्ट फर्स्ट का मंत्र इस क्षेत्र के लिए नींव का पत्थर साबित हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी की पूर्वोत्तर भारत में हुई 65 व्यक्तिगत यात्राएं सफलता का अलग स्तर लाई हैं। पीएम मोदी के कार्यकाल में पूर्वोत्तर राज्यों में 6.2 लाख करोड़ का निवेश हुआ है और 16,000 किलोमीटर तक फैला हुआ सड़क नेटवर्क बनाया गया है। इसके अलावा 18 हवाई अड्डों का निर्माण भी हुआ है। इसे गौतम अडाणी ने प्रतिबद्धता का द्योतक बताया है। गौरतलब है कि इससे पहले मार्च 2025 में अडाणी समूह ने असम में 50,000 करोड़ के निवेश की घोषणा की थी। अब, इस समिट में अडाणी ने उस राशि को दोगुना करते हुए कुल निवेश को 1 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया है।

अडाणी समूह का यह निवेश ग्रीन एनर्जी, हाइड्रो और पंप्ड स्टोरेज, पावर ट्रांसमिशन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट मीटर, सड़क और राजमार्ग, लॉजिस्टिक्स, कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों पर केंद्रित होगा।

अडाणी समूह ने यह स्पष्ट किया है कि इस निवेश का फोकस स्थानीय लोग होंगे। समूह ने बताया है कि इससे स्थानीय लोगों को रोजगार, स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा और समुदाय की सहभागिता को प्राथमिकता दी जाएगी।

अमरनाथ यात्रा की तैयारियां युद्धस्तर पर

चार लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने कराया पंजीकरण

जम्मू, 23 मई (ब्यूरो)। तीन जुलाई से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। वार्षिक यात्रा का संचालन करने वाले श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारी और तीर्थयात्रा के सुचारू संचालन में सहायता करने वाले लाइन विभाग ट्रैक क्लीयरेंस और यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों को अन्य सुविधाएं प्रदान करने के काम में लगे हुए हैं।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में हिमालय की गहराई में 3880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा की इस वर्ष की तीर्थयात्रा के लिए अब तक देश भर से चार लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने नामांकन कराया है।

तीर्थयात्रियों के लिए तीन स्तरीय सुरक्षा की जाएगी और सेना, आईटीबीपी, सीआरपीएफ और जम्मू कश्मीर पुलिस सहित 40,000 सुरक्षा कर्मियों को दो-हरे ट्रैक और यात्रा शिविरों में तीर्थयात्रियों की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात किया जाएगा। जबकि चंदनवाड़ी ट्रैक पर हेलिकॉप्टर श्रीनगर से पहलगाम और पहलगाम से पंचतरणी तक उड़ान भरेंगे और बालटाल इलाके में वे श्रीनगर से नीलग्रथ बालटाल और फिर बालटाल से पंचतरणी तक उड़ान भरेंगे। हेलिकॉप्टर सेव-ाओं के लिए बुकिंग जून से शुरू होगी।

इस बार चंदनवाड़ी से पिस्सू टॉप तक करीब पांच किलोमीटर लंबी 12 फीट चौड़ी बाईपास सड़क बनकर तैयार है और इस साल इसे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा। इसके अलावा, चंदनवाड़ी ट्रैक पर जोजीबल तक बर्फ हटाने का काम पूरा हो चुका है और शेषनाग तक बर्फ हटाने का काम तीन दिनों के भीतर पूरा हो जाएगा। शेषनाग से महा गणेश (एमजी) टॉप तक पांच से 10 फीट बर्फ है, जिसे हटाने में एक पखवाड़ा से अधिक समय लगेगा। पंचतरणी से पवित्र गुफा तक बर्फ हटाने का काम भी जारी है, जबकि बालटाल ट्रैक पर बालटाल से काली माता तक बर्फ और भूस्खलन को हटा दिया गया है। हालांकि, इस क्षेत्र से आगे बर्फ और ट्रैक हटाने का काम जारी है। बालटाल की ओर से बालटाल, नीलग्रथ दोमेल, बराड़ी मार्ग, संगम, निचली गुफा और पवित्र गुफा और पहलगाम की ओर से नुनवान (नंदीवन), चंदनवाड़ी, पिस्सू टॉप, जोजीबल, शेषनाग, पोषपथरी और पंचतरणी सहित विभिन्न स्थानों पर शिविरों की स्थापना का काम चल रहा है। बालटाल और नुनवान के बेस कैंपों में दो नए यात्री भवनों का निर्माण कार्य भी चल रहा है। इसके अलावा, श्रीनगर के पंथाचौक में यात्री निवास की दो और मंजिलों का भी इस वर्ष उद्घाटन किया जाएगा और उन्हें तीर्थयात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा। पंथाचौक में यात्री निवास की छह मंजिलों में से तीन मंजिलें पिछले वर्ष तीर्थयात्रियों के लिए खोल दी गई थीं, जबकि अन्य दो मंजिलों पर काम चल रहा है और उनका उपयोग इस वर्ष से किया जाएगा। व्यस्त समय में पंथाचौक यात्री निवास में करीब 1000 तीर्थयात्रियों को ठहराया जा सकता है। बालटाल में तीन ब्लॉकों वाले नवनिर्मित यात्री निवास और नुनवान में पांच ब्लॉकों वाले नवनिर्मित यात्री निवास का आंशिक उपयोग इस वर्ष की तीर्थयात्रा के लिए किया जाएगा। इसके अलावा, बिजबेहरा में दो ब्लॉकों वाले यात्री निवास का निर्माण भी चल रहा है।

'आतंकवाद के वित्तपोषण पर पाकिस्तान के विरुद्ध नया डोजियर सौंपेगा भारत'

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। भारत पहलगाम आतंकवादी हमले से उत्पन्न परिस्थितियों के बीच पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद के वित्तपोषण को लेकर बहुपक्षीय संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) को नया डोजियर देने की तैयारी में है।

सूत्रों ने यहां बताया कि भारत एफएटीएफ से मांग करेगा कि पाकिस्तान को पुन: 'ग्रे सूची' (संदिग्ध देशों की सूची) में रख कर उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। पेरिस स्थित यह संस्था धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखती है और इसमें भारत सहित 39 देश शामिल हैं। उच्चस्तरीय सूत्रों ने शुक्रवार को यहां कहा, ' पाकिस्तान को फिर से 'ग्रे सूची' में डालने के लिए भारत एफएटीएफ के समक्ष मजबूत मामला पेश करेगा। पाकिस्तान अपने क्षेत्र में पनपने वाले आतंकवाद पर कार्रवाई करने में विफल रहा है और वह बहुपक्षीय एजेंसियों से मिलने वाले धन का उपयोग हथियार और गोला-बारूद खरीदने और आतंकवादियों को मदद करने के लिए कर रहा है।'

सूत्रों ने कहा कि भारत इस डोजियर में विशेष रूप से उन कानूनी प्रावधानों का संकेत करेगा जिनका अनुपालन करने के पाकिस्तान के वादे पर उसे 2022 में एफएटीएफ की ग्रे सूची से हटाया गया था लेकिन वह उनका पालन नहीं कर रहा है।सूत्रों ने कहा कि भारत सरकार एक डोजियर तैयार कर रही है जिसे एफएटीएफ की अगली पूर्ण बैठक में प्रस्तुत किया जा सकता है। यह बैठक जून में होने की संभावना है। इसके अलावा, भारत जून में पाकिस्तान को विश्व बैंक से कर्ज की समीक्षा के लिए होने वाली बैठक में भी पड़ोसी देश के खिलाफ आपत्ति उठाएगा।

गैरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों की नृसंश हत्या के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है और बहुपक्षीय एजेंसियों से विकास के लिए मिले धन को हथियार और गोला-बारूद खरीदने और आतंकवादी ढांचे को मदद करने के लिए उपयोग कर रहा है।

एफएटीएफ आतंकवाद के वित्त पोषण और मनी लांडरिंग जैसे वित्तीय अपराधों की रोक के लिए एक बहुपक्षीय तंत्र है।यह संदिग्ध देशों पर निगरानी रखता है और उन्हें बैंकिंग और वित्तीय तंत्र में सुधार करने को कहता है।

पाकिस्तान को जून 2018 में 'ग्रे सूची' में डाल दिया गया था और अक्टूबर 2022 में इसे हटाए जाने तक एफएटीएफ की 'बढ़ी हुई निगरानी' का सामना करना पड़ा था। एफएटीएफ की सूची में शामिल देशों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और पूंजी प्रवाह पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है ।

सेना प्रमुख ने शहीद सैनिकों के परिजनों को 'बलिदान बैज' और 'सम्मान प्रमाण पत्र' प्रदान किये

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शुक्रवार को यहां एक समारोह में भारत मां के उन नौ वीर सपूतों के परिजनों को 'बलिदान का बैज' और 'सम्मान प्रमाण पत्र' प्रदान किये जिन्होंने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर कर दिये।

दिल्ली छावनी के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित एक भव्य और भावपूर्ण समारोह में वीरता और सर्वोच्च बलिदान के लिए गहन प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि के रूप में ये पुरस्कार उन अधिकारियों, जूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारियों और अन्य रैंकों को प्रदान किए गए जो देश की सेवा करते हुए दुश्मन की और आतंकवादियों की कार्रवाई में शहीद हो गये।

यह कार्यक्रम गुरूवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित औपचारिक रक्षा अलंकरण समारोह के एक दिन बाद आयोजित किया गया। ये सम्मान कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष ढोंचक, कैप्टन दीपक सिंह, हव-लदार रोहित कुमार, नायक दिलवर खान, राइफलमैन रवि कुमार, सिपाही प्रदीप सिंह, पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल भट, ओईएम जीडीई-1 विजयन कुट्टी जी (सीमा सड़क संगठन) के परिजनों को प्रदान किये गये।

ये पुरस्कार जुलाई 1999 में स्थापित किये गये थे और 1947 से चली आ रही लड़ाइयों में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों के परिवारों को प्रदान किए जाते रहे हैं। पहली बार ये सम्मान 16 दिसंबर 1999 को विजय दिवस पर दिये गये थे।

'बलिदान बैज' 24 कैरेट सोने की परत वाला प्रतीक चिन्ह है जिस पर सैनिक की सेना संख्या, रैंक और नाम अलग-अलग उकेरा गया है। पीछे की तरफ भारतीय सेना का प्रतीक चिन्ह अंकित है, जो शाश्वत स्मृति का प्रतीक है।

'सम्मान प्रमाण पत्र' भी उतना ही विशिष्ट है और इसे 24 कैरेट सोने की पन्नी पर तैयार कर सोने की परत वाले फ्रेम में सेट किया गया है। भूतपूर्व सैनिक निदेशालय द्वारा डिज़ाइन किए गए ये सम्मान सेना द्वारा शहीद नायकों के लिए सौंदर्य गरिमा और स्थायी सम्मान दोनों को दर्शाते हैं।

शहीदों के परिजनों ने भावुक होकर गौरव के साथ ये पुरस्कार स्वीकार किए। भारतीय सेना सम्मान, कर्तव्य और बलिदान की गहरी परंपराओं को कायम रखते हुए यह सुनिश्चित करती है कि हर शहीद सैनिक को सम्मान और श्रद्धा के साथ याद किया जाए।

वाराणसी, मुरादाबाद और लखनऊ से पकड़े गए

हिंसा की फिराक में लगे तीन पाकिस्तानी जासूस

लखनऊ, 23 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने तीन पाकिस्तानी जासूसों को पकड़ा है। ये गिरफ्तारियां वाराणसी, मुरादाबाद और लखनऊ से हुई हैं। ये तीनों हिंसक वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे।

वाराणसी से तुफैल नाम के एक जासूस को गिरफ्तार किया गया है। वह पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहा था और भारत की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को भेज रहा था। तुफैल का संवाद 600 से अधिक पाकिस्तानी फोन नंबरों से जुड़ा पाया गया है। तुफैल फेसबुक के जरिए पाकिस्तान के फैसलाबाद की एक महिला नफीसा से भी सम्पर्क में था, जिसका पति पाकिस्तानी फौज में है।

आरोपी के पास से उसका मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी बरामद कर लिया गया है। तुफैल ने पाकिस्तानी आतंकी समूह तहरीक-ए-लब्बैक के नेता मौलाना शाह रिजवी के वीडियो वॉट्सऐप ग्रुप में साझा किए थे। इन संदेशों में गजवा-ए-हिंद (भारत पर इस्लामी कब्जा), बाबरी मस्जिद विध्वंस का बदला लेने और भारत में शरिया कानून लागू करने जैसी भड़काऊ बातें शामिल थीं। जांच में यह भी पता चला है कि जासूस तुफैल वाराणसी के राजघाट, नमो घाट, ज्ञानवापी, रेलवे स्टेशन और लाल किले जैसे संवेदनशील स्थानों की तस्वीरें पाकिस्तान भेज रहा था। इसके अलावा, उसने वाराणसी में ऐसे वॉट्सऐप ग्रुप के लिंक भी साझा किए थे, जिनसे स्थानीय लोग पाकिस्तानी नेटवर्क से जुड़ सकें।

दूसरा मामला मुरादाबाद का है, जहां शहजाद को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए जासूसी करने और सीमा पार तस्करी में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शहजाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर सक्रिय है और पाकिस्तानी एजेंसी के समर्थन से तस्करी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त है। इस सूचना के आधार पर, रामपुर जिले के टांडा इलाके के रहने वाले शहजाद को मुरादाबाद से गिरफ्तार कर लिया गया। उस पर भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने सहित कई आरोप लगाए गए हैं। जांच में ये भी पता चला है कि शहजाद आईएसआई के निर्देश पर भारत में एजेंटों को पैसे देता था। उस पर आरोप है कि वह रामपुर और उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों से लोगों की भर्ती करता था। वह उन्हें यह कहकर गुमराह करता था कि वे तस्करी के लिए पाकिस्तान जा रहे हैं, जबकि असल में उन्हें आईएसआई के लिए काम करना था। आईएसआई के लोग उनके वीजा और यात्रा दस्तावेजों का इंतज़ाम करते थे। अधिकारियों का कहना है कि शहजाद इन एजेंटों को भारतीय सिम कार्ड भी मुहैया कराता था ताकि वे भारत में जासूसी गतिविधियों को अंजाम दे सकें।

दिल्ली का रहने वाला मोहम्मद हारुन कबाड़ी लखनऊ से पकड़ा गया। वह दिखाने के लिए कबाड़ी का काम करता है, लेकिन उस पर पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात कर्मचारी मुजम्मल हुसैन के साथ मिलकर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी साझा करने का आरोप है।

एटीएस के मुताबिक, हारुन और मुजम्मल हुसैन मिलकर पाकिस्तान का वीजा दिलाने के नाम पर अलग-अलग खातों से अवैध वसूली भी करते थे। जांच में पता चला है कि हारुन की पाकिस्तान में रिश्तेदारी है, जिसके चलते वह अक्सर वहां आता-जाता रहता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात मुजम्मल हुसैन से हुई। मुजम्मल के कहने पर हारुन ने उसे कई बैंक खाते भी मुहैया कराए थे, जिनमें वीजा चाहने वाले लोगों से पैसे डलवाए जाते थे।

ये तीनों गिरफ्तारियां दिखाती हैं कि पाकिस्तान अपनी खुफिया एजेंसियों के जरिए भारत में घुसपैठ और जासूसी की लगातार कोशिश कर रहा है। उत्तर प्रदेश एटीएस इन मामलों की गहराई से जांच कर रही है ताकि इन नेटवर्कों का पूरी तरह से पर्दाफाश किया जा सके और देश की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

तीन बार पाकिस्तान और 10 बार सऊदी जा चुका है शहजाद

लखनऊ, 23 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए रामपुर टांडा निवासी शहजाद के बारे में एटीएस को पता चला है कि वह तीन बार पाकिस्तान और 10 बार सऊदी अरब जा चुका है। शहजाद ने शुरुआत में ड्राइविंग की, इसके बाद वह तस्करी और फिर जासूसी करने लगा। शहजाद शुरुआत में गाड़ी चलाता था, लेकिन जल्द ही उसने कॉस्मेटिक्स, मसाले व कपड़ों की तस्करी शुरू कर दी। इसके बाद उसका पाकिस्तान आना-जाना शुरू हुआ और वह आईएसआई एजेंटों के संपर्क में आया। इसके बाद उसने भारत में आईएसआई के लिए भारत में काम करना शुरू किया। गिरफ्तारी के बाद उसकी गतिविधियों की जांच में कई चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं। उसने रामपुर के कई युवकों को पाकिस्तान भेजा और वहां आईएसआई से ट्रेनिंग दिलवाई।

शहजाद ने भारत में रह रहे आईएसआई एजेंटों को फर्जी नाम-पते पर सिम कार्ड दिलवाए और रुपए की भी व्यवस्था की। इन सिम कार्ड्स का इस्तेमाल पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स से सम्पर्क में रहने के लिए किया जाता था। शहजाद ने कई बार भारत के कई हिस्सों से लोगों को तस्करी के बहाने पाकिस्तान भेजा। इन यात्राओं के लिए जरूरी वीजा और दस्तावेज आईएसआई एजेंटों के माध्यम से बनवाए गए। इस पूरी प्रक्रिया में पाकिस्तानी दूतावास का अधिकारी अहसान उर रहमान उर्फ दानिश भी सक्रिय भूमिका में रहा।

नगर निगम के पार्षद ने रोहिंग्या को दिलाई भारतीय होने की पहचान

कानपुर, 23 मई (एजेंसियां)। कानपुर में म्यांमार के साइडुय मंगडो शहर (आईकब) निवासी मो. साहिल को भारतीय होने की पहचान कानपुर नगर निगम सभासद (पार्षद) ने शहजाद उर्फ शहजादे ने दिलाई थी। उसके प्रमाणपत्र की बदौलत रोहिंग्या ने अपना ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार का आधार कार्ड बनवाया। फिर पासपोर्ट भी तैयार कराया। यह जानकारी पुलिस की जांच में सामने आई है। अब मामले में पार्षद का नाम शामिल किया जा रहा है। पुलिस पार्षद से पूछताछ कर रही है। कोतवाली पुलिस ने बीती रात वाहन चेकिंग के दौरान मो. साहिल को गिरफ्तार किया। वह परिवार के साथ पिछले आठ वर्षों से शुक्लागंज के मनोहर नगर के पास झुग्गी झोपड़ी डालकर रह रहा था। पुलिस ने बुधवार देर रात एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से ड्राइविंग लाइंसेस, आधार कार्ड और पासपोर्ट बरामद किया गया। पुलिस ने आधार कार्ड और डीएल के बारे में जब रोहिंग्या से पूछताछ की तो उसने बताया कि शुक्लागंज के मनोहरनगर के सभासद शहजाद उर्फ शहजादे ने उसे और उसके परिवार का भारतीय होने का प्रमाणपत्र दिया था। उन्होंने आधार कार्ड, डीएल और पासपोर्ट बनवाने में भी मदद की थी।

मो. साहिल और उसका परिवार म्यांमार का रहने वाला है। यह जानते हुए भी सभासद ने उसे भारतीय होने का प्रमाण पत्र और आधार कार्ड फार्म को सत्यापित किया। ऐसे में सभासद को भी आरोपी बनाते हुए उनका नाम विवेचना में शामिल किया जाएगा। गुरुवार को मो. साहिल को जेल भेज दिया गया, जबकि उसके परिजनों के बयान दर्ज किए गए। एसीपी कोतवाली अभिषेक कुमार ने बताया कि मो. साहिल को उसके पड़ोसी बबलू ने चमनगंज के फहीमाबाद कॉलोनी निवासी इकबाल हुसैन से किराए पर ऑटो दिलाया था। इकबाल ट्रक चालक है। इसके बाद मो. साहिल शहर में ऑटो चला रहा था। उसने बैंक में खाता खुलवाने के लिए सभासद से सम्पर्क किया था। सभासद शहजाद ने उसे खाता खुलवाने का भी आश्वासन दिया था। इससे पहले ही वह पुलिस की गिरफ्त में आ गया।

अयोध्या में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

बहुत जी चुका पाकिस्तान अब उसका समय आ गया है

अयोध्या, 23 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह नया भारत है जो किसी को छेड़ता नहीं और अगर कोई छेड़ता है तो उसको छोड़ता नहीं हैं। यही काम तो हनुमान जी ने भी किया था। जब हनुमान जी लंका में रावण के सामने पेश किए गए तो रावण ने उनसे यही पूछा था कि तुमने मेरे बेटे (अक्षय कुमार) को क्यों मारा? तब हनुमान जी ने जवाब दिया था कि मैंने नहीं मारा। मैंने तो बस जवाब दिया और वो मर गया।

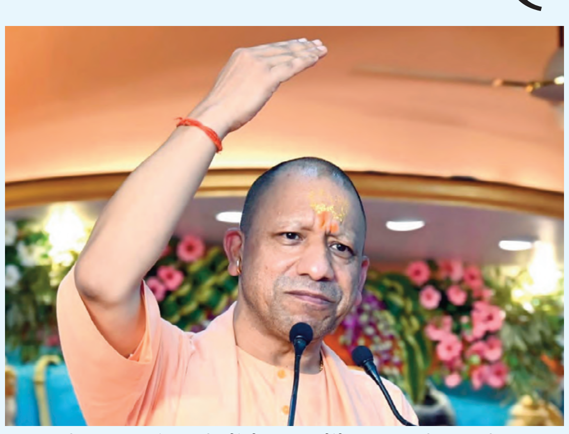

मुख्यमंत्री ने कहा कि यही काम भारतीय सेनाओं ने किया। उन्होंने पाकिस्तान पर हमला नहीं किया बल्कि आतंकवाद की कायराना हरकतों का जवाब दिया। आतंकवादियों ने 24 निर्दोष भारतीय नागरिकों को मारा तो भारत की सेनाओं ने 124 आतंकवादियों का खात्मा कर दिया। मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को अयोध्या के हनुमानगढ़ी में हनुमत कथा मंडपम का लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब 75 साल अपनी पूरी जिंदगी जी चुका है। अब ये खत्म हो जाएगा। इसका समय आ गया है। हमारे एक पूज्य संत ने भविष्यवाणी की थी कि पाकिस्तान खत्म हो जाएगा। पाकिस्तान को उसके कर्मों की सजा मिलेगी।

यूपी में आंधी-बारिश से भारी तबाही, 51 लोगों की मौत

लखनऊ, 23 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आंधी और बारिश से मची तबाही में 51 लोगों की मौत हो गई। बुधवार की रात से बृहस्पतिवार सुबह तक के बीच लगभग पूरे प्रदेश में आंधी-बारिश ने तबाही मचाई। इस बीच पेड़ और दीवार गिरने से हुए हादसों में 51 लोगों की मौत हो गई। बिजली के पोल टूटने से आपूर्ति बाधित हुई। बुलंदशहर में 89 किमी प्रति घंटे तो मेरठ में 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलीं। आगरा, अलीगढ़ क्षेत्र के साथ प्रदेश के अन्य पूर्वी इलाकों में भी 50 से 80 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। इससे कई इलाकों में टिन की छतें और छप्पर उड़ गए। राजधानी लखनऊ के साथ अवध के 12 जिलों में बुधवार देर रात आंधी के साथ तेज बारिश हुई। बिजली गिरने से अंबेडकरनगर के कुसुमखोर गांव के अजय सिंह उर्फ गुड्डू (48) की मौत हो गई। दीवार गिरने से अमेठी के मैंझार गांव में सीतापति (59) और अयोध्या में रुदौली निवासी सूर्यकला (55) ने दम तोड़ दिया। ब्रज में भी 17 लोगों की जान चली गई। इनमें आगरा में तीन, कासगंज में चार महिलाओं सहित 6 लोगों की जान चली गई। एटा में पांच, फिरोजाबाद में दो महिलाओं, टूंडला में एक बच्चे की मौत हो गई। बदायूं के बिल्सी में गिरी दीवार के मलबे में दबकर एक महिला की मौत हो गई।

मुरादाबाद में आंधी के दौरान हवा के झोंके से छत से गिरी महिला की मौत हो गई। कानपुर व आसपास और बुंदेलखंड के जिलों में 22 लोगों की मौत हो गई। इनमें फतेहपुर में पांच, औरैया में चार, कानपुर और कन्नौज में तीन-तीन, इटावा और कानपुर देहात में दो-दो और बुंदेलखंड के झांसी में दो, चित्रकूट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। आजमगढ़ के अतरौलिया बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई। हाथरस में एक युवक, अलीगढ़ में एक वृद्धा की मौत हो गई। इसके अलावा पश्चिम यूपी के मेरठ में एक, बागपत में दो लोगों की मौत हो गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि से प्रभावित जिलों के अधिकारियों को तत्काल राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नजर रखें। आपदा से जनहानि और पशुहानि में प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें।घायलों का समुचित उपचार कराया जाए। साथ ही, सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए शासन को रिपोर्ट भेजें, ताकि इस संबंध में आगे कार्रवाई की जा सके।

सीएम योगी ने श्रीहनुमत कथा मंडपम का किया लोकार्पण : भक्ति, शक्ति, बुद्धि और युक्ति का संगम है हनुमानगढ़ी

अयोध्या, 23 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने एक दिवसीय अयोध्या दौरे के दौरान हनुमानगढ़ी में श्रीहनुमत कथा मंडपम का भव्य लोकार्पण किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर आयोजित समारोह में उन्होंने अयोध्या की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक प्रगति की चर्चा करते हुए सनातन धर्म की रक्षा और इसके वैश्विक प्रचार-प्रसार के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। अपने संबोधन में उन्होंने हनुमानगढ़ी को भक्ति, शक्ति, बुद्धि और युक्ति का संगम बताते हुए इसे सनातन धर्म का एक अडिग गढ़ बताया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों में अयोध्या को अव्यवस्थाओं में झोंककर इसे अपमानित करने का कार्य किया गया। वहीं 2014 और 2017 के बाद डबल इंजन की सरकार में अयोध्या का विकास डबल स्पीड से हुआ है। सीएम योगी ने यह भी कहा कि हमें अपने मित्र और शत्रुओं की पहचान रखना जरूरी है। देश को सनातन धर्म के मार्ग में बाधा डालने वालों को चिह्नित करना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म भारत के अस्तित्व की पहचान है और इसकी गरिमा और सम्मान के विरुद्ध हमें कुछ भी स्वीकार नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान पर हमला बोलते हुए कहा कि उसके अंत की शुरुआत हो चुकी है और आतंकवाद ही उसके अंत का कारण बनेगा।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत हनुमानगढ़ी के त्रेतायुगीन टीले को कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा की यहां से हनुमान जी महाराज ने अयोध्या धाम की रक्षा की है। उन्होंने बाबा अभयराम दास जी महाराज को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि यह श्रीहनुमत कथा मंडपम बाबा अभयराम दास जी की दूरदर्शिता और वैष्णव अखाड़ों की सनातन परंपरा का जीवंत प्रतीक है। उनकी कृपा से आज हम इस भव्य स्वरूप को देख रहे हैं। उन्होंने हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन, पूज्य संतों और नागाओं की प्रशंसा की, जिन्होंने एक-एक पाई बचाकर इस मंडपम का निर्माण किया। सीएम योगी ने कहा कि हनुमानगढ़ी केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए योद्धा भाव का प्रतीक है। यह मंडपम आने वाली पीढ़ियों के लिए हनुमानगढ़ी के वैभव को संरक्षित रखेगा। उन्होंने कहा कि हनुमानगढ़ी का यह मंडपम न केवल आध्यात्मिक केंद्र बनेगा, बल्कि सत्संग और कथाओं के माध्यम से सनातन धर्म के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाएगा। उन्होंने हनुमानगढ़ी के नागाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आपका इतिहास सनातन धर्म के उस कालखंड की सेना के रूप में जाना जाता है, जब देश विधर्मियों आक्रांताओं से त्रस्त था तब अखाड़ों ने सनातन धर्म की रक्षा केलिए स्वयं को समर्पित किया था।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या के विकास की विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि 2014 और 2017 से पहले अयोध्या अव्यवस्था, टूटी-फूटी सड़कों, बिजली की कमी और गंदगी से जूझ रही थी। जब हम यहां आते थे, तो राम की पैड़ी का पानी सड़ता था, घाटों पर गंदगी थी और हर दूसरे दिन कर्फ्यू जैसी स्थिति रहती थी। लेकिन 2017 के बाद डबल इंजन की सरकार ने अयोध्या को नया स्वरूप दिया। उन्होंने अयोध्या के बुनियादी ढांचे में आए बदलावों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या अब फोरलेन सड़कों से जुड़ चुकी है और शहर के अंदर के मार्ग भी चौड़े हो गए हैं। पहले जहां एक ट्रेन के लिए लोग तरसते थे, आज अयोध्या देश के हर कोने से रेलवे के माध्यम से जुड़ गया है। महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण ने अयोध्या को वैश्विक मानचित्र पर ला दिया है। त्रेतायुग में भगवान राम पुष्पक विमान से आए थे उसके बाद अब जाकर यहां बड़े-बड़े विमान यहां उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरयू के घाट और अयोध्या के कुंड अब स्वच्छ और सुंदर हैं। बिजली की समस्या इतिहास बन चुकी है। मुख्यमंत्री ने दीपोत्सव के आयोजन को अयोध्या के वैभव को पुनर्जनन देने वाला कदम बताया। कहा कि 2017 में जब दीपोत्सव शुरू हुआ तो हमारा विश्वास था कि अयोध्या ने ही दुनिया को दीपावली दी है। आज यह आयोजन वैश्विक स्तर पर अयोध्या की पहचान बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण को सनातन धर्म के इतिहास का सबसे ऐतिहासिक और अभिनंदनीय कार्य करार दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 500 वर्षों का अंधकार दूर हुआ। पिछली सरकारों के लिए यह असंभव था, लेकिन डबल इंजन की सरकार ने डबल स्पीड से इसे साकार किया। उन्होंने नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट का श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला, 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मंदिर का भूमि पूजन और 22 जनवरी 2024 को श्रीराम लला के भव्य मंदिर के उद्घाटन का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी जी पहले प्रधानमंत्री हैं, जो अयोध्या आए और श्रीरामलला के दर्शन किए। उनका संकल्प था कि सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे और इसे उन्होंने पूरा किया। योगी आदित्यनाथ ने सनातन धर्म को भारत के अस्तित्व और वजूद का आधार बताते हुए कहा कि इसके सम्मान और गरिमा के खिलाफ कुछ भी स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने हनुमानगढ़ी के नागाओं और संतों से आह्वान किया कि वे अपने योद्धा भाव को बनाए रखें और सनातन धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा की। कहा कि भारत छेड़ता नहीं है और कोई छेड़े तो उसे छोड़ता भी नहीं है। सीएम योगी ने हनुमान जी का उदाहरण देते हुए कहा कि बजरंगबली ने रावण के दरबार में यही संदेश दिया था। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देकर खुद को बर्बाद कर रहा है। भारतीय सेना की कार्रवाई में 124 से अधिक आतंकवादी मारे गए हैं। यह गलती पाकिस्तान की है, जो आतंकियों को प्रश्रय दे रहा है। ये आतंकवाद पाकिस्तान को ले डूबेगा और इसमें ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का अध्यात्मिक जगत में कोई अस्तित्व नहीं है। जिसका अपना वास्तविक अस्तित्व न हो, उसकी एक निश्चित लाइफ होती है।

न बनाएं बोरियत को अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

लाइफस्टाईल

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस ख़त्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्ज़ा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

बाहर पढ़ने जा रहे हैं, तो इन बातों को कभी न भूलें

कैरियर

पढ़ाई-लिखाई या फिर रोजगार के सिलसिले में आपमें से कई लोगों को घर से बाहर जाना होगा। कुछ रह भी रहे होंगे। हालांकि कई लोगों के लिए यह अनुभव मजेदार होता है, पूरा आजादी और कोई रोक-टोक नहीं। लेकिन बात बस इतनी सी ही नहीं रहती है। घर से बाहर निकलने पर आपकी पूरी जिम्मेदारी भी आप पर ही हुआ करती है। खाना-पीना, कपड़े, अपनी चीजों की देखभाल, स्वास्थ्य और फायनेंसेस। फिर एक और चीज है अब तक आप घर में रहे हैं, यदि आपकी पॉकेट मनी खत्म हो गई है तो या तो आप बहन से ले सकते हैं या फिर मां से भी। घर से बाहर निकलते ही सबसे पहली दिक्कत खाने की और दूसरी पैसे ही महसूस होने लगती है। कुछ ऐसी चीजें हैं,

जो आपको घर से बाहर निकलने से पहले ही सीख लेनी चाहिए, ताकि घर से बाहर रहकर न आप परेशान हों, न आपके घर वाले और न ही आपके दोस्त।

काम चलाऊ कुकिंग : अपने घर में चाहे आपने कभी चाय का कंटेनर भी बर्नर पर न रखा हो, लेकिन अब चूंकि आप बाहर जा रहे हैं तो आपको अपने खाने लायक काम चलाऊ कुकिंग सीख ही लेनी चाहिए। बाहर का खाना एक तो बहुत महंगा पड़ता है, दूसरा बाहर के खाने से स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। ऐसे में यदि आप अपने लिए खाना बनाना सीख लेते हैं तो ये आपके लिए ही बेहतर होगा। तो अभी से अपनी मम्मा को या सिस को अपना ट्यूटर बनाएं और कुकिंग शुरू करें।

याद रहें घर से बाहर जाते ही सबसे ज्यादा यदि कुछ याद आता है तो वह है घर का खाना। यदि आप फूडी है तो यह और भी ज्यादा जरूरी है कि आप कुकिंग सीख लें, क्योंकि कई बच्चे ऐसे भी होते हैं कि सिर्फ घर के खाने के लिए अपना कोर्स या जॉब छोड़कर लौट आते हैं। इसलिए जरूरी है कि कामचलाऊ खाना बनाना तो सीख ही लें, और यदि अच्छे खाने के शौकीन है तो फिर तो अच्छा खाना बनाना सीख लें।

बजटिंग : बाहर निकलते ही बजट गड़बड़ा जाता है। क्योंकि घर से बाहर रहते हुए हर छोटी-बड़ी बात के लिए पैसा लगने लगता है। ऐसे में बजट बनाना अच्छा विकल्प होगा। बजट बनाते हुए थोड़ा पैसा बचा कर रखें। किसी भी वक्त पैसे ही जरूरत पड़ सकती है। पैसा सोच-समझकर खर्च करें। पहले जरूरतों पर विचार करें, शौक को महीने के आखिरके लिए बचाकर रखें। वीक डेज में फिल्म देखें, सेल से कपड़े, शूज और एक्सेसरीज खरीदे। थोड़ी ग्रॉसरी की खरीदी में ध्यान रखें। अक्सर मॉल्स में वीक का कोई एक दिन या फिर मंथ के किसी एक दिन ऑ- फर्स और डिस्काउंट्स दिए जाते हैं, उसका उपयोग करें। कुछ बचत कर पाएंगे।

छुट्टी का उपयोग : अब तक आपको अपने कपड़ों के धोने और प्रेस करवाने की चिंता नहीं करनी पड़ती थी। अब ये चिंता आपको खुद ही करनी होगी। छुट्टी के दिन अपने कपड़े हर हाल में धो लें। और प्रेस कर ले, ताकि वीक डेज में काम करते हुए या इंस्टीट्यूट जाते हुए हड़बड़ी न करनी पड़े। छुट्टी वाले दिन बजाए दिन भर टीवी देखकर बिताने के आप अपने सप्ताह भर के पैंडिंग काम निबटा लें।

रिश्ते बनाएं : हो सकता है कि अब तक आपने अपने घर के पास रह रही चोपड़ा आंटी से कभी हलो नहीं किया हो। क्योंकि उनसे मम्मा और दीदी बात कर ही लेती हैं और अंकल को कभी लिफ्ट न दी हो, क्योंकि पापा उनसे बात कर ही लेते हैं। लेकिन अब आप अपने आसपास के लोगों से संबंध बनाकर रखें। क्योंकि आप अकेले रहते हैं, और किसी भी वक्त आपको अपने पड़ोसियों की जरूरत हो सकती है। कभी देर से नींद खुली हो और पीने का पानी न हो, कभी देर रात आपको तेज बुखार आ रहा हो या फिर पनीर पकाते हुए गैस सिलेंडर खत्म हो गया हो। वजह तो एक हजार हो सकती है, लेकिन नसीहत सिर्फ यही है कि अपने आसपास के लोगों से संबंध बनाकर रखें। अच्छा भी लगेगा और जरूरत के वक्त मदद भी हो जाएगी।

शेयरिंग हो जाए : हो सकता है आप अपने अपने पैरेंट्स की इकलौती संतान हो। ऐसे में आपकी आदतें एकाधिकारवादी हो सकती है। जैसे आप अपनी किताबें किसी के साथ शेयर नहीं करते हैं, या आपकी बाइक आप किसी को यूज करने के लिए नहीं देते हैं। आपने जो अपनी बहन की शादी में ब्लैजर बनवाया था, वह आप अपने दोस्त को पहली डेट के लिए नहीं देते हों। तो अपनी आदतें बदल लीजिए। घर से बाहर निकलने के बाद भी यदि आपकी यही एकाधिकारवादी प्रवृत्ति बनी रही तो आप एकदम अकेले पड़ सकते हैं। दोस्त बनाने के लिए आपको शेयरिंग करना सीखनी होगी। इससे मदद भी हो जाएगी और दोस्ती भी गाढ़ी होगी। अपने बड़ों के आश्रय में रहते हुए बहुत सारा ऐसा होता है, जो हम नहीं सीख पाते हैं। घर से अलग होते ही हम बहुत सारी चीजें खुद-ब-खुद सीख जाते हैं। लेकिन यदि सीखने की मनस्थिति के साथ ही पढ़ने या नौकरी करने जाएं तो अकेले रहने का वो वक्त बहुत खुशनुमा व यादगार हो सकता है।

अपने आप बंद हो जाएंगे ब्राउजर के गैरजरूरी टैब

तकनीक

अक्सर इंटरनेट चलाते समय कई टैब खोलने की आदत पड़ जाती है लेकिन यूजर उसे बंद करना भूल जाते हैं जिसकी वजह से अधिक डाटा की खपत होती हैं और कंप्यूटर हैंग होने लगता है। मगर ब्राउजर के ये टैब खुद-ब-खुद बंद भी हो सकते हैं लेकिन इसके लिए एक्सटेंशन की मदद लेनी होगी। ऐसे ही खास एक्सटेंशन के बारे में बता रहे हैं रोहित कुमार...

गूगल क्रोम वेब स्टोर पर मौजूद Tab Wrangler एक्सटेंशन की सहायता से क्रोम ब्राउजर में खोले गए पुराने टैब जो प्रयोग नहीं किए जा रहे हैं वह तय समय के बाद खुद ब खुद बंद होने लगते हैं। इस मुफ्त एक्सटेंशन को अपने ब्राउजर में शामिल करने के लिए 'क्रोम ब्राउजर' खोलें, उसके सर्च बार chrome webstore टाइप करें। यहां बाईं ओर सर्च का विकल्प मिलेगा, उसमें Tab Wrangler टाइप कर दें। साथ ही सर्च बार के नीचे दिए गए विकल्पों में से Extensions का चयन करें। अब आपके सामने सबसे ऊपर Tab Wrangler लिखा मिलेगा, उस पर क्लिक करें और वह आपके ब्राउजर में शामिल हो जाएगा। इसका आइकन यूआरएल बार के दाईं तरफ दिखाई देगा। जरूरत पड़ने पर ऑटोमैटिक बंद होने वाले फीचर को रोक भी सकते हैं। इसके अलावा बंद हुए टैब को दोबारा खोलने के लिए इस एक्सटेंशन के आइकन को दबाने के बाद आपको रीस्टोर करने का विकल्प भी मिल जाएगा।

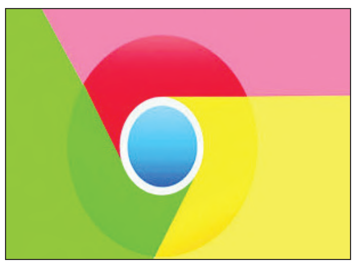

खुद तय करें टैब का समय

जब इस एक्सटेंशन को ब्राउजर में शामिल करेंगे तो उसमें 20 मिनट का समय पहले से सेट होता है। यानी कोई भी टैब 20 मिनट इस्तेमाल न होने पर खुद बंद हो जाएगा। इसमें दिए गए समय को कम और ज्यादा भी कर सकते हैं। समय को बदलने के लिए ब्राउजर के यूआरएल बार के पास दिए गए एक्सटेंशन के आइकन पर क्लिक करें। इसके बाद नई डिस्प्ले खुलेगी जिसमें ऊपर की ओर 'ऑप्शन' लिखा मिलेगा। इस पर क्लिक कर दें। यहां से आपको 20 मिनट का समय दिखाई देगा। इसके समय को यहीं से बढ़ा या घटा भी सकते हैं।

पसंदीदा टैब को कर सकते हैं लॉक

ब्राउजर में किसी एक टैब को खुला रखना चाहते हैं तो उसे लॉक किया जा सकता है। इसके लिए एक्सटेंशन के आइकन पर जाना होगा। इसके बाद जो स्क्रीन खुलेगी उसमें ड्डथ्थ ख्रधदद्म पर क्लिक करें। यहां से ब्राउजर में खुली सभी वेबसाइट को एक साथ देख सकते हैं। इसके अलावा जिस टैब को लॉक करना चाहते हैं उसके सामने दिए गए बॉक्स पर टच कर दें। यह वेबसाइट तब तक लॉक रहेंगी जब तक आपका कंप्यूटर खुला रहेगा। वहीं स्थायी तौर पर किसी वेबसाइट को खुला रखना चाहते हैं तो एक्सटेंशन के आइकन पर दोबारा क्लिक करने के बाद ऊपर की तरफ तीसरे नंबर पर दिए गए 'ऑप्शन' पर क्लिक करने के बाद सबसे नीचे Auto-Lock लिखा मिलेगा, उसके नीचे दिए गए बॉक्स में जिस वेबसाइट को लॉक करना चाहते हैं उसका यूआरएल कॉपी कर शामिल कर दें।

ऐसे बना सकते है शादी जिंदगी को कामयाब

रिश्ते-नाते

शादी लाइफ का खास और खुशी भरा लम्हा होता है। इस पल को यादगार बनाने के लिए अपने साथी की छोटी-बड़ी खुशी का ध्यान रखना जरूरी होता है। कहा जाता है शादी और खुशी ऐसा पॉजीटिव रिलेशनशिप है जिसमें अविवाहिता की तुलना में शादीशुदा लोग ज्यादा खुश रहते है। कैसे आइये जानें कामयाब शादी के लाभों के बारे में...

1.सफल शादीशुदा पति-पत्नी हमेशा खुशी के एहसास में जीते हैं। वह लाइफ में होने वाली परेशानियों से कभी निराश नहीं होते।

2.विवाह एक सुरक्षा कवच की तरह होता है, जो पति-पत्नी दोनों को एक सफल जीवन जीने में अश्वासन देती है।

3.रोमांस के पलों को यादगार बनाने के लिए अपने साथी को हॉट मैसेज भेजें, खुशबू वाले कैंडल से अपने साथी के लिए कैंडल लाइट डिनर अरेंज कर उनके करीब आएं ।

4. अपने साथी का ढाल बन कर साथ देना अच्छी बात है अगर आपको लगता है कि आपका पार्टनर सही कह रहा है ऐसे समय में उसका पूरा-पूरा साथ दें, यह बात उसे एहसास दिलाएगी कि वह अकेला नहीं है।

5.याद रखें कि हर रात पहली रात ही है इसलिए पहले अपनी पत्नी की भावनाओं का ख्याल रखें। अगर बात नहीं बनती है तो रोमांस के पलों में समय लगाएं ।

6.अपने पार्टनर की दी हुई सभी चीजों को अपने पास यादगार के तौर पर रखें। इससे आप दोनों एक-दूसरे के पहले से भी ज्यादा करीब आ जाएंगे ।

7.अपने पार्टनर को यह एहसास दिलाएं कि जो बातें और रिलेशनशिप उसे आपके साथ शेयर करनी चाहिए, वो किसी और के साथ अंजाने में शेयर कर रहे हैं।

8.दुख-सुख बांटने से पति-पत्नी दोनों जहां एक तरफ अपनी सारी परेशानियों से बाहर निकल आते हैं, वहीं फाइनेंशियली भी सुरक्षा महसूस होती है।

9.जब तनाव न हो, तो मन शांत रहता है और काम करना बोझ नहीं लगता। फिर चाहे वह घर का काम हो या ऑफिस का, व्यक्ति मन लगाकर करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद साबित होगा पानी

यह सलाह तो आपने सुनी ही होगी कि रोज 8 से 10 ग्लास पानी पिया करो...। सवाल यह है कि यह 8-10 ग्लास पानी का गणित आखिर क्या है और क्या यह आंकड़ा हर हाल में, सबके ऊपर लागू होता है? सच तो यह है कि 8 से 10 ग्लास पानी पीने की उक्ति महज एक मोटी-मोटी गाइडलाइन है। कुछ लोगों को प्रतिदिन इससे अधिक पानी पीने की भी जरूरत पड़ सकती है और कुछ लोगों का काम इससे कम पानी पीने से भी चल सकता है।

खैर, यह तो हुई सामान्य तौर पर पानी पीने की बात। मगर क्या आप जानते हैं कि पानी वजन घटाने में भी मददगार हो सकता है? जी हां, यदि आपका वजन सामान्य से अधिक है, तो पानी आपका वजन घटाने का 'जादू' भी कर सकता है। खास तौर पर यदि आप अधिक नमक वाला, प्रोसेस्ड फूड ज्यादा खाते हैं और इसी के माध्यम से आपको अधिकांश कैलोरी प्राप्त होती हैं, तो पानी वाकई आपके लिए वजन घटाने वाला जादूगर साबित हो सकता है। जानते हैं कैसे:

वसा को भस्म करता है पानी : शोध में पाया गया है कि किसी हाई-कैलोरी ड्रिंक के बजाए पानी पीने से 40 प्रतिशत अधिक फैट, यानी वसा बर्न होती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप भोजन के साथ सोडा, जूस आदि कैलरी से भरपूर ड्रिंक्स मे बजाए पानी ही पिएं।

बीएमआई होता है कम : अधिक पानी पीने से आपका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) भी कम होता है। इसके पीछे कारण यह है कि अधिकांश लोग प्रतिदिन लगभग एक जैसी मात्रा में तरल पदार्थ का सेवन करते हैं। ऐसे में यदि वे पानी का अनुपात बढ़ा दें, तो अन्य, कैलोरी प्रधान तरल पदार्थों का सेवन स्वतः कम हो जाएगा। इससे उनका कैलोरी इनटेक घट जाएगा और वजन घटाने में मदद मिलेगी।

भूख में कटौती : हालांकि भूखे रहना वजन घटाने का कोई सही तरीका नहीं है लेकिन यदि आपमें आवश्यकता से अधिक खाने की आदत है, तो पानी यहां आपकी मदद कर सकता है। 12 सप्ताह तक चली एक शोध में देखा गया कि जिन लोगों ने भोजन से पहले दो ग्लास पानी पिया, उन्होंने पहले से कम मात्रा में भोजन ग्रहण किया। कैलोरी प्रधान ड्रिंक पीने वालों के मुकाबले इन पानी पीने वाले लोगों का वजन 44 प्रतिशत ज्यादा घटा।

संपादकीय

आतंक के खिलाफ कैसी लड़ाई

इजरायल ने गाजा पट्टी में नरक से बदतर हालात बना रखे हैं। वह गाजा में हमास के आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लडऩे का दावा करता रहा है। गाजा के लोग घुन की तरह पिस रहे हैं। इजरायल के हवाई हमलों में 54,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, गाजा के 9.3 लाख बच्चे (करीब 93 फीसदी) भुखमरी की गिरफ्त में हैं। अब तक 57 बच्चे कुपोषण के कारण जिंदगी गंवा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के एक उच्च अधिकारी का आकलन है कि यदि मानवीय सहायता यथाशीघ्र नहीं पहुंची, तो करीब 14000 नवजात शिशु कभी भी दम तोड़ सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि उसके पास करीब 500 बच्चों के इलाज के लायक ही सामग्री बची है। गाजा में खाद्य पदार्थों और ईंधन आदि रसद पर भी इजरायल की नाकेबंदी है। इजरायल गाजा पर कब्जा करना चाहता है, लेकिन आवरण आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का है। अब अमरीका ने भी इजरायल को धमकी देना शुरू कर दिया है और ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, कुछ यूरोपीय देशों ने बयान जारी कर इजरायल की आतंकी लड़ाई को खारिज किया है और चेतावनी दी है कि यदि गाजा की 21 लाख आबादी के लिए पर्याप्त खाद्य और ईंधन की आपूर्ति तय नहीं की गई, तो उसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन माना जाएगा। इजरायल के पूर्व जनरल एवं विपक्षी नेता यायर गोलान प्रधानमंत्री नेतन्याहू की ऐसी युद्ध-नीति के घोर आलोचक हैं। उनका मानना है कि कोई भी सभ्य देश बच्चों की हत्या का शौक नहीं पालता। लोगों को विस्थापित करने के लक्ष्य नहीं बनाता। यह आतंकवाद के नहीं, मानवता के खिलाफ युद्ध है। बहरहाल गाजा पट्टी में इजरायल की नाकेबंदी के कारण आटा 5000 फीसदी और तेल 1200 फीसदी तक महंगे बिक रहे हैं। खीरे की कीमत 7 गुना बढ़ गई है। बेबी फूड 4 गुना से अधिक महंगा हो चुका है और मटर अब करीब 1000 फीसदी महंगा हो गया है। रसोई गैस के दाम 2400 फीसदी बढ़ जाने से खाना बनाना असंभव-सा हो गया है। अब भूख हर गली में लूट को जन्म दे रही है। संयुक्त राष्ट्र के सहायता-समूह का मुख्यालय और गोदाम भी लूट की चपेट में आ गए हैं। ये उन बाजारों और इलाकों के आंकड़े हैं, जो इजरायल के हमलों से बचे हैं, लेकिन वे भी खाली हो रहे हैं। वहां एक लीटर पानी 2000 रुपए में बेचा जा रहा है और एक अंडे की कीमत औसतन 300 रुपए है। यह विश्व का कौनसा भूखंड है, जहां कोई कायदा-कानून नहीं है। कोई वैश्विक नियंत्रण नहीं है। इन हालात के बावजूद गाजा में अमरीका भी विकास-योजना के बयान देता रहा है। वह गाजा का पुनर्निर्माण करवाना चाहता है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप न तो गाजा में, अपने मित्र, इजरायल को महाविनाश से रोक पाए हैं और न ही रूस-यूक्रेन के बीच शांति-समझौता कराने में सफल रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच, फोन पर, दो घंटे से ज्यादा की बातचीत हुई है, लेकिन पुतिन 30 दिन के प्रस्तावित युद्धविराम के बजाय स्थायी शांति-समझौते के पक्षधर हैं। हालांकि रूस-यूक्रेन का युद्ध क्षेत्रीय वर्चस्व और कब्जे का युद्ध है। गाजा में इजरायल हमास का आतंकवाद मिट्टी में मिला देना चाहता है, लेकिन हमास आज भी जिंदा है। हालांकि 7 अक्तूबर, 2023 को इजरायल पर हमास के आतंकी हमले के बाद से अघोषित युद्ध जारी है, लेकिन गाजा पट्टी अब लगभग खंडहर हो चुका है। हमास का अस्तित्व अब भी है, क्योंकि कुछ हमले उसकी ओर से भी किए जाते रहे हैं। अल्प युद्धविराम के बाद इजरायल ताबड़तोड़ हवाई हमले कर रहा है, नतीजतन मानवता लगातार लाश बनती जा रही है।

इजरायल के हवाई हमलों में 54,000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, गाजा के 9 .3 लाख बच्चे (करीब 93 फीसदी) भुखमरी की गिरफ्त में हैं। अब तक 57 बच्चे कुपोषण के कारण जिंदगी गंवा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के एक उच्च अधिकारी का आकलन है कि यदि मानवीय सहायता यथाशीघ्र नहीं पहुंची, तो करीब 14000 नवजात शिशु कभी भी दम तोड़ सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि उसके पास करीब 500 बच्चों के इलाज के लायक ही सामग्री बची है। गाजा में खाद्य पदार्थों और ईंधन आदि रसद पर भी इजरायल की नाकेबंदी है। अब अमरीका ने भी इजरायल को धमकी देना शुरू कर दिया है और ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, कुछ यूरोपीय देशों ने बयान जारी कर इजरायल की आतंकी लड़ाई को खारिज किया है और चेतावनी दी है कि यदि गाजा की 21 लाख आबादी के लिए पर्याप्त खाद्य और ईंधन की आपूर्ति तय नहीं की गई, तो उसे अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन माना जाएगा।

आप का नजरिया

फेल परीक्षा परिणाम

परीक्षा की भाषा अगर चोटिल हो, तो परिणामों के मकबरे खूब सजेंगे। स्कूल शिक्षा बोर्ड की जमा दो परीक्षा अपने परिणामों के मकबरे पर आकर दफन हो गई, नतीजा यह कि अब सारा जखीरा बदल कर पुनः घोषित होगा परीक्षा परिणाम। इस स्थिति को सहना न तो परीक्षार्थियों के लिए आसान है और न ही इससे गुजर कर शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन विश्वसनीय होगा। जो भी हो, हिमाचल की जमा दो परीक्षा ने करियर और युवा महत्त्वाकांक्षा के बाजार को पूरी तरह रौंद दिया। पहले एक परीक्षा केंद्र में गलती से अंग्रेजी का प्रश्नपत्र खुलने से इसे आगे सरका दिया गया और अब पुरानी और नई आंसर की के द्वंद्व ने परीक्षा परिणाम को फंसा दिया। परीक्षा की कोख में शिक्षा बोर्ड की लापरवाही पर लापरवाही का जन्म होना पूरी व्यवस्था को असफल करार करता है। इस परीक्षा में स्कूल शिक्षा बोर्ड ही फेल हो गया और अब इसका हर्जाना पूरे छात्र समुदाय को चुकाना पड़ेगा। इसके साथ शिक्षा में परीक्षा के भूत फिर खूंखार निकले और खोखली हो गई मेरिट सूची भी। अरमानों की किश्ती ने जो समुद्र खोजे थे, वे सूख गए क्योंकि नाविक ने लापरवाही की। बेशक स्कूल शिक्षा बोर्ड ने चार अधिकारियों पर कार्रवाई कर दी है, लेकिन परीक्षा को अपाहिज करने वाली तो पूरी व्यवस्था थी। वे तमाम प्रेस नोट और संबोधन खोटे निकले जो इसी परीक्षा परिणाम को दावे से घोषित कर रहे थे। आशंकाएं हमेशा काबिलीयत पर भारी पड़ती हैं, लेकिन परीक्षा परिणामों में से चौकसी और सतर्कता ही छिन्न-भिन्न हो जाए, तो परीक्षार्थियों के सितारे गर्दिश में देखे जाएंगे। आश्चर्य यह कि मल्टीपल च्वाइस क्वेश्चन के सोलह अंकों का मूल्यांकन ही गलत हो गया। बोर्ड के लिए एक पन्ना सरक गया, लेकिन यहां तो जिंदगी से बच्चों के कई पल और राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में सारी हलचल गायब हो गई। अब सवाल यह कि निराशा में परीक्षा परिणाम को कोसें या सुधार के लिए बोर्ड के लारे लप्पे सुनें। परीक्षा परिणाम अब काठ की हांडी पर उबल रही खिचड़ी बन गए, जहां न तो पूरा पकेगा और न ही यह बर्तन इस आंच पर बचेगा। जो भी हो, सरकार को इस लापरवाही के लिए कुछ तो कार्रवाई करनी होगी। यह अब स्कूल शिक्षा बोर्ड का आंतरिक मामला नहीं, हिमाचली बच्चों के भविष्य से खेलने का एक बड़ा अपराध है। एक व्यापक छानबीन ही बता पाएगी कि पहले चुवाड़ी स्कूल में अंग्रेजी का प्रश्नपत्र कैसे गलती से खुल गया और अब गलत आंसर की गले में क्यों अटक गई। गलती पर गलती करके स्कूल शिक्षा बोर्ड ने साबित कर दिया कि छात्रों को आइंदा भी इस पद्धति पर संदेह करना पड़ेगा। बेशक परीक्षा परिणाम की दुरुस्ती हो जाएगी, लेकिन छात्र समुदाय के लिए असमंजस की स्थिति पैदा हो चुकी है। जमा दो की परीक्षा सिर्फ परिणाम की ख्वाहिश नहीं, बल्कि आगे बढऩे की अभिलाषा और राष्ट्रीय मंचों पर मूल्यांकन की आशा है। जाहिर है जहां बाकी बोर्ड अपने छात्रों को पहुंचा पाए हैं, वहां हिमाचली बच्चों का संघर्ष अभी धरातल पर ही जारी है। कुछ दिनों में पुनः सफलता और मेरिट की सूचियां बनेंगी तथा आजमाइश शुरू होगी। आसमान से गिरकर खजूर पर लटकी बारहवीं की परीक्षा ने अपने परिणामों की अब एक नई मंडी खोल दी है। क्या चार अधिकारियों पर कार्रवाई करके स्कूल शिक्षा बोर्ड अपनी गलती का प्रायश्चित कर पाएगा या पूरे संस्थान को गंगा स्नान कराने के लिए सरकार भी ठोस कार्रवाई करेगी। मीनारें यूं ही नहीं टूटतीं, सुराख करने वाले उन्हीं के आसपास होते हैं। यह दायित्व की सीढियों, सरकारी नौकरी के आराम, जवाबदेही के पतन और शिथिल प्रबंधन की बानगी है कि एक पूरी परीक्षा, स्कूलों के वार्षिक फलक और बच्चों की मेहनत का अहम पड़ाव बोर्ड के प्रांगण ने ही लूट लिया। कम से कम हिमाचली भविष्य का संस्थान, अपनी ही प्रतिभा के साथ खिलवाड़ करके प्रदूषित घोषित हो रहा है। इसे कम से कम मानवीय चूक के लबादे से छुपाया नहीं जा सकता।

गंगा को भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक माना जाता रहा है

आखिर क्यों घट रही है गंगा डॉल्फिन की आबादी ?

सुनील कुमार महला

मनुष्य तो मनुष्य पशु-पक्षियों और जलीय जीवों को पर्यावरण प्रदूषण से बहुत नुक्सान पहुंच रहा है, लेकिन इनका कोई धणी-धोरी नजर नहीं आता। यह बहुत ही दुखद है कि आज हमारे देश में पर्यावरण प्रदूषण से जीव-जंतुओं की जान पर बन आई है ।जल में होने वाले रासायनिक प्रदूषण से आज जलीय जीवों की अनेक प्रजातियां ख़तरे में हैं ।जल में पालीथीन युक्त कचरा भी जलीय जीवों के लिए एक प्रमुख खतरा बनकर उभरा है। पाठकों को बताता चलूं कि आज इंसानी दरियादिली के लिए दुनियाभर में मशहूर गंगा नदी डॉल्फिन लगातार खतरे में है ।जल में रासायनिक तत्वों की अधिकता के साथ ही यह(गंगा नदी डॉल्फिन कई बार मछली पकड़ने वालों के जाल में उलझ जाती हैं, और इन्हीं चीजों ने इन्हें खतरे में डाल दिया है। उल्लेखनीय है कि गंगा और गंगे डॉल्फिन का गहरा रिश्ता है।

पर्यावरण प्रदूषण की समस्या आज भारत ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व की एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है। मनुष्य तो मनुष्य पशु-पक्षियों और जलीय जीवों को पर्यावरण प्रदूषण से बहुत नुक्सान पहुंच रहा है, लेकिन इनका कोई धणी-धोरी नजर नहीं आता। यह बहुत ही दुखद है कि आज हमारे देश में पर्यावरण प्रदूषण से जीव-जंतुओं की जान पर बन आई है ।जल में होने वाले रासायनिक प्रदूषण से आज जलीय जीवों की अनेक प्रजातियां ख़तरे में हैं ।जल में पालीथीन युक्त कचरा भी जलीय जीवों के लिए एक प्रमुख खतरा बनकर उभरा है। पाठकों को बताता चलूं कि आज इंसानी दरियादिली के लिए दुनियाभर में मशहूर गंगा नदी डॉल्फिन लगातार खतरे में है ।जल में रासायनिक तत्वों की अधिकता के साथ ही यह(गंगा नदी डॉल्फिन कई बार मछली पकड़ने वालों के जाल में उलझ जाती हैं, और इन्हीं चीजों ने इन्हें खतरे में डाल दिया है। उल्लेखनीय है कि गंगा और गंगे डॉल्फिन का गहरा रिश्ता है। गंगा को भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक माना जाता रहा है, लेकिन देश में राष्ट्रीय जलीय जीव के रूप में जानी जाने वाली गंगे डॉल्फिन(गंगेटिक डॉल्फिन) अब गंगा की कम होती निर्मलता-स्वच्छता की ही तरह खत्म हो रही है। पाठकों को बताता चलूं कि आज से चार-पांच साल पहले एक टीवी चैनल के हवाले से यह खबरें आईं थीं कि गंगा में सिर्फ 3500 गंगे डॉल्फिन ही बचीं हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अंतिम गणना में उत्तर प्रदेश व असम की नदियों में इनकी संख्या क्रमशः 1,275 व 962 पाई गई थी ।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार गंगा डॉल्फिन की गणना असम सरकार ने 2018 में जनवरी से मार्च माह के बीच की थी। वहीं, उत्तर प्रदेश में 2015 में इनकी संख्या 1,272 थी, जबकि 2012 में इनकी गणना 671 की गई थी ।एक अन्य उपलब्ध जानकारी के अनुसार असम में गंगा डॉल्फिन की गणना तीन नदियों में की गई थी तथा ब्रह्मपुत्र नद में इनकी संख्या 877 पाई गई थी। वहीं, राज्य में इनकी कुल संख्या 962 थी। इसके संरक्षण के लिए असम सरकार ने भी इसे राज्य जलीय जीव घोषित किया है। राज्य में इनकी आबादी को कम होने से बचाने के लिए नदियों से सिल्टिंग और रेत उठाने से रोक लगाई गई। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने गंगा डॉल्फिन को भारत में एक लुप्तप्राय प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया है। यह हालात तब हैं, जब देश में नमामि गंगे अभियान (वर्ष 2014 में) और जल जीवन मिशन के तहत पहाड़ से लेकर मैदान तक गंगा को साफ करने का काम तेज गति से चलाया गया। पाठकों को बताता चलूं कि कुछ साल पहले वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों ने यह चिंताएं जताईं थी कि गंगा में पाई जाने वाली डॉल्फिन का अस्तित्व गंगा से जुड़ा हुआ है और अगर गंगा दूषित होती रही, तो डॉल्फिन भी विलुप्त हो जाएगी। तीव्र औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, तेज विकास गतिविधियों, मानवीय गतिविधियों के कारण जैसे-जैसे गंगा मैली होती जा रही है, उससे न सिर्फ

डॉल्फिन बल्कि गंगा का अस्तित्व भी खतरे में है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि डॉल्फिन के अलावा गंगा में पाए जाने वाले कछुए और घड़ियाल जैसे कई जलीय जीव भी अब खतरे की जद में आ गए हैं। गौरतलब यह भी है कि भारत में डॉल्फिन गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी में पाई जाती है और यह मीठे पानी का जीव है।गंगा डॉल्फिन भोजन के माध्यम से रसायनों के खतरनाक मिश्रण के संपर्क में आ रही है । इस संदर्भ में एक्सपर्ट्स यह कहना है कि डॉल्फिन जिन छोटी मछलियों को अपने खाने के रूप में लेती है, उनमें 39 किस्म के खतरनाक केमिकल्स मौजूद हैं। दरअसल, हेलियन में प्रकाशित भारतीय वन्यजीव संस्था के सर्वे में दावा किया गया है कि मीठे पानी में रहने वाले जलीय जीवों के फूड से खतरनाक किस्म के केमिकल्स का पता चला है। गौरतलब है कि हेलियन मैगज़ीन में प्रकाशित रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि गंगा में रहने वाली गंगा डाल्फिन की आबादी 1957 से 2025 में यानी मात्र 68 सालों में आधी हो गई है, जो कि एक बहुत बड़े खतरे का संकेत है ।अगर यही स्थितियां रहीं तो शायद आने वाली पीढ़ियां गंगा डाल्फिन का दीदार ही न कर पाएं और यह कहीं किताबों का हिस्सा बनकर ही न रह जाएं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि दुनियाभर में डॉल्फिन की केवल पांच प्रजातियां ही बची हैं और वे भी गंभीर खतरों का सामना कर रहीं हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज हमारे देश में खेती में अंधाधुंध रूप से विभिन्न कीटनाशकों, उर्वरकों और रासायनों का प्रयोग किया जाता है ताकि उत्पादन अच्छा हो सके, लेकिन यह कहीं न कहीं जलीय जीवों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत ही घातक सिद्ध हो रहा है। विभिन्न अनुपचारित औद्योगिक अपशिष्ट ,नदियों में घरेलू अपशिष्टों का बेरोकटोक बहाव, लगातार बढ़ता प्रदूषण ,प्लास्टिक प्रदूषण , विभिन्न भारी धातुओं के प्रदूषण के कारण डॉल्फिन की सेहत और प्रजनन क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इतना ही नहीं, अवैध खनन और नदियों में तेज वाइब्रेशन पैदा करने वाले जहाजों के कारण, तथा विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण से भी डॉल्फिन को नुकसान पहुंचता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार नदियों में लगातार जलस्तर में कमी ,अवैध फिशिंग(शिकार), बांधों का निर्माण और जलवायु परिवर्तन भी कहीं न कहीं प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से डॉल्फिन अस्तित्व के लिए बड़ी व गंभीर मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। डॉल्फिन जलीय इकोसिस्टम के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण जलीय जीव है। यदि हम यहां पर गंगा डॉल्फिन की खासियतों के बारे में बात करें तो गंगा डॉल्फिन एक नेत्रहीन(जैसा कि इसकी आंखों में लैंस नहीं होता है) जलीय जीव है, जिसके सूंघने की शक्ति अत्यंत तीव्र होती है। इसका वैज्ञानिक नाम प्लैटनिस्टा गैंगेटिका है ।गंगा डॉल्फिन विश्व भर की नदियों में पाई जाने वाली डॉल्फिन की पाँच प्रजातियों में से एक है। इस प्रकार की डॉल्फिन मुख्य तौर पर भारतीय उपमहाद्वीप खासतौर पर गंगा-ब्रह्मपुत्र-सिंधु-मेघना और कर्णाफुली-सांगु नदी तंत्र में पाई जाती हैं। ये अल्ट्रासोनिक ध्वनियाँ उत्सर्जित करके शिकार करतीं हैं, जो मछलियों और अन्य शिकार से टकराती हैं, जिससे उन्हें एक छवि 'देखने' में मदद मिलती है। गौरतलब है कि यह इकोलोकेशन (प्रतिध्वनि निर्धारण) और सूंघने की अपार क्षमताओं से अपना शिकार और भोजन तलाशती है। यह मांसाहारी प्राचीन जलीय जीव जो करीब 10 करोड़ साल से भारत में मौजूद है। विकीपीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार मादा की औसत लम्बाई नर डोल्फिन से अधिक होती है। एक वयस्क गंगा डॉल्फिन का वजन 70 किलोग्राम से 90 किलोग्राम के बीच हो सकता है ।इसकी औसत आयु 28 वर्ष रिकार्ड की गयी है। भारत में ये असम, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों में पाई जाती है। पाठकों को बताता चलूं कि 'सन ऑफ़ रिवर' कहने वाले डोल्फिन के संरक्षण के लिए सम्राट अशोक ने कई सदी पूर्व कदम उठाये थे। इतना ही नहीं, केंद्र सरकार ने 1972 के भारतीय वन्य जीव संरक्षण कानून के दायरे में भी गंगा डोल्फिन को शामिल किया था तथा 1996 में ही इंटर्नेशनल यूनियन ऑफ़ कंजर्वेशन ऑफ़ नेचर भी डॉल्फिन को विलुप्त प्राय जीव घोषित कर चुका है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इसकी प्रजाति पर खतरे का एक बड़ा कारण इसका शिकार किया जाना है। दरअसल, इसका शिकार मुख्यतः तेल के लिए किया जाता है, जिसे अन्य मछलियों को पकड़ने के लिए चारे के रूप में प्रयोग किया जाता है। यह एक स्तनपायी जीव है और इसलिए पानी में सांस नहीं ले सकता है, इसलिए इसे हर 30-120 सेकंड में पानी की सतह पर आना पड़ता है। बिहार व उत्तर प्रदेश में इसे 'सोंस', जबकि असमी भाषा में इसे 'शिहू' के नाम से जाना जाता है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि ऐसा नहीं है कि सरकार ने इनके संरक्षण के लिए कोई कदम नहीं उठाए हैं। सच तो यह है कि इसकी घटती आबादी को लेकर सरकार ने न सिर्फ चिंता जताई है बल्कि इसको ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण और ठोस कदम भी उठाए हैं। भारत सरकार ने डॉल्फिनों के संरक्षण के लिए 5 अक्टूबर 2009 में इस जलीय जीव को राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया। इतना ही नहीं, हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2020 में डॉल्फिन संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट डॉल्फिन भी लांच किया, जिसका उद्देश्य मीठे पानी और गंगा डॉल्फिन दोनों के संरक्षण के साथ साथ इनके प्राकृतिक आवास को भी संरक्षित करना था।

देश दुनिया से

भारत की जल कूटनीति से पाकिस्तान लाचार

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का निर्णय अब पाकिस्तान पर भारी पड़ने लगा है। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सीज़फायर के निर्णय के बाद सैन्य अभियानों पर अस्थायी विराम लगा है, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पश्चात भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ उठाए गए कई निर्णय और प्रतिबंध यथावत् लागू हैं। इन निर्णयों में सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, पाकिस्तान को निर्यात पर रोक, वीज़ा प्रतिबंध तथा राजनयिक संबंधों में कटौती जैसे कदम शामिल हैं। दरअसल, सीज़फायर के बावजूद पाकिस्तान की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सबसे बड़ी चुनौती सिंधु जल समझौते के स्थगन को लेकर है, क्योंकि अब भारत इन नदियों के जल प्रवाह को अपनी इच्छानुसार नियंत्रित कर सकता है — चाहे तो जल रोके या छोड़े। यह एक निर्विवाद सत्य है कि सिंधु जल समझौते के अंतर्गत सिंधु बेसिन की तीन प्रमुख नदियां— झेलम, चिनाब और सिंधु— का लगभग 80 प्रतिशत जल पाकिस्तान को मिलता था, जबकि भारत को केवल 19.5 प्रतिशत जल प्राप्त होता था। उल्लेखनीय है कि भारत अपने हिस्से के जल का भी लगभग 90 प्रतिशत ही उपयोग करता था। लेकिन सिंधु जल समझौते के स्थगन के बाद भारत ने अपने हिस्से के जल को पूरी तरह रोकना शुरू कर दिया। इसके साथ ही, जब भारत के बांधों में जल स्तर बढ़ता है, तो वह बिना किसी पूर्व सूचना के अतिरिक्त जल छोड़ देता है। पाकिस्तान की कृषि, पेयजल आपूर्ति और उसकी अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा सिंधु बेसिन से बहने वाली नदियों पर निर्भर है। सिंधु बेसिन की छह प्रमुख नदियां पाकिस्तान में प्रवेश करती हैं— जिनमें तीन पूर्वी प्रवाह वाली नदियां हैं सतलुज, ब्यास और रावी और तीन पश्चिमी प्रवाह वाली नदियां हैं झेलम, चिनाब और सिंधु। इनमें से पश्चिमी प्रवाह वाली नदियों— झेलम, चिनाब और सिंधु— का अधिकांश जल पहले पाकिस्तान को मिलता था। लेकिन सिंधु जल समझौते के स्थगन के बाद भारत अब इन नदियों के जल को रोक रहा है।

परिणामस्वरूप, पाकिस्तान की कृषि व्यवस्था ही नहीं, अन्य महत्वपूर्ण कार्यकलाप भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सीमा पर संघर्षविराम का जो निर्णय लिया है, उसके बहुतेरे अंतर्राष्ट्रीय कारण हैं। यह स्थिति चूंकि पाकिस्तान द्वारा लाई गयी थी, इसलिए इस मसले पर पाकिस्तान के पीछे हटने पर भारत को सीजफायर मानना पड़ा। अब भारत, सिंधु जल समझौते को स्थगित करने से मिली अनुकूल परिस्थितियों का लाभ उठायेगा जो स्वाभाविक है। वहीं भारत, स्पष्ट कर चुका है कि आपरेशन सिंदूर केवल स्थगित किया गया है, खत्म नहीं। प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता। फिलहाल भारत सरकार सिंधु जल समझौता बहाल करने को तैयार नहीं है। गौरतलब है कि पाकिस्तान ने इस मुद्दे को विश्व बैंक ले जाने का प्रयास किया था लेकिन वहां पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है। विश्व बैंक ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस मसले में एक मध्यस्थ की भूमिका में था। इसके आगे विश्व बैंक की कोई भूमिका नहीं है। पाकिस्तान अब इस मसले को संयुक्त राष्ट्र ले जाने की तैयारी में लगा है। भारत स्पष्ट कर चुका है कि उसने समझौते के प्रारूप के तहत ही समझौते के स्थगन का कदम उठाया है। पाकिस्तान का इस संदर्भ में कहना है कि अगर सिंधु जल समझौते को भारत द्वारा खत्म किया जाता है और उसकी तरफ आने वाले पानी को रोका जाता है तो वह इसे युद्ध मानेगा। अपनी ओर से इसका हरसंभव विरोध करेगा। एक ओर पाकिस्तान इस मुद्दे का पुरजोर विरोध करने की बात कर रहा है, वहीं वह भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय से समझौते के स्थगन के फैसले पर पुनर्विचार करने की गुहार भी लगा रहा है। यही नहीं, भारत से सीधे बातचीत के लिए भी तैयार है। पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सैयद अली मुर्तजा ने इस बाबत संकेत भी दिये हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी दिल्ली की दीर्घकालीन चिंताओं पर चर्चा करने के इच्छुक हैं। पाकिस्तान के अनुरोध पत्र को भारतीय जलशक्ति मंत्रालय ने इस समझौते के लिए अधिकृत विदेश मंत्रालय को भेजा है जिस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कह दिया है कि इस मुद्दे पर पुनर्विचार का सवाल ही नहीं उठता।

कुछ अलग

हाशिए के बाहर छूटे लोग

वक्त बदल रहा है। जीवन में सच का महत्व कम और झूठ का महत्व अधिक होता जा रहा है। सफल वही है, जिसके व्यवहार में स्वाभाविकता कम और नाटकीयता अधिक हो। आदर्श, नैतिकता और मानवीय मूल्य ज्यों-ज्यों दैनिक व्यवहार से लुप्त होते जा रहे हैं, त्यों-त्यों उनकी श्लाघा बघारने वाले अधिक होते जा रहे हैं। अच्छा अभिनेता वह जिसे पर्दा स्क्रीन पर अपना किरदार निभाना आए या न, लेकिन पूरा दिन वह महसूस करे कि घर के बाहर बस यूं ही चलते हुए भी जैसे कैमरे की आंख उस पर लगी है। समय का निदेशक चिल्लाता है, 'स्टार्ट' तो वह चल देता है, और वह इशारा करे 'कट' तो मौन पसर जाता है। तब उसका जिंदगी में नेता, अभिनेता, समाज सुधारक अथवा धर्म प्रचारक बनने का अभिनय रुक जाता है। लेकिन समय का निदेशक संभवतः 'कट' कहना भूल जाता है, इसलिए नेता की नेतागिरी, अभिनेता का थोथा सुपरहीरो अभिनय, समाज सुधारक के लंबे प्रवचन, और धर्म प्रचारक की फालतू पोंगापंथी कभी रुकती नहीं। बनावट के इस परिवेश में जीते जी नेतागिरी से जनसेवा के स्थान पर स्वजन सेवा, अभिनय के स्थान पर केवल नकली हीरो का प्रपंच, भाषणों से लिपापुता समाज और भी रसातल को चला जाता है, और धर्म प्रचार में जातीयता तथा असहिष्णुता के कीटाणु पनप नया सच बन जाते हैं। वैसे अपनी सीमा तो यह है कि देश का रुतबा भुखमरी के सूचकांक में कुछ और नीचे उतर गया है। धन्ना सेठ खैरात संस्कृति को समाधान मान, भूखों में मुफ्त रोटी बांट अपनी सात पुश्तों के तरने की कल्पना करने लगते हैं और उधर काम के बिना भूख से तड़पता हुआ देश का भविष्य उसी अंधेरे में डूबा रहता है, जिसमें उसे सदियों से सिसकने की आदत हो गई है। अपने देश की संस्कृति की महानता बघारने की आदत हमें है, और कलाकार अपनी नुमायशें खुद लगाकर अपनी किताबें खुद छपवा कर अपने सम्मान समारोह आयोजित करके अपनी मौलिक राह पर चलने का साहस करने वाले कलाकारों को 'जाति बाहर' कर देने का फरमान सुना देते हैं। लो, इक्कीसवीं सदी का पांचवां हिस्सा गुजर गया। सामाजिक कायाकल्प कर देने के लिए 'मन की बात' भी होती रहती है, लेकिन आदर्शों का 'झण्डा ऊंचा रहे हमारा' का बैंड बाजा उसी तरह कोलाहल करता रहेगा। चाहे उसके पिछवाड़े नारी समानता और नारी शक्तिकरण के नाम पर अपहरण और दुष्कर्म की घटनाएं अधिक क्रूरता की सीमा लांघ जाएं। नित्य नए गुडिया कांड होते हैं और उनके अपराधी प्रत्यक्ष साक्ष्यों के बावजूद न्याय की चक्की में तारीख पर तारीख के बचाव मार्ग को अपनी उच्च कुलीनता की शाल की तरह ओढने का अभिनय करते रहे हैं।

दृष्टि कोण

रुमानियत और रुहानियत का मेल है शायरी

हिमाचल के अलग-अलग कस्बों/शहरों से कभी कभार कवि सम्मेलनों और मुशायरों की खबरें देखने-पढने को मिलती रहती हैं। जहां तक हिमाचल प्रदेश में उर्दू शायरी का सवाल है तो हिमाचल प्रदेश में शायरी का झंडा बुलंद करने वाले जिन शायरों के नाम आज भी इज्जत से लिए जाते हैं, उनमें जनाब लालचंद प्रार्थी 'चांद' कुल्लुवी, पवन सिंह जमाल, शबाब ललित, शायर मनोहर लाल शर्मा 'सागर पालमपुरी', इनके तीनों ही बेटे द्विजेंद्र द्विज, कमल शर्मा और नवनीत शर्मा आज भी अपनी पैतृक विरासत को आगे जारी रखे हुए हैं। इनके अलावा सुरेश चंद्र, अशोक 'शिमलवी', परमानंद शर्मा जालंधरी, डॉक्टर नलिनी विभा नाजिली आदि के नाम प्रमुख हैं तो नए शायरों में ऋषभ शर्मा, रजनीश कुमार और विकास राणा 'फिक्र' ने हालिया दौर में अपने हुनर से अपनी अलग पहचान बनाई है। हिमाचल में शायरी की समझ रखने वाले कद्रदानों की भी कोई कमी नहीं है। पिछले दिनों पालमपुर में कायाकल्प और विश्रांति प्रबंधकों के सौजन्य से वहां के सभागार में आयोजित मुशायरे में उमड़ी भीड़ और इरशाद, वाह ! वाह ! बहुत खूब की गूंजती आवाजें बता रही थीं कि शायरों के कलाम और उनके शब्दों में छुपी गूढ़ भावनाएं कहीं न कहीं श्रोताओं के अंतर्मन को कहीं गहरे तक छू रही थीं। मौका था, बैजनाथ के निकटवर्ती गांव बही के युवा कलमकार और शायर विकास राणा 'फिक्र' के $ग'ल संग्रह 'अभी इक शे'र कहना रह गया है' के लोकार्पण का, जो पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार के सान्निध्य में मुकम्मल हुआ। इस मौके पर मुनाजिम/आयोजित मुशायरे में शे'रो शायरी का दौर भी चला जिसमें तरहत एहसास, शमीम अब्बास, प्रवीण सक्सेना, सुजीत हासिल, शाहिद अंजुम, विनीत आशना, विकास शर्मा 'राज', तरकस प्रदीप, नवनीत शर्मा, माधवी शंकर, कर्नल विवेक सिंह 'अक्फर' और विकास राणा 'फिक्र' जैसे नामचीन शायरों ने अपने-अपने कलाम पढक़र पालमपुर की शायरी में दिलचस्पी रखने वाली जमात को एक नई दुनिया की सैर करवाकर विस्मित और मंत्रमुग्ध कर दिया। शायरी की दुनिया एक ऐसी जगह है जहां भावुकता, कल्पना, अभिव्यक्ति, अंतर्मन की गहन भावनाओं और जज्बातों को पनाह मिलती है तो वहीं प्रेम, दुख, जीवन और मृत्यु जैसे विषयों पर कविताएं, नज्म और शे'र जब किसी मुशायरे में फनकार सुनाते हुए आगे बढ़ते हैं तो सभास्थल में दर्शक दीर्घा से बजने वाली तालियां मुशायरे की अहमियत को खुद-ब-खुद बयां कर देती हैं। यह एक ऐसा स्थान होता है जहां लोग अपने मन की गहनतम भावनाओं को अभिव्यक्त करते हैं और दूसरों के साथ साझा करते हैं। कवि सम्मेलन और मुशायरे भारतीय संस्कृति के विभिन्न आयामों को जीवंत रखने में अहम भूमिका अदा करते हैं। यह न केवल आम लोगों को अपने साथ जोड़ते हैं, बल्कि अपने श्रोताओं के ज्ञान में इजाफा और समझ में बढ़ोत्तरी भी करते हैं। शायरी लोगों को जीवन और दुनिया के बारे में अधिक जानने और समझने में मदद करती है, तो वहीं साहित्य को भी बढ़ावा एवं मजबूती देती है और उसे लोकप्रिय बनाती है। बकौल विनीत 'आशना' चंदौसी, 'किसी शायर के लिए शे'र सिर्फ जहनी कशमकश का हासिल नहीं है, बल्कि रोज की जी हुई जिंदगी के सवालों का जवाब लगते हैं, जिन्हें आप रोज दोहरा सकते हैं और जो बेचैन भी करते हैं, सुकून भी देते हैं।' ऐसा भी नहीं है कि शायरी की दुनिया में केवल इरशाद और वाह ! वाह ! ही होती है। शायरी और शायरों की राह में कई तरह की मुश्किलें एवं बाधाएं भी होती हैं। एक मुकम्मल शायर बनने के लिए किसी भी गैर उर्दू जुबां शख्स को सालों साल उस जुबां के शब्दकोश और भाषा पर पकड़ बनाने के साथ-साथ अपने विचारों और भावनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए कड़ी मेहनत, संघर्ष करना पड़ता है, तभी उनकी शायरी में रचनात्मकता, अंदाज, अल्फाज और लहजे में खुसूसियत की महक और खुशबू नुमाया होती है। दूसरे शायरी के लिए खास भाषा का प्रयोग करना कईयों के लिए कठिन हो सकता है, विशेष रूप से उर्दू और फारसी जैसी जटिल भाषाओं में, लिहाजा चंद लोग ही शायरी लिखने के लिए अपने आपको तैयार कर पाते हैं। सबसे बढक़र शायरी लिखने और सुधारने में समय लगता है, जोकि कई लोगों के लिए एक चुनौती रहती है। शायर विकास राणा 'फिक्र' कहते भी हैं कि शायरी की राह में भाषा पर पकड़ न होना एक बड़ा अवरोध है, तो वहीं योग्य रहनुमायी का अभाव तो खलता ही है। दूसरे जानकार और शायरी की समझ रखने वाली जमात का होना भी निहायत ही जरूरी है। विकास राणा चाहते हैं कि वे कम से कम अपने खित्ते बैजनाथ और पालमपुर में उर्दू शायरी में रुचि रखने वाले नवोदित कलमकारों के लिए आने वाले समय में कार्यशाला और सेमिनार का आयोजन करेंगे।

ईरान का अमेरिका को कड़ा संदेश, न्यूक्लियर ठिकानों पर इजराइली हमले के लिए अमेरिका होगा जिम्मेदार

तेहरान,23 मई (एजेंसियां)।

ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि उसके परमाणु ठिकानों पर इजराइल हमला करता है, तो वह अमेरिका को इसके लिए पूरी तरह जिम्मेदार ठहराएगा। यह सख्त बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच ईरानी परमाणु कार्यक्रम को लेकर बेहद अहम पांचवें दौर की बातचीत होने वाली है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र को भेजे पत्र में कहा, ईरान ज़ायोनिस्ट शासन (इजराइल) की किसी भी दुस्साहसी कार्रवाई के खिलाफ सख्त चेतावनी देता है और किसी भी अवैध या उकसाने वाले कदम का निर्णायक जवाब देगा।

अमेरिकी मीडिया में हाल ही में आई रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका की खुफिया एजेंसियों को पता चला है कि इजराइल, बातचीत विफल होने की स्थिति में, अमेरिका की सहमति हो या न हो, ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला करने की योजना बना रहा है।

वैसे इजरायल पहले भी कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से कह चुका है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को किसी भी कीमत पर रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

इस रिपोर्ट के मद्देनजर ही अरागची ने कहा कि तेहरान अमेरिका को ऐसे किसी भी हमले में सहभागी मानेगा, और अपनी परमाणु सामग्री और ठिकानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष कदम उठाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इन उपायों की जानकारी संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए को बाद में दी जाएगी।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका और ईरान के बीच रोम में ओमान की मध्यस्थता में अप्रत्यक्ष वार्ताएं हो रही हैं, जिनका उद्देश्य 2015 के परमाणु समझौते (जेसीपीओए) को पुनर्जीवित करना है।

माना जा रहा है कि यदि बातचीत विफल होती है, तो पश्चिम एशिया में एक और गंभीर सैन्य संघर्ष की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

न्यूज ब्रीफ

नेतन्याहू का तीखा हमलाः फ्रांस ब्रिटेन और कनाडा के नेता इतिहास के गलत पक्ष पर हैं

जेरूसलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो बयान में फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा के नेताओं पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि वे इतिहास, न्याय और मानवता के गलत पक्ष पर खड़े हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब इन देशों ने गाजा में तुरंत युद्धविराम की मांग की है और इजराइल पर संभावित प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। नेतन्याहू ने वाशिंगटन में हुई एक भीषण गोलीबारी की घटना का हवाला देते हुए बताया कि एक निर्दयी आतंकवादी ने एक यहूदी जोड़े यारोन लिशिंस्की और सारा मिलग्रम की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि यह आतंकवादी सिर्फ इसलिए मार रहा था क्योंकि वे यहूदी थे। नेतन्याहू ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग हमसे चाहते हैं कि हम युद्धविराम कर लें, जबकि हम मास मर्डरर संगठन हमास से लड़ रहे हैं। आप चाहते हैं कि हमास फिर से खड़ा हो, अपनी सेना बनाएं और फिर से हमला करें। बेंजामिन नेतन्याहू आगे कहा, आप न्याय के खिलाफ हैं, मानवता के खिलाफ हैं, और इतिहास के गलत पक्ष पर खड़े हैं।

पाकिस्तान की पर्वतारोही नैला कियानी ने कंचनजंगा पर चढ़ाई कर रचा इतिहास

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की पर्वतारोही नैला कियानी ने दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी कंचनजंगा पर चढ़ाई करके इतिहास रच दिया है। वह 8,000 मीटर (26,247 फीट) से ऊंची दुनिया की 14 चोटियों में से 12 पर चढ़ने वाली पाकिस्तान की पहली महिला बन गई हैं। नेपाल और भारतीय राज्य सिक्किम की सीमा पर स्थित कंचनजंगा हिमालय में सबसे चुनौतीपूर्ण चढ़ाई में से एक है। कियानी की यह अभियान पाकिस्तान के पर्वतारोहण इतिहास में महत्वपूर्ण है। वह उन 17 महिलाओं के वैश्विक समूह में शामिल होने के करीब पहुंच गई हैं, जिन्होंने सभी 14 चोटियों पर विजय प्राप्त की है। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान ने बयान में कहा, यह पाकिस्तान के पर्वतारोहण के इतिहास में एक यादगार पल और राष्ट्रीय गौरव का एक बड़ा क्षण है। दुबई में रहने वाली बैंकर, शौकिया मुक्केबाज, एयरोस्पेस इंजीनियर और दो बच्चों की मां कियानी ने लगातार उच्च-ऊंचाई वाले पर्वतारोहण की पुरुष-प्रधान दुनिया में बाधाओं को तोड़ा है। उन्होंने लंदन विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है और वर्तमान में एचएसबीसी बैंक में एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत हैं।

नागालैंड में यौन उत्पीड़न की जांच के चलते आईएएस अधिकारी निलंबित

कोहिमा। नागालैंड सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रेनी विल्फ्रेड को सेवा से निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि महिला कर्मचारियों द्वारा उनके खिलाफ कई यौन शिकायतों और मानसिक उत्पीड़न की जांच शुरू की गई थी। विल्फ्रेड ने अपने खिलाफ सभी आरोपों से इनकार किया है। नागालैंड पुलिस ने पिछले महीने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था और आईएएस अधिकारी द्वारा आईडीएएन की कई महिला कर्मचारियों के यौन और मानसिक उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए एक प्राथमिकी दर्ज की थी। डीजीपी को लिखित शिकायत सौंपने से पहले एनएससीडब्ल्यू ने पीड़ित महिलाओं के बयान दर्ज किए। एनएससीडब्ल्यू से शिकायत मिलने के बाद, पुलिस मुख्यालय ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के प्रावधानों के अनुसार, 25 मार्च को पुलिस उपाधीक्षक रैंक की एक महिला अधिकारी द्वारा प्रारंभिक जांच शुरू की। प्रभावशाली नागा छात्र संघ ने भी विल्फ्रेड के निलंबन की मांग की। संघ ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें पद पर बनाए रखना जनता के विश्वास को कमजोर करता है और एक खतरनाक संदेश देता है कि संस्थागत सुरक्षा जवाबदेही से अधिक महत्वपूर्ण है ।

हार्वर्ड विवि में अब नहीं पढ़ सकेंगे विदेशी छात्र ट्रंप प्रशासन ने प्रवेश देने का अधिकार छीना

वाशिंगटन,23 मई (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के बाहर के देशों के युवाओं का अब उच्च शिक्षा के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ने का सपना पूरा नहीं हो पाएगा। कुछ समय से चल रहे टकराव के बाद आखिरकार ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को हार्वर्ड विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने की पात्रता को रद्द कर दिया। इससे अमेरिका का सबसे पुराना यह शिक्षण संस्थान सकते में है।

खबर के अनुसार, हार्वर्ड विश्वविद्यालय को ट्रंप प्रशासन की नीतिगत मांगों के आगे झुकने से इनकार करने की कड़ी सजा मिली है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने बयान में कहा, हार्वर्ड अब विदेशी छात्रों को दाखिला नहीं दे सकता है और मौजूदा विदेशी छात्रों को स्थानांतरित होना होगा या अपनी कानूनी स्थिति खोनी होगी।

गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने अपने विभाग को हार्वर्ड विश्वविद्यालय के छात्र और विनिमय आगंतुक कार्यक्रम प्रमाणन को समाप्त करने का आदेश दिया है। दरअसल गृह सुरक्षा विभाग ने पिछले महीने हार्वर्ड से अनुरोध कर विदेशी छात्रों के आचरण का रिकॉर्ड तलब किया था। हार्वर्ड ने यह रिकार्ड विभाग को सौंपने से इनकार कर दिया था। ट्रंप प्रशासन के फैसले पर यहां के प्रोफेसर्स ने कहा कि हार्वर्ड इस समय अपनी वैचारिक स्वायत्तता के लिए प्रशासन से सीधी लड़ाई लड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि विदेशी छात्रों के बड़े पैमाने पर पलायन से संस्थान की शैक्षणिक क्षमता को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

व्हाइट हाउस ने ट्रंप प्रशासन के फैसले का बचाव करते हुए कहा,विदेशी छात्रों का नामांकन एक विशेषाधिकार है। वह अधिकार नहीं है। साथ ही हार्वर्ड अपनी महानता खो चुका है। परिसर अमेरिका विरोधी, यहूदी विरोधी और आतंकवाद समर्थक आंदोलनकारियों का अड्डा बन गया है।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता अबीगैल जैक्सन ने बयान में कहा, हार्वर्ड देश के छात्रों पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाली गतिविधियों को बंद नहीं करा पाया है। अब उसे इस ढिलाई की कीमत तो चुकानी ही होगी। उल्लेखनीय है कि हार्वर्ड विश्वविद्यालय और ट्रंप प्रशासन के अधिकारी महीनों से टकराव में उलझे हुए हैं। प्रशासन ने विश्वविद्यालय से कई बार कहा कि वह कैंपस प्रोग्रामिंग, नीतियों, भर्ती और प्रवेश प्रक्रिया में बदलाव करे, जिससे कैंपस में यहूदी विरोधी भावना को जड़ से खत्म किया जा सके।प्रशासन का दावा है कि इजराइल-हमास युद्ध पर परिसर में विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला थम नहीं सका है। विश्वविद्यालय के नेतृत्व का तर्क है कि उसके छात्रों और कर्मचारियों के दृष्टिकोण का मूल्यांकन संघीय सरकार की भूमिका से बहुत आगे हैं। हार्वर्ड के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। हार्वर्ड अपनी अकादमिक स्वतंत्रता की रक्षा हर हाल में करेगा। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन की तीखी आलोचना की है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता जेसन न्यूटन ने इस फैसले को गैरकानूनी बताया। उन्होंने बयान में कहा कि विश्वविद्यालय 140 से अधिक देशों से आने वाले छात्रों और विद्वानों की मेजबानी करने के लिए प्रतिबद्ध है। ट्रंप प्रशासन की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई हार्वर्ड समुदाय और अमेरिका को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने कहा कि इस समय विश्वविद्यालय में 9,970 विदेशी छात्र पढ़ रहे हैं। 2024-25 शैक्षणिक वर्ष में 6,793 अंतरराष्ट्रीय छात्रों का नामांकन हुआ है।

ईश्वर से बड़े हो गए हैं नेतन्याहू, गाजा में 9.3 लाख बच्चों का जीवन संकट में

राफेह,23 मई (एजेंसियां)।

मां की गोद में बिलख रहे हैं 14 नवजात शिशु

सारी दुनिया के नेता और धार्मिक गुरु मौन

इजरायल की नाकेबंदी के चलते गाजा में भुखमरी के हालात हैं। लोग भूख से तड़प तड़प कर मर रहे हैं। 3.9 लाख बच्चों पर भुखमरी के कारण मौत का संकट बना हुआ है। वहीं 14900 नवजात शिशुओं की कभी भी मौत हो सकती है। नवजात शिशु के जन्म में ईश्वर का अंश देखा जाता है। उनकी रक्षा करने के स्थान पर इजराइल उन्हें मारने पर तुला हुआ है। इजराइल के नेतन्याहू लगता है, ईश्वर से बड़े हो गए हैं। नवजात शिशुओं को दूध और जीवन यापन के लिए जरूरी सामान नहीं मिल पा रहा है। 500 से ज्यादा बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं। उनके लिए दवाइयां भी नहीं है। इजराइल और गाजा के बीच 19 माह से अधिक समय से युद्ध जैसे हालात हैं। गाजा की 22 फ़ीसदी आबादी भुखमरी की शिकार है। गाजा में 1 किलो चावल की कीमत 800 रूपये प्रति किलो में पहुंच गई है। 1 लीटर पानी की कीमत 2000 रूपये हो गई है। एक अंडा 300 रूपये में बिक रहा है। वह भी किसी को मिल पाता है, किसी को वह भी नहीं मिल पाता है। इजराइल ने खाद्य पदार्थ और दवाइयां की नाकाबंदी कर रखी है। गाजा में खाद्य पदार्थ और जरूरी सामान नहीं पहुंच पा रहे हैं। जिसके कारण गाजा में हालात बद से बदतर हो चुके हैं। यहां पर लोग भूख से मर रहे हैं। गाजा में आटा दाल चावल तेल इत्यादि के दाम लगभग 1200 फीसदी तक बढ़ गए हैं। मनमाने दामों पर खाद्य पदार्थ बिक रहा है। लोगों के पास खाद्य पदार्थ खरीदने के लिए पैसे नहीं है। जिसके कारण गाजा मे भुखमरी के कारण रोजाना सैकड़ो लोग भूख और बीमारी से मर रहे हैं। गाजा में रसोई गैस गायब है। यदि कहीं से खाद्य पदार्थ मिल भी जाता है। रसोई गैस नहीं होने के कारण लोग खाना नहीं पका पा रहे हैं। सामुदायिक सहायता केंद्र बंद गाजा में सामुदायिक रसोई ग्रह अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा संचालित हो रहे थे। यहां पर जरूरतमंदों को निशुल्क खाना मिल रहा था। लेकिन पिछले कई दिनों से यहां पर भी कोई सामान नहीं होने के कारण सार्वजनिक रसोईघर बंद पड़े हुए हैं। इजराइल ने नाकाबंदी कर रखी है जिसके कारण खाद्य सामग्री से लदे हुए ट्रक सीमा पर खड़े हुए हैं। लोगों को खाना नहीं मिल रहा है। जिसके कारण अब लोग लूट कर अपनी भूख मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। आटे दाल सब्जी की दुकानों को भीड़ लूट रही है। गाजा की इतनी खराब हालत होने के बाद भी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं गाजा के मासूम नागरिकों की रक्षा नहीं कर पा रही हैं। बच्चे भूख से बिलख रहे हैं। कई बच्चे भूख से मर रहे हैं। जो नवजात शिशु हैं, उन्हें दूध और दवाइयां उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। लगभग 14000 नवजात शिशुओं की कभी भी मौत हो सकती है। धार्मिक नेताओं का मौन आश्चर्यजनक दुनिया भर के राजनेता धर्म के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं 19 महीने से इजरायल और गाजा के विवाद को हल नहीं कर पा रही हैं। अभी तक गाजा मे लाखों लोगों की मौत हो चुकी है। जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। भूख प्यास से लोग मर रहे हैं। इसके बाद भी किसी भी धर्म के नेताओं द्वारा इस युद्ध का विरोध नहीं किया जा रहा है।

आर्मर्ड ब्रिगेड लिटुवा का उद्घाटन समारोह

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ (सामने) लिथुआनिया के विनियस में जर्मन 45वीं आर्मर्ड ब्रिगेड लिटुवा के उद्घाटन समारोह में भाग लेते हुए।

यमन से इजराइल पर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल, तेल अवीव में बजे सायरन

तेल अवीव,23 मई (एजेंसियां)।

यमन से इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई। इजराइल ने इस बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराने का दावा किया है। इस दौरान राजधानी तेल अवीव, यरूशलम, यहूदिया और सामरिया में सायरन बजने शुरू हो गए। बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद समूचे मध्य इजराइल में काफी समय सन्नाटा पसरा रहा।

अखबार की खबर के अनुसार, इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने यमन से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही मार गिराया गया। मैगन डेविड एडोम एम्बुलेंस ने कहा कि उसे अभी तक किसी के घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। आईडीएफ का कहना है कि हवाई सुरक्षा खतरे को रोकने के लिए काम किया जा रहा है।

फिलिस्तीनी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी वेस्ट बैंक के ब्रुकिन गांव में रात भर उग्र लोगों ने तांडव किया है। पांच घरों और पांच वाहनों में आग लगा दी। इससे आठ लोग झुलस गए। इस गांव में उस आतंकवादी नाएल समारा का घर है जिसने पिछले हफ्ते गर्भवती महिला तजीला गेज की प्रसव पीड़ा के दौरान अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हत्या कर दी थी। आईडीएफ के बयान में कहा गया है कि जब तक इजराइली सैनिक पहुंचे, तब तक संदिग्ध भाग चुके थे।

आईडीएफ ने कहा कि तजीला गेज की हत्या करने वाले आतंकवादी के दो कथित साथियों के घरों को तबाह कर दिया गया है। आतंकवादी के दो साथियों की पहचान माहेर समाराह और जाबिल समाराह के रूप में की गई है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने फ्रांस के साथ वैश्विक व्यवस्था बनाए रखने की अपील की

बीजिंग,23 मई (एजेंसियां)।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गुरुवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ टेलीफोन पर बातचीत में कहा कि चीन और फ्रांस को अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने, वैश्विक विकास को प्रोत्साहित करने और बहुपक्षीय सहयोग को दिशा देने वाली भरोसेमंद शक्तियों के रूप में काम करना चाहिए।

शी ने संयुक्त राष्ट्र की सर्वोच्चता और स्थिति की संयुक्त रूप से रक्षा करने, अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों और वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को बनाए रखने तथा सच्चे बहुपक्षवाद को अपनाने की अपील की। उन्होंने याद दिलाया कि मई 2024 में अपनी फ्रांस यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने चीन-फ्रांस संबंधों की उस

भावना को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था, जो स्वतंत्रता, पारस्परिक समझ, रणनीतिक दृष्टिकोण और 'विन-विन' सहयोग पर आधारित है। शी ने कहा कि तब से लेकर अब तक द्विपक्षीय सहयोग में कई नए आयाम जुड़े हैं। राष्ट्रपति शी ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक संवाद को और गहन करने और पारंपरिक क्षेत्रों जैसे निवेश, एयरोस्पेस और परमाणु ऊर्जा में सहयोग को गहरा करने के साथ-साथ डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित विकास, जैव चिकित्सा और वरिष्ठ नागरिकों की अर्थव्यवस्था जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जन-संपर्क और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की भी वकालत की, जिससे दोनों देशों के लोगों के बीच मित्रता और समझ और मजबूत हो सके। शी जिनपिंग ने कहा कि इस वर्ष द्वितीय विश्व युद्ध में विजय और संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की 80वीं वर्षगांठ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देश (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य होने के नाते) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माता और संरक्षक हैं। ऐसे में दोनों देशों को वैश्विक एकजुटता और सहयोग को मजबूत करना चाहिए। शी ने कहा, जितनी जटिल अंतरराष्ट्रीय स्थिति होती जा रही है, उतनी ही अधिक आवश्यकता है कि चीन और फ्रांस सही रणनीतिक विकल्प अपनाएं। राष्ट्रपति शी ने कहा कि चीन हमेशा से यूरोप को बहुध्रुवीय विश्व में एक स्वतंत्र ध्रुव के रूप में देखता है और यूरोपीय संघ की रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय मामलों में उसकी अधिक सक्रिय भूमिका का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि चीन यूरोपीय संघ के साथ मिलकर वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और ऐसे ठोस परिणाम देने को तैयार है जिससे दोनों पक्षों और पूरी दुनिया को लाभ पहुंचे। चीन के साथ रणनीतिक सहयोग बना रहेगाः मैक्रों फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस-चीन संबंध और यूरोपीय संघ-चीन संबंध वैश्विक महत्व रखते हैं। उन्होंने दोहराया कि फ्रांस वन-चाइना पॉलिसी का पूरी तरह समर्थन करता है और बदलते वैश्विक हालात में भी चीन के साथ अपने मजबूत रिश्तों को जारी रखेगा। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस व्यापार, निवेश और अन्य क्षेत्रों में चीन के साथ व्यवहारिक सहयोग को गहरा करना चाहता है और वैश्विक शांति व स्थिरता को बनाए रखने के लिए संयुक्त प्रयास करने को तैयार है।

हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 का चेन्नई में 18 जून से होगा आगाज, 27 तक होंगे मुकाबले

नई दिल्ली,23 मई (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 (पुरुष एवं महिला वर्ग) के पहले संस्करण की तारीख और वेन्यू की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट की मेज़बानी तमिलनाडु हॉकी यूनिट करेगी और मुकाबले चेन्नई में 18 जून से 27 जून 2025 तक खेले जाएंगे।

यह टूर्नामेंट भारतीय हॉकी में एक नई शुरुआत है, जो अनुभवी और पूर्व खिलाड़ियों के लिए एक समर्पित मंच प्रदान करता है। पुरुषों और महिलाओं, दोनों वर्गों में खेले जाने वाले इस आयोजन के ज़रिए यह दिखाया जाएगा कि उम्र चाहे जो भी हो, खेल के प्रति जुनून और समर्पण कभी खत्म नहीं होता। टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए पुरुष खिलाड़ियों की उम्र 40 वर्ष या उससे अधिक, जबकि महिला खिलाड़ियों की उम्र 35 वर्ष या उससे अधिक होना अनिवार्य है।

दोनों कैटेगरी में भाग लेने वाली टीमों के नाम जल्द ही घोषित किए जाएंगे। खिलाड़ी अपनी-अपनी राज्य सदस्य इकाइयों के माध्यम से पंजीकरण कराकर इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता लीग-कम-नॉकआउट प्रारूप में आयोजित होगी, जिसमें पूल का निर्धारण टीमों की अंतिम संख्या के आधार पर किया जाएगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा ने इस आयोजन को लेकर खुशी जताई और कहा, पहले हॉकी इंडिया मास्टर्स कप का हिस्सा बनना मेरे लिए एक बेहद भावुक और रोमांचक क्षण है। हॉकी ने मुझे वो सब कुछ दिया है जो मैं आज हूं और वर्षों बाद उन्हीं साथी खिलाड़ियों के साथ मैदान में लौटना बेहद खास एहसास है।

उन्होंने आगे कहा, यह टूर्नामेंट केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि विरासत, जुनून और हमारे खेल से जीवन पर्यंत जुड़ाव का उत्सव है। मैं हॉकी इंडिया का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने पूर्व खिलाड़ियों के लिए इस मंच की शुरुआत की। मैं गर्व से फिर से अपने जूते पहन रही हूं—इस खेल के लिए नहीं जो हमने खेला, बल्कि उस सब कुछ के लिए जो इस खेल ने हमें दिया है। हॉकी इंडिया मास्टर्स कप 2025 पूर्व खिलाड़ियों के लिए न केवल मैदान पर वापसी का मौका है, बल्कि अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित करने का भी एक सुनहरा अवसर है।

न्यूज़ ब्रीफ

बंगाल प्रो टी20 सीजन 2: सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के मेंटोर बने रिद्धिमान साहा

कोलकाता। भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी और बंगाल के विकेटकीपर बल्लेबाज़ रिद्धिमान साहा को जून 2025 में होने वाले बंगाल प्रो टी20 लीग के दूसरे सीजन में सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स का मेंटोर नियुक्त किया गया है। 40 टेस्ट, 9 वनडे और 255 टी20 मैचों का अनुभव रखने वाले साहा पुरुष और महिला दोनों टीमों का मार्गदर्शन करेंगे। उनके अनुभव और संयोजन से टीम को सीजन 2 में निश्चित तौर पर आगे बढ़ने में मदद मिलने वाली है। सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स से जुड़ने पर साहा ने एक बयान में कहा, सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के साथ मेंटोर के रूप में जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैने अपने करियर के दौरान जो अनुभव और ज्ञान अर्जित किया है, उसे खिलाड़ियों के साथ साझा करने और उन्हें इतने बड़े मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। सर्वोटेक स्पोर्ट्स के डायरेक्टर ऋषभ भाटिया ने कहा, साहा की तकनीकी समझ और नेतृत्व हमारे फ्रैंचाइज़ी के लिए बहुत फायदेमंद होने वाली है। उनका क्रिकेट के प्रति समर्पण और प्रतिबद्धता हमारे लिए सीजन 2 की दृष्टि से पूरी तरह मेल खाती है। स्ट्राइकर्स परिवार से उनका जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है। गौरतलब हो कि सर्वोटेक ने इसी महीने की शुरुआत में महिला खिलाड़ियों की ड्राफ्टिंग की गई थी, जिसमें महिला प्रीमियर लीग (डब्लूपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए खेल चुकी भारतीय क्रिकेटर प्रियंका बाला को मार्की खिलाड़ी के रूप में बरकरार रखा गया है।

मैं पीकेएल सीजन 12 के लिए तैयार हूं-असलम इनामदार

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 की नीलामी नज़दीक आते ही पुनेरी पलटन के स्टार ऑलराउंडर असलम इनामदार फिर से सुर्खियों में हैं। 31 मई और 1 जून को मुंबई में होने वाली इस नीलामी से पहले असलम ने अपने कमबैक का ऐलान कर दिया है। सीजन 11 में घुटने की गंभीर चोट के चलते वह केवल 7 मुकाबले ही खेल सके थे, लेकिन अब उन्होंने पूरी तरह से फिट होकर वापसी की तैयारी कर ली है। असलम ने एक बयान में कहा, कबड्डी खिलाड़ी के लिए चोट सामान्य बात है, ये खेल का हिस्सा है। लेकिन असली खिलाड़ी वही होता है जो चोट के बाद खुद को फिर से तैयार करे और मैदान पर दम दिखाए। 25 वर्षीय असलम को सीजन 11 के दौरान मेनिस्कस टियर हुआ था, जिसके लिए सर्जरी करानी पड़ी। उन्होंने बताया, मैंने ठान लिया था कि जल्दी से ठीक होना है। अब 6 महीने हो चुके हैं और मैं पूरी तरह फिट हूं। सीजन 12 के लिए मैं तैयार हूं। सीजन 11 में असलम की अनुपस्थिति का असर पुनेरी पलटन की परफॉर्मेंस पर भी साफ दिखा। टीम जो शुरुआत में टेबल टॉपर थी, अंत में आठवें स्थान पर रही।

ओलंपिक मार्केटिंग के दिग्गज माइकल पेन बने वॉलीबॉल वर्ल्ड के चेयरमैन

जिनेवा। ओलंपिक और खेल विपणन (स्पोर्ट्स मार्केटिंग) जगत के प्रसिद्ध विशेषज्ञ माइकल पेन को

वॉलीबॉल वर्ल्ड का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ (एफआईवीबी) ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। ओलंपिक मार्केटिंग में दो दशक से अधिक का अनुभव 67 वर्षीय माइकल पेन 1983 से 2004 तक इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) में मार्केटिंग और ग्लोबल ब्रॉडकास्ट राइट्स के निदेशक रहे। इस दौरान उन्होंने 15 ओलंपिक खेलों के लिए मार्केटिंग कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की और उन्हें सफलतापूर्वक लागू किया। खेल संगठनों के साथ रणनीतिक सलाहकार की भूमिका एथेंस 2004 ओलंपिक के बाद पेन ने 'पेन स्पोर्ट्स मीडिया स्ट्रैटेजीज' की स्थापना की, जिसके माध्यम से उन्होंने फॉर्मूला वन, एफआईवीबी और सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स जैसे शीर्ष वैश्विक खेल संगठनों को सलाह दी। वॉलीबॉल वर्ल्ड को वैश्विक मंच पर ले जाने का लक्ष्यएफआईवीबी के अंतर्गत 2021 में स्थापित वॉलीबॉल वर्ल्ड अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल और बीच वॉलीबॉल इवेंट्स का वाणिज्यिक संचालन करता है। पेन ने कहा, पिछले चार वर्षों में वॉलीबॉल वर्ल्ड ने खेल को वैश्विक मनोरंजन उत्पाद के रूप में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को सनराइजर्स हैदराबाद से हार मिली

लखनऊ,23 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को सनराइजर्स हैदराबाद से हार मिली है। पैट कमिंस की टीम 42 रनों से जीती। आरसीबी प्लेऑफ में जगह बना चुकी है। हालांकि टेबल में टॉप-2 पर अपना स्थान पक्का करने के लिए अपने बाकी बचे दोनों मैच जीतने थे। अब आरसीबी को दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ेगा। पहले खेलते हुए हैदराबाद ने 231 रन बनाए। जवाब में आरसीबी का स्कोर 14 ओवर के बाद 3 विकेट पर 163 रन था। इसके बाद भी टीम आखिरी ओवर में 189 रनों पर ऑलआउट हो गई।विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन की नाबाद 94 रनों की पारी खेली। उन्होंने 48 गेंद की अपनी नाबाद पारी में सात चौके और पांच छक्के जड़े। अभिषेक शर्मा (17 गेंद में 34), हेनरिच क्लासेन (13 गेंद में 24), अनिकेत वर्मा (नौ गेंद में 26 रन) और ट्रेविस हेड (10 गेंद में 17 रन) ने आक्रामक बल्लेबाजी से आरसीबी के गेंदबाजों पर दबाव बनाये रखा।

रोमारियो शेफर्ड ने दो ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिये जबकि भुवनेश्वर कुमार, लुंगी एनगिडी, सुयश शर्मा और क्रुणाल पंड्या को एक-एक सफलता मिली।पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर हेड ने यश दयाल के खिलाफ चौके से अपना खाता खोला तो वहीं अभिषेक ने भुवनेश्वर और दयाल दोनों के खिलाफ छक्के और चौके जड़े। हेड ने चौथे ओवर में एनगिडी का स्वागत चौके से किया तो वहीं अभिषेक ने एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से छक्का लगाकर 3.3 ओवर में टीम का पचासा पूरा किया। वह हालांकि ओवर की आखिरी गेंद पर फिल सॉल्ट को कैच देकर पवेलियन लौटे।भुवनेश्वर ने अगले ओवर में हेड की पारी पर विश्राम लगाकर आरसीबी को बड़ी सफलता दिलायी।

क्रीज पर आये क्लासेन ने सातवें ओवर में सुयश के खिलाफ चौका और छक्का लगाकर टीम की रन गति को बनाये रखा। सुयश के अगले ओवर में किशन के दो चौके के बाद क्लासेन ने भी गेंद को सीमा रेखा के पार भेजकर नौवें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। इस लेग स्पिनर ने दक्षिण अफ्रीका के आक्रमक विकेटकीपर बल्लेबाज को लांग ऑन पर शेफर्ड के हाथों कैच करा कर पवेलियन भेजा।

अनिकेत वर्मा ने बेहद आक्रामक तेवर दिखाते हुए नौ गेंद की अपनी पारी में तीन छक्के और एक चौका लगाया लेकिन वह क्रुणाल पंड्या का पहला शिकार बन गये। किशन ने 14 ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया। दूसरे छोर से शेफर्ड ने धीमी गेंद पर नीतीश कुमार रेड्डी (चार) और शॉट गेंद पर अभिनव मनोहर (12) को आउट कर एसआरएच को झटके देना जारी रखा।

कैरोलिन गार्सिया की सोशल मीडिया पर घोषणा- फ्रेंच ओपन के बाद टेनिस को अलविदा

नई दिल्ली,23 मई (एजेंसियां)।

पूर्व वर्ल्ड नंबर-4 और फ्रेंच ओपन डबल्स चैंपियन कैरोलिन गार्सिया ने टेनिस से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। 31 वर्षीय फ्रेंच स्टार ने सोशल मीडिया के ज़रिए जानकारी दी कि इस सप्ताह शुरू हो रहे फ्रेंच ओपन 2025 उनके करियर का आखिरी रोलां गैरो टूर्नामेंट होगा।

गार्सिया ने एक्स पर लिखा, डियर टेनिस, अब अलविदा कहने का समय आ गया है। 15 साल तक शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और 25 साल से अधिक वक्त इस खेल को देने के बाद मैं अब एक नए अध्याय के लिए तैयार हूं। गार्सिया के नाम डब्ल्यूटीए टूर पर 11 सिंगल्स खिताब हैं। उन्होंने 2022 में सीज़न एंडिंग डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब भी अपने नाम किया था, जिसे ग्रैंड स्लैम्स के बाद सबसे प्रतिष्ठित माना जाता है। उसी साल उन्होंने अपनी हमवतन क्रिस्टिना म्लादेनोविक के साथ मिलकर दूसरी बार फ्रेंच ओपन डबल्स का खिताब भी जीता था।

उनका ग्रैंड स्लैम में सर्वश्रेष्ठ सिंगल्स प्रदर्शन 2022 यूएस ओपन में आया था, जब वे सेमीफाइनल तक पहुंचीं। करियर में एक समय उन्होंने विश्व रैंकिंग में चौथा स्थान हासिल किया था, हालांकि फिलहाल वह 145वें स्थान पर हैं।

गार्सिया ने लिखा, मेरा टेनिस सफर हमेशा आसान नहीं रहा। यह सिर्फ जीत या हार नहीं रहा, बल्कि इसमें प्यार और नफरत, खुशी और गुस्से का भी दौर रहा। अब मेरा शरीर और मेरे निजी लक्ष्य कुछ और मांग रहे हैं।

गार्सिया ने करियर में अब तक करीब 1.9 करोड़ डॉलर (लगभग 158 करोड़ रुपये) की प्राइज मनी अर्जित की है। अब जब वह अपने करियर को अलविदा कहने की ओर बढ़ रही हैं, उनके प्रशंसक इस फ्रेंच ओपन में उन्हें आखिरी बार अपने होम ग्रैंड स्लैम में खेलते हुए देख सकेंगे।

न्यूज़ीलैंड की ऑलराउंडर हेले जेनसेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, 11 साल के करियर का अंत

न्यूज़ीलैंड महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी ऑलराउंडर हेले जेनसेन ने 11 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर के बाद क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। 32 वर्षीय जेनसेन ने 35 वनडे और 53 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 2014 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। हेले जेनसेन चार टी20 वर्ल्ड कप टीमों का हिस्सा रही हैं, जिनमें 2020 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टूर्नामेंट में वह न्यूज़ीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। इसके अलावा वह 2022 में न्यूज़ीलैंड में आयोजित वनडे वर्ल्ड कप में भी खेली थीं। उन्होंने 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में भी शानदार प्रदर्शन किया था, जहां इंग्लैंड के खिलाफ कांस्य पदक मैच में 3 विकेट लेकर न्यूज़ीलैंड को जीत दिलाई थी। हालांकि, वह 2022 के अंत के बाद से वनडे टीम से बाहर चल रही थीं। मार्च 2024 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए उन्हें टीम में वापस बुलाया गया था, लेकिन चोट के चलते वह सीरीज नहीं खेल सकीं।

फ्रेंच ओपन 2025 ड्रॉ: जोकोविच, सिनर एक ही हाफ में, पहले मैच में अल्कराज की टक्कर निशिकोरी से

नई दिल्ली,23 मई (एजेंसियां)।

पेरिस के रोलां गैरो में गुरुवार को हुए ड्रॉ के अनुसार, वर्ल्ड नंबर 2 कार्लोस अल्कराज फ्रेंच ओपन 2025 में अपने खिताबी बचाव अभियान की शुरुआत जापान के अनुभवी खिलाड़ी केई निशिकोरी के खिलाफ मुकाबले से करेंगे।

वहीं, विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी जैनिक सिनर टूर्नामेंट की शुरुआत फ्रांस के आर्थर रिंडरनेश के खिलाफ करेंगे।

सिनर, जोकोविच और ज़्वेरेव एक ही हाफ में

23 वर्षीय सिनर, जिन्होंने हाल ही में इटैलियन ओपन से तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध के बाद वापसी की है, दूसरे दौर में फ्रेंच वाइल्डकार्ड रिचर्ड गैस्के से भिड़ सकते हैं। 38 वर्षीय गैस्के अपने करियर का आखिरी फ्रेंच ओपन खेल रहे हैं और यह उनका 22वां व अंतिम रोलां गैरो अभियान होगा।

पिछले साल के रनर-अप अलेक्जेंडर ज़्वेरेव और तीन बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच भी सिन्नर के साथ इसी हाफ में हैं। ज़्वेरेव और जोकोविच के क्वार्टरफाइनल में आमने-सामने होने की संभावना है, जहां से विजेता सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में भिड़ सकता है।

पहले दौर के रोमांचक मुकाबले:

- कार्लोस अल्कराज (स्पेन) बनाम केई निशिकोरी (जापान)
- अलेक्जेंडर ज़्वेरेव (जर्मनी) बनाम लर्नर टिएन (अमेरिका)
- नोवाक जोकोविच (सर्बिया) बनाम मैकेंज़ी मैकडोनाल्ड (अमेरिका)
- बेन शेल्टन (अमेरिका) बनाम लोरेंजो सोनेगो (इटली)
- आर्थर फिस (फ्रांस) बनाम निकोलस जैरी (चिली)
- ह्यूबर्ट हर्काच (पोलैंड) बनाम जोआओ फोंसेका (ब्राजील)
- दानिल मेदवेदेव (रूस) बनाम कैमरन नोरी (ब्रिटेन)।

लुका मोड्रिच कहेंगे रियल मैड्रिड को अलविदा, क्लब वर्ल्ड कप के बाद लेंगे विदाई

नई दिल्ली,23 मई (एजेंसियां)।

फुटबॉल की दुनिया के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों में शुमार लुका मोड्रिच जल्द ही रियल मैड्रिड को अलविदा कहने जा रहे हैं। क्लब के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक, मोड्रिच ने गुरुवार को पुष्टि की कि वह क्लब वर्ल्ड कप के बाद क्लब को छोड़ देंगे। 2018 के बैलन डीऑर विजेता मोड्रिच 2012 से जुड़े हुए हैं और लगभग 600 मैचों में रियल के लिए मैदान में उतरे हैं।

बर्नबू में आखिरी मुकाबला शनिवार को – 39 वर्षीय क्रोएशियाई मिडफील्डर का आखिरी घरेलू मुकाबला शनिवार को रियल सोसिएदाद के खिलाफ ला लीगा का अंतिम मैच होगा। इसके बाद वह जून में शुरू होने वाले क्लब वर्ल्ड कप में टीम का हिस्सा रहेंगे और फिर विदाई लेंगे।

इमोशनल इंस्टाग्राम पोस्ट में दी विदाई की जानकारी – मोड्रिच ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, वो पल आ गया है, जो मैं कभी नहीं चाहता था। लेकिन फुटबॉल और जिंदगी में हर चीज की एक शुरुआत होती है और एक अंत। शनिवार को मैं सैंटियागो बर्नबू में अपना आखिरी मैच खेलूंगा।

उन्होंने आगे लिखा, रियल मैड्रिड के लिए खेलना मेरी जिंदगी बदल देने वाला अनुभव रहा। इस क्लब की सबसे सफल पीढ़ी का हिस्सा बनकर मुझे गर्व है। क्लब वर्ल्ड कप के बाद भले ही मैं इस जर्सी में मैदान पर नहीं उतरूंगा, लेकिन दिल से हमेशा एक 'मेड्रिडिस्ता' रहूंगा।

रियल मैड्रिड के साथ लुका मोड्रिच की उपलब्धियां:

- ला लीगा: 2016-17, 2019-20, 2021-22, 2023-24
- कोपा डेल रे: 2013-14, 2022-23
- सुपरकोपा डे एस्पाना: 2012, 2017, 2020, 2022, 2024
- यूईएफए चैंपियंस लीग: 2013-14, 2015-16, 2016-17, 2017-18, 2021-22, 2023-24
- यूईएफए सुपर कप: 2014, 2016, 2017, 2022, 2024
- फीफा क्लब वर्ल्ड कप: 2014, 2016, 2017, 2018, 2022
- फीफा इंटरकॉन्टिनेंटल कप: 2024।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, एक ही दिन में लगाए तीन शतक

नई दिल्ली। इंग्लैंड और जिम्बाब्वे के बीच टेस्ट मैच नॉटिंघम में खेला जा रहा है। इस मैच के पहले ही दिन मेजबान बल्लेबाजों ने गर्दा उड़ाया। जैक क्रॉली, बेन डकेट और ओली पॉप की तिकड़ी ने शतक जड़े, दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 498 रन बना लिए थे। क्रॉली ने इस दौरान 124 रनों की पारी खेली, वहीं डकेट 100 के ज्यादा के स्ट्राइक रेट के साथ 140 रन बनाकर आउट हुए। उप-कप्तान ओली पोप 169 रन बनाकर अभी भी क्रीज पर मौजूद हैं। इन शतकों के साथ इंग्लैंड की यह तिकड़ी टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रचने में कामयाब रही है। जैक क्रॉली, बेन डकेट और ओली पोप की तिकड़ी वर्ल्ड क्रिकेट की पहली ऐसी टॉप ऑर्डर तिकड़ी बनी गई है जिसने एक टेस्ट की एक ही पारी में दो बार शतक जड़े हों। इन तीनों ने इससे पहले 2022 पाकिस्तान दौरे पर ऐसा किया था। पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में खेले गए पहले टेस्ट में क्रॉली ने 122, डकेट ने 107 और पोप ने 108 रन बनाए थे। वहीं इंग्लैंड की सरजमीं पर 101 सालों के बाद ऐसा देखने को मिला है जब टॉप तीन बल्लेबाजों ने एक ही पारी में शतक जड़े हों। बता दें इससे पहले 1924 में ऐसा कारनामा देखने को मिला था जब इंग्लैंड के टॉप-3 बल्लेबाज -जैक हॉब्स ने 211, हर्बर्ट सुटक्लिफ ने 122 और फ्रैंक वूली ने 134 रनों की पारियां खेली थी।

अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड ल्यूटनिक से मिले गोयल, व्यापार समझौते पर की चर्चा

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को वाशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड ल्यूटनिक के साथ अपनी दूसरी बैठक की। इस दौरान दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा की गई।

इससे पहले 20 मई को गोयल ने व्यापार समझौते के पहले चरण पर बातचीत में तेजी लाने के लिए सचिव हॉवर्ड लुटनिक के साथ बैठक की थी। पीयूष गोयल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते के लिए सचिव हॉवर्ड ल्यूटनिक के साथ रचनात्मक बैठक हुई। हम हमारे व्यवसायों और लोगों के लिए अवसरों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों देश 8 जुलाई तक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं। मुख्य वार्ताकारों के बीच चार दिवसीय चर्चा भी 22 मई को वाशिंगटन में समाप्त हो गई। अंतरिम व्यापार समझौते में नई दिल्ली भारतीय वस्तुओं पर 26 फीसदी पारस्परिक टैरिफ से पूर्ण छूट के लिए दबाव बना रही है। दरअसल अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 26 फीसदी पारस्परिक टैरिफ लगाया था, लेकिन इसे 9 जुलाई तक 90 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। हालांकि, अमेरिका का लगाया गया 10 फीसदी का बेसलाइन टैरिफ अभी भी लागू है। अमेरिका के 26 फीसदी अतिरिक्त आयात शुल्क के 90 दिवसीय निलंबन के कारण भारतीय निर्यातक फलिहाल सिर्फ 10 फीसदी आधारभूत टैरिफ का भुगतान कर रहे हैं, जबकि पहले यह 26 फीसदी प्रस्तावित था। वर्तमान में ट्रंप प्रशासन को टैरिफ को सबसे पसंदीदा राष्ट्र (एमएफएन) दरों से नीचे लाने के लिए अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी की आवश्यकता होती है, लेकिन प्रशासन के पास भारत सहित कई देशों पर लगाए गए पारस्परिक टैरिफ को हटाने का अधिकार है।

भारत प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण में अपने श्रम-प्रधान क्षेत्र के लिए शुल्क रियायतों पर अमेरिका से कुछ प्रतिबद्धताओं की उम्मीद कर सकता है। दोनों देशों ने इस साल की शरद ऋतु (सितंबर-अक्टूबर) तक समझौते के पहले चरण को पूरा करने की समय-सीमा तय की है, ताकि वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक बढ़ाकर 500 अरब डॉलर किया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड के नियमों में होंगे बदलाव

मुंबई। कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड यूज़र्स के लिए महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की गई है। ये बदलाव अगले महीने से लागू होंगे। क्रेडिट कार्ड यूज़र्स को ऑटो-डेबिट, यूटिलिटी बिल पेमेंट और अंतरराष्ट्रीय ट्रांजैक्शन जैसी सेवाओं से जुड़ी शर्तों में कई बदलावों का सामना करना पड़ेगा। अब ऑटो-डेबिट पेमेंट में फेल होने पर 2 फीसदी या 450 रुपए तक जुर्माना लगेगा। हर स्टेटमेंट साइकिल में सीमा से अधिक यूटिलिटी बिल भुगतान करने पर 1 फीसदी चार्ज लगेगा। अपने खर्च की सीमा पर नजर रखकर ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क से बचना होगा। इंटरनेशनल ट्रांजेक्शनों और शिक्षा से संबंधित भुगतानों पर भी नए शुल्क लागू होंगे। विवरण बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

नारियल तेल की कीमतें एक साल में 40 फीसदी तक बढ़ी

मुंबई। कच्चे माल, खासकर खोपरा की कीमतों में जबरदस्त तेजी की वजह से बीते एक साल में नारियल की कीमतों में 30 से 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मारिको और डाबर जैसी नामी कंपनियों ने कीमतें बढ़ाई हैं। मारिको, जो पैराशूट ब्रांड के नारियल तेल के लिए जानी जाती है, ने करीब 30 फीसदी तक कीमतें बढ़ाई, क्योंकि खोपरे की कीमतों में 40-50 फीसदी की उछाल आई है। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी का कहना है कि अब कीमतें स्थिर होने की उम्मीद है लेकिन किसी अप्रत्याशित घटना से फिर से बढ़ोतरी हो सकती है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख नजर आ रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैक्स बिल की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निराशा का माहौल बना रहा। डाउ जॉन्स ऊपरी स्तर से करीब 250 अंक टूट गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,842.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.28 प्रतिशत उछल कर 18,925.73 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 41,901.78 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,739.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,864.44 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 123.23 अंक यानी 0.51 प्रतिशत लुढ़क कर 23,999.17 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,872.33 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स से 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 21,643.76 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,733.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,596.99 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 148.02 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,692.33 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 192.69 अंक यानी 0.52 प्रतिशत उछल कर 37,178.56 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,179.04 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,189.16 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,382.96 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारत अगले दशक की तेल मांग में चीन को पछाड़ देगा : मूडीज

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)।

पिछले दशक में वैश्विक तेल मांग में वृद्धि को गति देने का काम भले ही चीन ने किया था, लेकिन अब यह भारत का बाजार है। रेटिंग एजेंसी मूडीज की रिपोर्ट के अनुसार अगले दशक में भारत में तेल की मांग चीन से अधिक बढ़ेगी। चीन की सुस्त आर्थिक वृद्धि के बीच भारत में नए ऊर्जा वाहनों की मांग तेजी से बढ़ने के साथ-साथ घरेलू उत्पादन में भी वृद्धि की उम्मीद है। डीज ने दोनों देशों की तेल और गैस आयात पर निर्भरता को देखते हुए भारतीय कंपनियों के निवेश के लिए चुनौतियों की चेतावनी भी दी है। चीन की तुलना में ारतीय कंपनियों को पुराने तेल कुओं और धीमे निवेश से जूझना पड़ सकता है। इसके बावजूद, भारतीय तेल कंपनियां उत्पादन वृद्धि में अपने चीनी समकक्षों को पीछे छोड़ सकती हैं। कच्चे तेल की खपत में भारत में 3-5 फीसदी की वार्षिक वृद्धि की आशा है, जो देश की तेल आयात पर निर्भरता कम कर सकती है। इसके साथ ही भारतीय कंपनियां भी हरित प्रौद्योगिकियों और निवेश में अधिक ध्यान देने की जरूरत है। भविष्य में, भारतीय तेल कंपनियों का उद्देश्य अपने घरेलू उत्पादन को बढ़ाना और विदेशी आयात की निर्भरता कम करना है।

भारत में हीरे के आभूषणों की खपत 2030 तक दोगुनी होगी: डी बियर्स

मुंबई। हीरे कंपनी डी बियर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा है कि भारत में 2030 तक हीरे के आभूषणों की खपत दोगुनी हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में हीरे के आभूषणों की मांग में दहाई अंक की वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक हीरे के आभूषणों का दूसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। हम उसके भविष्य पर पूरा भरोसा रखते हैं। डी बियर्स की योजना है कि वे अगले कुछ महीनों में भारत में फॉरएवरमार्क के चार स्टोर खोलेंगे, जिनमें से दो दिल्ली में और दो मुंबई में स्थापित होंगे। उनका उद्देश्य है कि पांच साल के भीतर वे पूरे भारत में 100 से अधिक स्टोर खोलें। इसके साथ ही वे ऑनलाइन बाजार में भी अपने पैर जमाने का प्लान बना रहे हैं। डी बियर्स इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनकी कंपनी की योजना में बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे और मध्यम शहरों में भी स्टोर्स खोलने की योजना है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

20 हजार से एक ...

पहचान छिपाने के लिए फर्जी आधार कार्ड बनवाए जाते हैं। दिसंबर 2023 में जम्मू में 61 और कश्मीर में 97 नकली आधार कार्ड बरामद हुए, जिनमें अधिकांश महिलाओं के थे। पूर्व डीजीपी एसपी वैद के अनुसार स्थानीय लोगों के साथ रोहिंग्या लड़कियों की शादियां लंबे समय से चल रही हैं। जम्मू दक्षिण के एसपी अजय शर्मा ने कहा, रोहिंग्याओं की अधिकतर घुसपैठ पश्चिम बंगाल से होती है। वहां से ट्रेन या अन्य साधनों से वे जम्मू पहुंचते हैं। इन्हें पश्चिम बंगाल में ही रोकना जरूरी है। जम्मू कश्मीर पुलिस भी इन पर नजर रखे हुई है। कई मामले दर्ज भी किए गए हैं। बस्तियों में रहने वालों की हर गतिविधि पर निगरानी रखी जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर...

उसके बावजूद आप (कांग्रेस) छूट देते रहे, चाहे 1950 का नेहरू लियाकत समझौता हो, 1960 का सिंधु जल समझौता हो या 1975 का शिमला समझौता। हम संसद में भी रक्षा की रणनीति के विषय पर चर्चा नहीं करते, लेकिन 1991 में जब आप (कांग्रेस) चंद्रशेखर के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन दे रहे थे और 1994 में जब पीवी नरसिम्हा राव की सरकार थी, तब इसे (समझौते को) लागू किया गया और आपने लिखा कि सेना, नौसेना कहां तैनात होगी और वायु सेना कैसे काम करेगी। ये सारी बातें क्या देशद्रोह नहीं है? कांग्रेस ने क्या वोटबैंक की राजनीति के लिए धोखा नहीं किया? मुझे लगता है कि भारत सरकार को इसके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाना चाहिए। इस देश के बाहर के तत्वों से तो लड़ाई जारी है, लेकिन देश के भीतर के ऐसे तत्वों पर भी कार्रवाई करने का समय आ गया है।भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि वे भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता को कमतर आंकना बंद करें और चल रहे ऑपरेशन सिंदूर के बारे में गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी करके देश की सुरक्षा को खतरे में डालना बंद करें। राहुल को निशान-ए-पाकिस्तान कहते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर कांग्रेस नेता की टिप्पणी का इस्तेमाल इस्लामाबाद भारत को बदनाम करने के लिए कर रहा है। भाटिया ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, राहुल गांधी, आप तय करें कि आप किस तरफ हैं। आपको तय करना होगा कि आप भारत के विपक्ष के नेता हैं या पाकिस्तान के निशान-ए-पाकिस्तान। भाटिया ने कांग्रेस नेता से आग्रह किया, राहुल गांधी हमारे बहादुर सशस्त्र बलों की वीरता और प्रतिबद्धता को कमतर आंकना बंद करें, ऐसे सवाल पूछना बंद करें जो नहीं पूछे जाने चाहिए। वे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल की टिप्पणी को बचकाना व्यवहार कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे सवाल जानबूझकर पूछना राहुल गांधी का मुख्य चरित्र रहा है, जो हमारे देश के प्रति शत्रुतापूर्ण राष्ट्रों के एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं।

आतंकी हमलों...

यह भारत की परिपक्व नीति और स्पष्ट इरादे का प्रमाण है। गृहमंत्री ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में बीएसएफ की भूमिका को याद करते हुए कहा कि बांग्लादेश को कभी नहीं भूलना चाहिए कि उनके स्वतंत्रता संघर्ष में बीएसएफ के जवानों ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी। उस युद्ध को भारत पर थोपा गया था लेकिन बीएसएफ ने अपनी वीरता से न केवल देश की सीमाएं सुरक्षित कीं, बल्कि एक नए राष्ट्र के गठन में भी अहम भूमिका निभाई।अमित शाह ने बीएसएफ के गौरवशाली इतिहास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 1965 के युद्ध के बाद सीमा सुरक्षा की कमियों को देखते हुए एक ऐसे बल की आवश्यकता महसूस हुई, जो शांति काल में भी सीमाओं की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। इस आवश्यकता ने बीएसएफ के गठन को जन्म दिया। बीएसएफ के संस्थापक निदेशक केएफ रुस्तमजी को याद करते हुए अमित शाह ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल को भारत की दो सबसे चुनौतीपूर्ण सीमाओं पाकिस्तान और बांग्लादेश की सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया, जिसे बीएसएफ ने बखूबी निभाया है। अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ ने 5 साल के अंदर ढेर सारे तकनीकी समाधान ढूंढ़ने का प्रयास किया है और इसे जमीन पर उतारने का प्रयास किया है। जहां पर भौगोलिक विषमता एक बड़ा चैलेंज है, तो वहीं बीएसएफ तकनीकी समाधान से देश के बार्डर की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है। सीमा प्रहरी हैं तो मैं चैन की नींद सोता हूं, क्योंकि अगर कुछ होगा भी तो दुश्मन देश का होगा, हमारा देश सुरक्षित रहेगा।

कश्मीर जाकर...

सागरिका घोष ने भी कहा कि जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती गांवों ने सबसे ज्यादा दुख झेला है और वे यह बताने आए हैं कि वे अकेले नहीं हैं। यह सुनने में तो बहुत अच्छा लगता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या टीएमसी वाकई में इतनी संवेदनशील है, जितना वह दिखाने की कोशिश कर रही है?अब जरा पश्चिम बंगाल की तरफ नजर डालें। मुर्शिदाबाद में हाल ही में वक्फ (संशोधन) बिल के विरोध की आड़ में जो हिंसा हुई, उसने हिंदुओं को निशाना बनाया। कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा गठित एक जांच समिति की रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि यह हिंसा टीएमसी नेताओं की शह पर हुई। धुलियन शहर में टीएमसी के स्थानीय पार्षद मेहबूब आलम ने हमलों का नेतृत्व किया। मेहबूब आलम हमलावरों के साथ समसेरगंज, हिजलतला, शिउलीतला और डिगरी से आए नकाबपोश मुस्लिमों के साथ मौके पर मौजूद था। हमलावरों ने हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों को निशाना बनाया। इसके बाद स्थानीय विधायक अमीरुल इस्लाम भी वहां पहुंचा। उसने उन घरों की पहचान की जो अभी तक नहीं जले थे, और हमलावरों ने उन घरों में भी आग लगा दी। अमीरुल इस्लाम ने हिंसा को रोकने की कोई कोशिश नहीं की, बल्कि चुपचाप वहां से खिसक गया। यही नहीं, उसने मीडिया में बयान में कहा कि हिंसा में बाहरी लोग शामिल थे, जबकि वो खुद हिंसा में शामिल था।जांच समिति ने यह भी बताया कि स्थानीय पुलिस पूरी तरह निष्क्रिय रही। जब पीड़ितों ने मदद के लिए पुलिस को फोन किया, तो कोई जवाब नहीं मिला। यह सब स्थानीय पुलिस स्टेशन से महज 300 मीटर की दूरी पर हुआ। पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय और अनुपस्थित रही। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पूछा भी कि ममता बनर्जी इन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई कब करेंगी? क्या वे मृतकों के बारे में अपनी पार्टी के नेताओं की अपमानजनक टिप्पणियों के लिए माफी मांगेंगीं?मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के घर जलाए गए, उनकी पानी की पाइपलाइन काट दी गई ताकि आग बुझाई न जा सके, महिलाओं के कपड़े जला दिए गए ताकि वे अपने तन को न ढक सकें। कई लोगों को कुल्हाड़ी से काट डाला गया। कलकत्ता हाई कोर्ट की कमेटी की रिपोर्ट साफ लिखा है कि मुर्शिदाबाद हिंसा में हिंदुओं को अपने घर छोड़कर भागना पड़ा। ऐसे में सवाल तो पूछा ही जाएगा कि क्या टीएमसी का कोई प्रतिनिधिमंडल वहां गया? क्या ममता बनर्जी ने इस हिंसा की निंदा की? नहीं, बल्कि उनकी पार्टी के ही सांसद ने यह कहकर मामले को हल्का करने की कोशिश की कि इसमें बाहरी लोग शामिल थे।संदेशखाली का मामला भी इससे अलग नहीं है। वहां टीएमसी के स्थानीय नेता शेख शाहजहां और उसके गुर्गों ने स्थानीय हिंदुओं, खासकर महिलाओं के साथ जो अत्याचार किए, वो किसी से छिपे नहीं हैं। जमीन हड़पने से लेकर यौन शोषण तक के आरोप लगे, लेकिन ममता बनर्जी ने शुरू में इसे भाजपा की साजिश करार दे दिया। बाद में जब जांच हुई तो शाहजहां को गिरफ्तार करना पड़ा, लेकिन टीएमसी ने इस मामले में भी कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई। फिर आरजे कर अस्पताल में महिला डॉक्टर की रेप-हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तक हैरानी जताई, लेकिन ममता सरकार को इससे भी फर्क नहीं पड़ा। ऑपरेशन सिंदूर भारत की तरफ से 7 मई 2025 को शुरू किया गया एक सैन्य अभियान है, जो 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब था। इस हमले में आतंकियों पूछ-पूछ कर हिंदुओं को मारा। भारत ने इसके जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। इसके बाद पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की और सीमा पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें पुंछ, राजौरी और बारामूला जैसे इलाकों में 15 से ज्यादा नागरिक मारे गए और दर्जनों घायल हुए। इसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दुनिया भर में अपनी बात रखने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला किया। इसमें टीएमसी के सांसद यूसुफ पठान का नाम भी शामिल था। लेकिन टीएमसी ने इसे लेकर हंगामा खड़ा कर दिया। ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार यह तय नहीं कर सकती कि टीएमसी की तरफ से कौन प्रतिनिधि जाएगा। यूसुफ पठान ने प्रतिनिधिमंडल में जाने से इनकार कर दिया। बाद में जब विवाद बढ़ा तो अभिषेक बनर्जी को भेजा गया, जिस पर भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने सवाल भी उठाए। इन सबके बीच अब उसी ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रभावित इलाकों में जाकर टीएमसी सहानुभूति दिखाने की कोशिश कर रही है। यह साफ तौर पर दोहरा चरित्र है। ममता बनर्जी और उनकी पार्टी की राजनीति हमेशा से तुष्टिकरण पर आधारित रही है। पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के कई मामले सामने आए हैं, लेकिन ममता बनर्जी ने कभी भी इसकी खुलकर निंदा नहीं की। मुर्शिदाबाद में हिंदुओं पर हमले के बाद ममता बनर्जी से कार्रवाई की मांग की गई, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उलटे टीएमसी के कुछ नेताओं ने इसे बाहरी लोगों की साजिश बताकर पल्ला झाड़ लिया। संदेशखाली में भी ममता बनर्जी ने शुरू में पीड़ितों की बजाय अपने नेताओं का बचाव किया। यहां शेख शाहजहां के गुंडे खुलेआम हथियार लेकर घूम रहे हैं और अब भी हिंदुओं को आतंकित कर रहे हैं। यही नहीं, टीएमसी ने जिस महिला को लोकसभा चुनाव का टिकट दिया, उसने तो यहां तक कह दिया कि संदेशखाली की महिलाएं पीड़ित ही हैं, ये हम कैसे मान लें।पश्चिम बंगाल में इतना सब कुछ होने के बाद भी टीएमसी ने प्रतिनिधिमंडल भेजना जैसा कदम नहीं उठाया, बल्कि महिला आयोग, मानवाधिकार आयोग, एससी आयोग तक को पीड़ितों तक पहुंचने से रोका। दूसरी तरफ युद्ध के समय पाकिस्तानी गोलाबारी में घायल हुए लोगों से मुलाकात के लिए अपना प्रतिनिधिमंडल भेज दिया। ऐसे में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने इस दौरे को निजी यात्रा करार दिया और कहा, पश्चिम बंगाल में गर्मी ज्यादा है, इसलिए ये लोग कश्मीर चले गए, जहां मौसम सुहाना है। ये लोग पश्चिम बंगाल और हिंदू विरोधी हैं। इन्हें अपने राज्य में कोई दिलचस्पी नहीं है। सुवेंदु का यह बयान भले ही तीखा लगे, लेकिन इसमें सच्चाई है। टीएमसी ने अपने राज्य के मुर्शिदाबाद और संदेशखाली जैसे इलाकों में पीड़ितों की सुध लेने के बजाय कश्मीर में जाकर सहानुभूति दिखाने का नाटक किया।टीएमसी का यह कश्मीर दौरा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि चमकाने की कोशिश है। ममता बनर्जी हमेशा से खुद को एक राष्ट्रीय नेता के तौर पर पेश करने की कोशिश करती रही हैं। लेकिन उनकी यह कोशिश तब हास्यास्पद लगती है, जब उनके अपने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और संदेशखाली में महिलाओं के साथ अत्याचार के बाद भी टीएमसी ने कोई संवेद-नशीलता नहीं दिखाई। लेकिन कश्मीर में जाकर वे सहानुभूति का ढोंग कर रहे हैं। सागरिका घोष ने कहा कि वे अपने अनुभव को पार्टी नेतृत्व के सामने रखेंगी ताकि सीमा क्षेत्रों की समस्याएं राष्ट्रीय स्तर पर उजागर हो सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या वे मुर्शिदाबाद और संदेशखाली की समस्याओं को भी राष्ट्रीय स्तर पर उठाएंगी? क्या वे अपनी ही पार्टी के उन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करेंगी, जिनके खिलाफ हिंसा में शामिल होने के सबूत हैं? जवाब है, नहीं। क्योंकि ममता बनर्जी और उनकी पार्टी की राजनीति वोट बैंक पर टिकी है, और वे अपने इस वोट बैंक को नाराज नहीं करना चाहतीं। ममता बनर्जी को चाहिए कि वे पहले अपने राज्य में कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करें। मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। संदेशखाली में पीड़ित महिलाओं को इंसाफ दिलाएं। अगर वे ऐसा नहीं करतीं, तो कश्मीर में उनकी यह सहानुभूति यात्रा सिर्फ एक नौटंकी ही कहलाएगी। पश्चिम बंगाल की जनता यह सब देख रही है और आने वाले दिनों में वह इसका जवाब जरूर देगी।

37 आतंकवादी...

हर रोज भारत के खिलाफ एक नई चाल चलने की पाकिस्तान नाकाम कोशिशें कर रहा है। सुरक्षा एजेंसियों को सूचना मिली कि करीब 37 पाकिस्तानी और बांग्लादेशी आतंकी इस समय नेपाल में मौजूद हैं और भारत में घुसपैठ करने की ताक में हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बहराइच से बलरामपुर तक की नेपाल सीमा पर एसएसबी के 1500 अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है। एसएसबी 42वीं वाहिनी ने सीमा क्षेत्र में दोहरी गश्त भी शुरू कर दी है। सुरक्षा के मद्देनजर वन क्षेत्र में अतिरिक्त चौकी भी बनाई गई है। बलरामपुर के एएसपी योगेश कुमार का कहना है कि एसएसबी और पुलिस की संयुक्त टीम सीमा पर 24 घंटे नजर रख रही है। इसके अलावा ग्राम सुरक्षा समितियों को भी सक्रिय किया गया है। 42 वीं बटालियन के कमांडेंट गंगा सिंह उदावत का कहना है कि जिन 37 लोगों के बारे में सूचना मिली है, वो सभी बांग्लादेश से नेपाल पहुंच चुके हैं और सभी भारत और नेपाल की खुली सीमा का फायदा उठाते हुए भारत मे घुसने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए सीमा पर कड़े इंतजाम के साथ लगातार निगरानी रखी जा रही है। 37 लोगों में 10 बांग्लादेशी और 27 पाकिस्तानी बताए जा रहे हैं। सूचना के बाद सीमा पर 24 घंटे पैट्रोलिंग चल रही है ताकि कोई अवांछित नागरिक भारत में प्रवेश न कर सके। सभी के परिचय पत्र की भी चेकिंग की जा रही है। नेपाल से लगते उत्तर प्रदेश के महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, पीलीभीत व लखीमपुर खीरी में अलर्ट भी जारी कर दिया गया है। इन लोगों के भारत में दाखिल होने की कोशिश करने का मकसद साफ है कि पाकिस्तान कोई बड़ी साजिश रच रहा है और फिर किसी नापाक हरकत को अंजाम देने की फिराक में है।

कर्णवेध संस्कार का महत्व

अनेक हैं इसके फायदे

कर्णवेध संस्कार एक प्राचीन हिंदू परंपरा है, जो हिंदू धर्म में मुख्य 16 संस्कारों में शामिल है। धार्मिक महत्व होने के साथ-साथ कर्णवेध संस्कार वैज्ञानिक दृष्टि से भी लाभकारी माना गया है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आखिर हिंदू धर्म में कर्णवेध संस्कार इतना महत्वपूर्ण क्यों माना गया है।

कब किया जाता है ये संस्कार

16 संस्कार में से 9वां संस्कार कर्णवेध संस्कार शुभ मुहूर्त में ही किया जाता है। इसमें मुख्य रूप से बालक के जन्म के 12वें,13वें दिन या फिर 6 या 7 माह के बाद कान छिदवाया जाता है और कान में सोने या फिर चांदी की तार पहनाई जाती है। इस दौरान बालक के आने वाले जीवन की कल्याण के लिए मंत्रों का जप भी किया जाता है।

क्यों जरूरी ये कर्णवेध संस्कार

बच्चे की बौद्धिक क्षमता, शैक्षणिक और आध्यात्मिक विकास के लिए बालक का कर्णवेधन संस्कार करवाया जाता है। यह संस्कार उपनयन संस्कार से पहले कराए जाने का विधान है। साथ ही यह भी मान्यता है कि इस संस्कार को करने से बालक के जीवन की सभी नकारात्मकताएं दूर होती हैं। साथ ही यह संस्कार ऊर्जा को संतुलित करने, नकारात्मक ग्रहों के प्रभावों से दूर रखने में भी मदद करता है।

कर्णवेध संस्कार की प्रक्रिया

कर्णवेध संस्कार किसी मंदिर या फिर घर में ही किया जा सकता है। सबसे पहले किसी पंडित या ज्योतिषी से कर्णवेध संस्कार के लिए एक शुभ मुहूर्त निकलवाएं। स्थान को गंगाजल का छिड़काव करके पवित्र करें। जिस बालक का कर्णवेध संस्कार किया जाना है, उसे स्नान आदि कराने के बाद नए और साफ-सुथरे कपड़े पहनाएं।

किसी पुरोहित की सहायता लें और संस्कार से पहले देवी-देवताओं का आवाहन करें। माता-पिता को कर्णवेध संस्कार के दौरान सूर्य की दिशा यानी पूर्व दिशा में मुख करके बैठना चाहिए। इसके बाद विधि-विधान से कर्णवेध संस्कार पूर्ण करवाएं।

घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने के लिए अपनाएं ये फेंगशुई उपाय, बनी रहेगी खुशहाली

माना जाता है कि अगर घर में फेंगशुई का ध्यान रखा जाए, तो इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहता है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि फेंगशुई के मुताबिक आपको किन बातों का ध्यान रखने से अच्छे परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

मुख्य द्वार पर करें ये काम

फेंगशुई के मुताबिक घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बनाए रखने के लिए घर को खासकर मुख्य द्वार को साफ रखना जरूरी है। इससे घर में पॉजिटिविटी बढ़ती है और सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसके साथ ही घर के दरवाजे पर या फिर खिड़कियों के पास आप विंड चाइम भी लगा सकते हैं, जो पॉजिटिविटी बढ़ाने में मदद करता है।

रखें इन बातों का ध्यान

फेंगशुई के अनुसार, घर में हमेशा हल्के रंग का प्रयोग करना चाहिए जैसे सफेद, हल्का नीले या फिर हल्का पीला आदि। इन रंगों का इस्तेमाल आप घर की दीवारों या फिर पर्दों के लिए कर सकते हैं। इसके साथ ही फर्नीचर को भी व्यवस्थित रखना जरूरी है। इन सभी बातों का ध्यान रखने से सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है।

रख सकते हैं ये चीजें

फेंगशुई में घर में बांस का पौधा और मनी प्लांट रखना काफी शुभ माना जाता है। आप बांस के पौधे को उस स्थान पर रख सकते हैं, जहां परिवार के सदस्य एक साथ बैठते हों। इसके साथ ही मनी प्लांट को घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना शुभ मान गया है। वहीं फेंगशुई के अनुसार, घर में फव्वारा रखने से भी सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

रखें इन बातों का ध्यान

फेंगशुई में बताया गया है कि घर में फालतू या बेकार पड़ा सामान इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए, वरना इससे नकारात्मकता बढ़ती है। इसके साथ ही टूटी-फूटी चीजों को घर में रखने से भी बचना चाहिए। इसी के साथ फेंगशुई में यह माना गया है कि कभी भी अन्न का भंडार खाली नहीं होना चाहिए। इसी के साथ बाथरूम में खाली बाल्टी रखना भी शुभ नहीं माना जाता।

इन चीजों को रखने की भी है मनाही

फेंगशुई में यह माना गया है कि घर में खराब या बंद पड़ी घड़ी रखने से नकारात्कता बढ़ती है। इससे परिवार की सुख-शांति पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसके साथ ही फेंगशुई के अनुसार घर में नुकीली पत्तियों वाले पौधे रखना भी शुभ नहीं माना जाता।

इन जगहों के दर्शन करने से खाटू श्याम जी की यात्रा का मिलता है पूरा फल

कहा जाता है कि खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने से और बाबा का आशीर्वाद लेने से भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके दर्शन किए बिना खाटू श्याम जी के दर्शन अधूरी माने जाते हैं।

श्याम कुंड की मान्यता

श्याम कुंड, खाटू श्याम मंदिर से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर है, जिसमें स्नान करना बहुत ही शुभ फलदायी माना जाता है। इस कुंड को लेकर मान्यता है कि इसी स्थान पर बर्बरीक ने भगवान श्रीकृष्ण को अपने शीश का दान दिया था, जिससे वह शीश के दानी कहलाए।

माना जाता है कि इस जलाशय का पानी कभी खत्म नहीं होता और इसका संबंध पाताल लोक से है। ऐसे में जो भी भक्त खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए आता है वह पवित्र कुंड में स्नान जरूर करता है। साथ ही इस श्याम कुंड में स्नान के बाद मन्नत का धागा व नारियल बांधने की भी परंपरा है।

पूरी होती है मनोकामना

खाटू श्याम मंदिर जाते समय रास्ते में रिन्गस भी पड़ता है, जो खाटू श्याम मंदिर से तकरीबन 17 किलोमीटर की दूरी पर है। कई वक्त यहां से निशान उठाकर मंदिर तक पैदल यात्रा करते हैं। माना जाता है कि रींगस से निशान उठाकर मंदिर तक पैदल यात्रा करने और फिर निशान को मंदिर में अर्पित करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसके साथ ही खाटू श्याम जी की यात्रा करते समय रास्ते में तोरण द्वार भी पड़ता है, जो आजकल सेफ्टी पॉइंट बन गया है।

खाटू श्याम जी के सबसे बड़े भक्त

खाटू श्याम मंदिर के पास ही श्याम बगीची मौजूद है। इस स्थान पर खाटू श्याम बाबा के सबसे बड़े भक्त माने जाने वाले महंत आलू सिंह महाराज जी की समाधि है। कहा जाता है इन्होंने ही बाबा की महिमा दूर-दूर तक पहुंचाई थी। इस बगीचे के गुलाबों से ही बाबा खाटू श्याम का शृंगार किया जाता है। ऐसे में खाटू श्याम मंदिर के दर्शन के बाद आपको इस स्थान पर भी जरूर जाना चाहिए।

सावन आने से पहले भोलेनाथ को इस तरह करें प्रसन्न, जीवनभर मिलेंगे शुभ परिणाम

जल्द ही सावन की शुरुआत होने जा रही है, जो हिंदू कैलेंडर के अनुसार पांचवा महीना होता है। इस माह में मुख्य रूप से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस माह की शुरुआत से पहले ही आप किस तरह भगवान शिव की कृपा प्राप्त कर सकते हैं, ताकि आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकें।

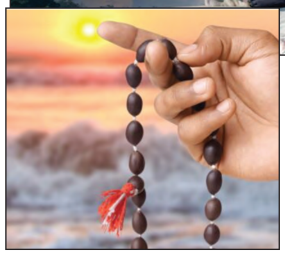

कब से शुरू हो रहा है सावन

इस बार सावन की शुरुआत 11 जुलाई से होने जा रही है। वहीं, इस माह का समापन 09 अगस्त को होगा। इस बार सावन में कुल 4 सोमवार पड़ेंगे। सावन सोमवार के दिन व्रत करने का विशेष महत्व माना गया है। सावन सोमवार का व्रत करने से जातक के जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

इस तरह करें शिव जी की पूजा

आप रोजाना पूजा के दौरान घर पर ही या फिर मंदिर जाकर शिवलिंग का अभिषेक कर सकते हैं। इसके लिए पहले स्नान करके साफ कपड़े पहनें। इसके बाद सूर्य को जल अर्पित करें। शिवलिंग का गंगाजल, दूध, दही, शक्कर और घी से अभिषेक करें।

इस दौरान ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप करते रहें। अंत में शिवलिंग पर फूल, बेलपत्र, धतूरा आदि अर्पित करें और दीपक जलाकर शिव जी की आरती करें। रोजाना इस तरह शिव जी की पूजा करने से आपके ऊपर महादेव का दिव्य आशीर्वाद बना रहता है।

करें इन मंत्रों का जाप

रोजान पूजा के दौरान खासकर सोमवार के दिन आपको शिव जी के इन मंत्रों का जप करना चाहिए। इससे शिव जी का आशीर्वाद मिलता है और साधक पर शिव जी की असीम कृपा बनी रहती है। इसी के साथ आपको पूजा के दौरान शिव चालीसा का पाठ करने से भी काफी लाभ मिल सकते हैं।

* **शिव जी का मूल मंत्र – ॐ नमः शिवाय।।**
* **महामृत्युंजय मंत्र –**
  ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्
  उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।
* **रूद्र मंत्र – ॐ नमो भगवते रूद्राय।**
* **रूद्र गायत्री मंत्र – ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि। तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्।।**

संध्याकाल में पूजा-अर्चना करने का है विशेष महत्व

हर व्यक्ति के ईश्वर के प्रति आभार व्यक्त करने के अपने-अपने तरीके होते हैं। हिंदू धर्म में पूजा-अर्चना को ईश्वर तक अपनी प्रार्थना पहुंचाने का एक माध्यम माना गया है। ऐसे में अगर आप शाम के समय पूजा-अर्चना के दौरान इन बातों का ध्यान रखते हैं, तो इससे आपको पूजा का पूरा फल मिलता है।

कब करनी चाहिए संध्या पूजा

सूर्योदय के साथ-साथ संध्याकाल जिसे गोधूलि बेला भी कहा जाता है, उसमें भी पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व माना गया है। वेदों और शास्त्रों में इस समय को बहुत ही पवित्र बताया गया है। यह समय दिन और रात की संधि का समय होता है। सूर्य अस्त होने से एक घंटा पहले या सूर्यास्त होने के एक घंटा बाद तक का समय पूजापाठ के लिए उत्तम माना गया है।

जरूर करें ये काम

शाम की पूजा के दौरान हाथ-पैर धोकर करनी चाहिए। आप चाहें, तो स्नान भी कर सकते हैं। पूजा स्थान की अच्छे से सफाई करें और गंगाजल का छिड़काव करें। इसके बाद भोग लाने वाले पात्रों को भी साफ कर लेना चाहिए। शाम की पूजा में मंदिर के साथ-साथ घर के मुख्य द्वार पर भी दीपक जरूर जलाना चाहिए। इससे आपको मां लक्ष्मी की कृपा मिल सकती है।

ध्यान रखें ये बातें

शाम के समय दीपक जलाने के लिए गाय के घी या फिर तिल के तेल का इस्तेमाल करना चाहिए। इसी के साथ पूजा के दौरान अपना पूरा मन केवल आराधना में ही लगाएं। इधर-उधर ध्यान भटकने पर आपको पूजा का पूर्ण फल नहीं मिलता।

पूजा के दौरान वातावरण भी शांत होना चाहिए। इसके साथ ही शाम की पूजा में घंटी बजाना भी शुभ नहीं माना जाता। अगर आप संध्या पूजा में फूल अर्पित कर रहे हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि इस समय पेड़-पौधों से फूल नहीं तोड़ने चाहिए।

जानिए अमृतसर के स्वर्ण मंदिर की सुंदरता बताने वाली 7 खास बातें

अमृतसर की बात जब भी होती है, तो गोल्डन टेंपल यानी स्वर्ण मंदिर का नाम जरूर लिया जाता है। गोल्डन टेंपल को हरमिंदर साहिब भी कहा जाता है। यह कहना गलत नहीं होगा कि अमृतसर की आत्मा गोल्डन टेंपल में बसी हुई है। गोल्डन टेंपल के जिक्र के बिना अमृतसर की पहचान अधूरी ही है।

स्वर्ण मंदिर भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यही कारण है कि स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने के लिए केवल सिख समुदाय के लोग ही नहीं बल्कि अलग-अलग धर्मों के लोग भी यहां आते हैं। आइए, जानते हैं कौन-सी खास बातें हैं जिसके लिए अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल दुनिया भर में प्रसिद्ध है।

स्वर्ण मंदिर के चारों तरफ बसा हुआ है अमृतसर शहर

अमृतसर शहर स्वर्ण मंदिर के चारों तरफ बसा हुआ है। गोल्डन टेंपल के आसपास ऐसी कई ऐतिहासिक जगह हैं, जहां पर आपको अमृतसर शहर से कई कहानियां जुड़ीं मिल जाएंगी। अमृतसर का नाम उस सरोवर के नाम पर रखा गया है जिसका निर्माण गुरु राम दास ने स्वयं अपने हाथों से किया था। इस सर-ोवर को पहले अम्बसर कहा जाता था, बाद में इसे अमृतसर कहा जाने लगा।

यही कारण है कि अमृतसर के पुराने लोग इसे अमृतसर को अम्बसर कहते हैं। स्वर्ण मंदिर इसी सरोवर के बीचों-बीच स्थित है। इस गुरुद्वारे के बाहरी हिस्से पर सोने का पत्तल चढ़ा हुआ है इसलिए इसे स्वर्ण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।

400 साल पहले स्वर्ण मंदिर का नक्शा गुरु अर्जुन देव ने किया था तैयार

इतिहासकारों के अनुसार स्वर्ण मंदिर का नक्शा 400 साल पहले सिखों के धर्म गुरु अर्जुन देव ने तैयार किया था। वहीं, सिखों के चौथे गुरू रामदास जी ने इसकी नींव रखी थी। स्वर्ण मंदिर के निर्माण के बाद इसे मुगलों और अफगान सेना द्वारा कई बार तोड़ा गया लेकिन हर बार इसका निर्माण कर दिया गया। अफगाऩ हमलावरों ने 19वीं शताब्दी में इसे पूरी तरह नष्ट कर दिया था। तब महाराजा रणजीत सिंह ने इसे दोबारा बनवाया और स्वर्ण मंदिर पर सोने का पत्तल चढ़वाया।

स्वर्ण मंदिर में सोने की पत्तियों से की गई है अद्भुत नक्काशी

स्वर्ण मंदिर परिसर में दो बड़े और कई छोटे-छोटे तीर्थस्थल हैं। ये सारे तीर्थस्थल जलाशय के चारों तरफ फैले हुए हैं। इस जलाशय को अमृतसर, अमृत सरोवर और अमृत झील के नाम से जाना जाता है। पूरा स्वर्ण मंदिर सफेद संगमरमर से बना हुआ है और इसकी दीवारों पर सोने की पत्तियों से नक्काशी की गई है। हरिमन्दिर साहिब में पूरे दिन गुरुवाणी की स्वर लहरियां गूंजती रहती हैं। जिससे यहां का वातावरण दिल को सुकून पहुंचाने वाला लगता है। आप भी अगर जीवन की भागदौड़ से थक गए हैं, तो आपको स्वर्ण मंदिर जरूर जाना चाहिए। यहां बैठकर आपको शांति मिलेगी।

स्वर्ण मंदिर परिसर में बना है संग्रहालय

स्वर्ण मंदिर में एक संग्रहालय भी है। जो भारत के इतिहास में सिख समुदाय के योगदान की अद्भुत गाथा गाता है। किस तरह से मुगलों और अफगानों ने भारत पर अत्याचार किया और कैसे सिख धर्मगुरु वीरता के साथ दुश्मनों का सामना करते हुए देशहित में शहीद हुए। ये सारी कहानियां संग्रहालय में चित्रों के माध्यम से बताई गई हैं। मंदिर परिसर में पत्थर का एक स्मारक भी है जो, जांबाज सिक्ख सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए लगाया गया है।

रात में दिव्य लोक की तरह जगमगाता है स्वर्ण मंदिर

सोने के पत्तल से सजा स्वर्ण मंदिर दिन में तो अद्भुत नजर आता ही है लेकिन रात में असंख्य लाइट्स में पीली और सफेद रोशनी में जगमगाता स्वर्ण मंदिर किसी दिव्य लोक जैसा लगता है। मंदिर के चारों तरफ बना जलाशय भी किसी दिव्य जल की तरह चमकता हुआ प्रतीत होता है। इस तालाब में तरह-तरह की मछलियां भी हैं। आपको अगर स्वर्ण मंदिर का सबसे अद्भुत नजारा देखना हो, तो आप प्रकाश उत्सव और दिवाली की रात यहां जरूर आएं।

24 घंटे खुले रहने वाले लंगर में करीब 40 हजार लोग आते हैं

स्वर्ण मंदिर में 24 घंटे चलने वाला लंगर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। एक आंकड़े के मुताबिक स्वर्ण मंदिर में हर रोज लगभग 40 हजार लोग लंगर में आकर प्रसाद ग्रहण करते हैं।

साथ ही यहां कड़ाह प्रसाद (हलवा) की व्यवस्था भी 24 घंटे रहती है। यहां लंगर में बनने वाली दाल भी बहुत प्रसिद्ध है। इस दाल का स्वाद अद्भुत है। कई लोगों का मानना है कि ऐसी दाल केवल स्वर्ण मंदिर के लंगर में ही बन सकती है क्योंकि इस दाल का स्वाद सेवा और आस्था से जुड़ा है।

गोल्डन टेंपल या स्वर्ण मंदिर कैसे पहुंचे

गोल्डन टेंपल की एक खास बात इसकी आसान लोकेशन भी है। यहां फ्लाइट, ट्रेन, कार, टैक्सी या फिर बस हर ट्रांसपोर्ट से पहुंचना बहुत आसान है। खासकर अगर आप दिल्ली या आसपास के शहरों से यहां आ रहे हैं। आप अगर फ्लाइट से गोल्डन टेंपल जाना चाहते हैं, तो अमृतसर एयरपोर्ट उतरकर आप टैक्सी से यहां पहुंच सकते हैं। आप अगर दिल्ली या एनसीआर से ट्रेन से स्वर्ण मंदिर जा रहे हैं, तो आपको अमृतसर रेलवे स्टेशन पर उतरकर टैक्सी या रिक्शा लेकर आसानी से स्वर्ण मंदिर पहुंच सकते हैं।

ऐश्वर्या राय ने कान्स में सिंदूर लगाकर ऑपरेशन सिंदूर को दिया ट्रिब्यूट

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 से ऐश्वर्या राय बच्चन का लुक सामने आ चुका है। एक्ट्रेस के लुक को देखने के बाद उन्हें लोगों ने क्वीन ऑफ कॉन्स तक कहना शुरू कर दिया है। एक तरफ जहां रेड कार्पेट पर दूसरी हसीनाओं ने वेस्टर्न आउटफिट पहन जलवा बिखेरा तो वहीं, ऐश्वर्या ने भारतीय नारी वाली छवि के संग एंट्री ली तो हर कोई उन्हें देखता ही रह गया। ऐश्वर्या साड़ी, मांग में सिंदूर, खुले बालों के साथ साइड दुपट्टा और लाल जड़ाऊ हार पहनकर बेहद ही स्टनिंग लग रही थीं। लोग एक्ट्रेस के लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।कान्स 2025 में ऐश्वर्या ने ऑफ व्हाइट आइवरी बनारसी साड़ी पहनी जिसे पॉपुलर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया था। वहीं, लाल जड़ाऊ हार उनके लुक को शाही टच दे रहा था। एक्ट्रेस ने मैचिंग इयररिंग्स भी पहने थे और हाथों में एक बड़ी सी रिंग भी थी।ऐश्वर्या ने इस दौरान अपने सिंदूर को जमकर फ्लॉन्ट किया। एक्ट्रेस ने अपना मेकअप न्यूड रखा था।मैचिंग दुपट्टा और फुल स्लीव्स ब्लाउज के संग अपने लुक को कंप्लीट किया था। एक तरफ जहां लोग ऐश्वर्या के लुक से काफी इंप्रेस हुए हैं और तारीफ करते नहीं थक रहे हैं तो वहीं कुछ लोगों का कहना है कि ऐश्वर्या ने ऑपरेशन सिंदूर को ट्रिब्यूट देने के लिए सिंदूर लगाया है। तो वहीं कुछ सोशल मीडिया यूजर्स कह रहे हैं कि ऐश्वर्या ने ऑपरेशन सिंदूर का फायदा उठाने की कोशिश की है।कुछ यूजर्स को ये भी लग रहा है कि ऐश्वर्या ने सिंदूर डिवोर्स रूमर्स पर ब्रेक लगाने के लिए लगाया है।हालांकि, सच्चाई क्या है ये तो ऐश्वर्या ही बता सकती हैं। फिलहाल एक्ट्रेस ने अभी तक इस मुद्दे पर अपना कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

रेड गाउन में भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक ने कान्स में बिखेरा जलवा

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक ने इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फ्रांस से अपनी कई कान 2025 की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह लाल रंग के बीडेड गाउन में जलवा बिखरेती नजर आ रही हैं।नेहा मलिक ने रेड बीडेड गाउन के साथ ट्रांस्पेरेंट ग्लवस पहनें। इस लुक के साथ उन्होंने सिंपल स्टोन नेकपीस पहना, जिसने उनके लुक में चार चांद लगाए। इस दौरान ने देसी स्टाइल में नमस्ते किया और हार्ट इमोजी बनाकर वहीं पर मौजूद सभी का आभार जताया।

नेहा ने अपने इस कान लुक के साथ कैप्शन में लिखा, कभी सिर्फ एक सपना... अब एक पल जिसे मैं जी रही हूं। एक छोटे शहर की लड़की, जिसका कोई गॉडफादर नहीं, कोई शॉर्टकट नहीं, बस सपने जो विश्वास, कड़ी मेहनत और आंसुओं से बुने गए थे जिन्हें किसी ने नहीं देखा..।नेहा ने आगे लिखा, मैं रेड कार्पेट देखकर बड़ी नहीं हुई। मैं यह मानकर बड़ी हुई कि एक दिन, मैं उस पर चलूंगी और आज... मैं उस पर चली..। यह केवल ग्लैमर के बारे में नहीं है - यह सफर के बारे में है।नेहा ने आगे लिखा, खुद पर विश्वास करने के बारे में जब मेरी मां और परिवार के अलावा कोई नहीं करता, जब दुनिया आपको जाने देने के लिए कहती है तब भी टिके रहने के बारे में। शायद एक दिन को आज के दिन में बदलने के बारे में।नेहा ने आगे लिखा, हर उस लड़की के लिए जो अनदेखी महसूस करती है - चलते रहो। आपके सपने सुन रहे हैं और मुझमें जो छोटी लड़की है... हमने इसे बनाया।

लहराता भगवा झंडा, हाथों में तलवार, रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी का पहला पोस्टर जारी

रितेश देशमुख की नई फिल्म राजा शिवाजी का आधिकारिक तौर पर एलान किया है। एक्टर ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा किया है। इस फिल्म में रितेश देशमुख एक्टर के साथ-साथ निर्देशक के तौर पर भी भूमिका निभाएंगे।राजा शिवाजी मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। फिल्म में रितेश देशमुख के अलावा संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी और अमोल गुप्ते जैसे कलाकार भी हैं। मुंबई फिल्म कंपनी के बैनर तले इस फिल्म का सह-निर्माण कर रही जेनेलिया देशमुख भी इस फिल्म में शामिल हैं।रितेश देशमुख ने अपने इंस्टाग्राम पर राजा शिवाजी का पहला पोस्टर शेयर किया और कैप्शन में लिखा है, महाराष्ट्र के आराध्य देव, महान एवं पराक्रमी राजा छत्रपति शिवाजी महाराज को एक सिनेमरूप में अभिवादन, सादर श्रद्धांजलि देते हैं।राजा शिवाजी 1 मई, 2026 को मराठी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम में रिलीज होगी।राजा शिवाजी के मोशन पोस्टर में शक्तिशाली छत्रपति शिवाजी महाराज को युद्ध के मैदान में दोनों हाथ में तलवार लिए खड़े दिखाया गया है। चारों ओर से आग की लपटें उठती दिखाई दे रही हैं और नारंगी मराठा झंडा ऊंचा लहरा रहा है। इसमें चेहरे को लहराते झंडे से आधा छिपाया गया है। फिल्म अगले साल महाराष्ट्र दिवस, 1 मई, 2026 को रिलीज होने वाली है।रितेश देशमुख युवा शिवाजी भोंसले की भूमिका निभाएंगे, जिन्होंने भारतीय इतिहास के स्वराज्य की नींव रखते हुए मराठा साम्राज्य की स्थापना के लिए शक्तिशाली साम्राज्यों के खिलाफ विद्रोह किया था।

तन्वी द ग्रेट से शुभांगी की पहली झलक आई सामने

18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

अभिनेता अनुपम खेर की फिल्म तन्वी द ग्रेट की पिछले काफी समय से जबरदस्त चर्चा हो रही है। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है।यह फिल्म 18 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म की हीरोइन शुभांगी हैं और इसके जरिए वह अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं।अब तन्वी द ग्रेट से शुभांगी की पहली झलक सामने आ गई है।सामने आए पोस्टर में शुभांगी सेना अधिकारियों के साथ नजर आ रही हैं।शुभांगी के अलावा जैकी श्रॉफ, अरविंद स्वामी, नासिर, पल्लवी जोशी, बोमन ईरानी और करण टैकर जैसे सितारे भी इस फिल्म में नजर आएंगे।तन्वी द ग्रेट इसलिए भी ज्यादा खास है, क्योंकि ओम जय जगदीश (2002) के बाद यह अनुपम के निर्देशन में बनी दूसरी फिल्म है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।अनुपम इस फिल्म में अभिनय करते भी नजर आएंगे।

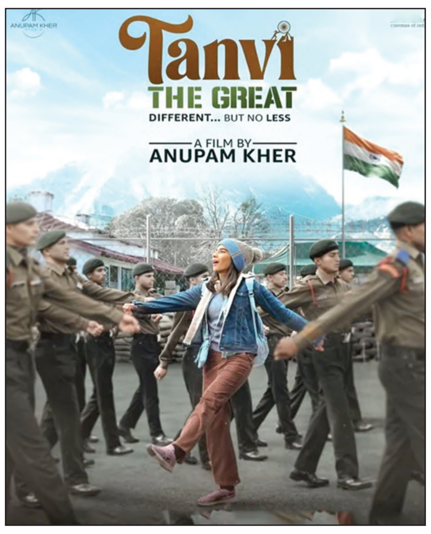

सितारे जमीन पर का पहला गीत गुड फॉर नथिंग जारी

तारे जमीन पर जैसी आइकॉनिक फिल्म के स्पिरिचुअल सीक्वल सितारे जमीन पर का जबरदस्त और हंसाने वाला ट्रेलर देखने के बाद अब इसका पहला गाना रिलीज़ हो गया है। फिल्म का गाना गुड फॉर नथिंग दर्शकों में फिल्म को लेकर मस्ती और जोश को और भी बढ़ा रहा है। साल 2007 की सुपरहिट फिल्म के इस सीक्वल के ट्रेलर को पहले ही जबरदस्त प्यार मिल चुका है और अब ये नया गाना उस उत्साह को और मज़बूत करता दिख रहा है।गुड फॉर नथिंग गाने में आमिर खान कोच गुलशन के रोल में अपनी बास्केटबॉल टीम को ट्रेनिंग देते नजर आए। ये गाना देखने में बेहद मज़ेदार है। कोच गुलशन जहां अपनी एनर्जी से ट्रेनिंग में जान डालते हैं, वहीं उनकी टीम भी सीखते-सीखते मस्ती करती दिखती है। गाने में प्यार, हंसी, थोड़ी टक्कर, मेहनत और खुशी है, जो इसे देखने में पूरी तरह दिलचस्प बनाता है। ये गाना फैमिली एंटरटेनर के तौर पर फिल्म के मूड को सेट करता है और रिलीज़ को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ा देता है।गुड फॉर नथिंग गाने को शंकर महादेवन और अमिताभ भट्टाचार्य ने अपने मज़ेदार और जोशीले अंदाज़ में गाया है। गाने में नील मुखर्जी ने गिटार पर और शेल्डन डीसिल्वा ने बास पर कमाल का साथ दिया है, जो इसकी एनर्जी को और भी बढ़ाता है।

मोना की मनोहर कहानियां में मेरा किरदार लोगों को अपने हिसाब से चलाता है : सृष्टि रोडे

मनोरंजन की दुनिया में एक नई और दिलचस्प सीरीज आने वाली है, जिसका नाम है मोना की मनोहर कहानियां, यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज है। इस सीरीज में सृष्टि रोडे और अंकुर नय्यर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। दोनों कलाकार अपने-अपने किरदारों को लेकर काफी उत्साहित हैं। उनका कहना है कि इसकी कहानी दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देगी। यह सीरीज 22 मई से शुरू होने वाली है।इस सीरीज से सृष्टि रोडे ओटीटी की दुनिया में अपना डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा, मोना का किरदार निभाना मेरे लिए एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन बहुत अच्छा अनुभव भी रहा। मेरा किरदार काफी आकर्षक है। वह खुद को दिखाने की कोशिश नहीं करती। वह राज छुपाती है, लेकिन किसी को पता नहीं चलता। वह बेहद चालाकी से लोगों को अपने हिसाब से चलाती है, उसे देख लोग भी हैरान रह जाते हैं।सृष्टि ने कहा कि उन्हें हमेशा से ऐसे मजबूत और थोड़े रहस्यमय महिला के किरदार काफी पसंद हैं, जैसे- फिल्म हसीन दिलरुबा में तापसी पन्नू का किरदार, 7 खून माफ में प्रियंका चोपड़ा का किरदार। ऐसे किरदार जिसमें गहराई और कई परतें हो।एक्ट्रेस ने कहा, मोना का किरदार निभाना उनके लिए अब तक की सबसे मजेदार और चुनौतीपूर्ण वाली भूमिका रही है। मोना की मनोहर कहानियां की कहानी में बहुत सारे रहस्य और चौंकाने वाले मोड़ हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि मोना की ये मनोहर और रहस्यमयी कहानियां दर्शकों को आखिर तक बांधे रखेंगी और सबको बहुत पसंद आएंगी।साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज मोना की मनोहर कहानियां की कहानी कुछ भयानक हत्याओं से शुरू होती है। इसके बाद एक जांच की ओर बढ़ती है, जो बिल्कुल भी आसान नहीं होती। इसमें इंस्पेक्टर पवन, जिसका किरदार अंकुर नय्यर निभा रहे हैं, मोना से पूछताछ शुरू करते हैं। मोना को इन हत्याओं में मुख्य आरोपी माना जाता है। शुरुआत में यह मामला आम लगता है, लेकिन धीरे-धीरे कहानी बहुत ही रहस्यमयी और रोमांचक हो जाती है।अंकुर नय्यर ने बताया कि उनके किरदार इंस्पेक्टर पवन को लगता है कि वो पूछताछ को पूरी तरह कंट्रोल में रखे हुए है। लेकिन मोना धीरे-धीरे चालाकी से हालात को अपने हिसाब से बदल देती है। पवन और मोना के बीच जो टक्कर है, वो ज्यादा दिमागी खेल है, न कि शारीरिक का। सबसे खास बात ये है कि कहानी में हर पल कुछ नया होता है। यह आपको आखिर तक उलझाए रखती है, जिससे आप नहीं जान पाते कि आगे क्या होगा।अंकुर ने कहा, सृष्टि ने मोना के किरदार को इतना रहस्यमयी बना दिया कि हर सीन एक दिमागी लड़ाई जैसा लगने लगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा । पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द-गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम-से-कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ-बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक़्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार-ही-प्यार फैलाएंगे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक़्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली-भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं- लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 मई 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 07:23 तक
नक्षत्र : रेवती दोपहर 01:49 तक
योग : आयुष्मान दोपहर 02:59 तक
करण : कौलव प्रात: 09:00 तक
चन्द्रराशि : मीन दोपहर 01:59 तक
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:44 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 ,सूर्यास्त 06:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है ,
पंचक दोपहर 01:49 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

महर्षि कश्यप का प्रेरणादायक व्यक्तित्व सदैव मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 23 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश में एक सरकारी संस्थान का नाम महर्षि कश्यप के नाम पर रखा जाएगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने तीर्थ स्थल कुरुक्षेत्र और कपाल मोचन में स्थापित कश्यप राजपूत धर्मशालाओं के विस्तार के लिए 21-21 लाख रुपये देने की भी घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री आज कुरुक्षेत्र ज़िले के लाडवा में 'संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' के तहत आयोजित राज्य स्तरीय महर्षि कश्यप जयंती समारोह में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर नायब सिंह सैनी ने लाडवा में एक चौंक का नाम महर्षि कश्यप के नाम पर रखने तथा लाडवा, कुरुक्षेत्र या इंद्री में कश्यप राजपूत धर्मशाला की स्थापना के लिए फिजिबिलिटी चेक करवा कर प्लॉट उपलब्ध करवाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा रखी गई अन्य सभी मांगों की फिजिबिलिटी चेक करवाने के लिए सम्बंधित विभाग को भेजकर इन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा करवाने का कार्य किया जायेगा।

महर्षि कश्यप को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का प्रकाश स्तम्भ बताते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुनिराज कश्यप ने ज्ञान, तप और अनुसंधान से मानव सभ्यता को नई दिशा दी। उन्होंने समाज को नई दिशा देने के लिए स्मृति ग्रंथ और कश्यप संहिता जैसे महान ग्रंथों की रचना की। ऐसे महान ऋषि का प्रेरणादायक व्यक्तित्व हमेशा मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा।

महर्षि कश्यप को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि कश्यप समाज का इतिहास प्राचीन काल से ही गौरवशाली रहा है। इस समाज ने रामायण काल में निषाद जैसे शक्तिशाली राजा दिए। राजा निषाद ने ही भगवान रामचंद्र को वनवास के दौरान आश्रय दिया था। आज़ादी के आंदोलन में भी इस समाज ने सराहनीय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि इस समाज ने महर्षि कश्यप जी के आदर्शों और सिद्धांतों पर चलते हुए देश निर्माण में अहम योगदान दिया। हाल ही के ऑपरेशन सिन्दूर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुखद घटना के बाद संकल्प लेकर कहा था कि जिसने भी हमारे भोले भाले लोगों को मारने का काम किया है अब उनकी बची खुची जमीन को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। इसी संकल्प के तहत आतंकवाद के ठिकानों को ध्वस्त करने का काम किया गया। इस ऑपरेशन के दौरान आप जैसे वीरों के बलबूते भारत देश ने आतंकवादियों और उनका संरक्षण करने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साहसिक निर्णय क्षमता और आधुनिक तकनीक से लैस हमारी भारतीय सेना ने जो पराक्रम दिखाया है, उससे पूरी दुनिया अचंभित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र, विश्व गुरु और सांस्कृतिक महाशक्ति बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि इस कार्य में कश्यप समाज की भूमिका निर्णायक रहेगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'संत-महापुरुष सम्मान विचार प्रसार योजना' के माध्यम से समाज में महापुरुषों के संदेशों का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। महापुरुषों के समानता के सन्देश को साकार करने के लिए वर्तमान सरकार द्वारा गरीब से गरीब व्यक्ति का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है।

गरीब और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने पिछले साढ़े 10 वर्षों में सबका साथ-सबका विकास-सबका प्रयास के मूल मंत्र पर चलते हुए गरीब से गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सस्थानों में दाखिले में 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। साथ ही पिछड़े वर्गों के लिए क्रीमी लेयर की आय सीमा को 6 लाख रुपए वार्षिक से बढाकर 8 लाख रुपए वार्षिक किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में किसान कल्याण के लिए किये जा रहे विभिन्न कार्यों की भी जानकारी दी।

भाजपा की गलत नीतियों के चलते हरियाणा से पलायन कर रहे उद्योग : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 23 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी की गलत नीतियों के चलते प्रदेश से लगातार उद्योग पलायन कर रहे हैं। इसके चलते रोजगार सृजन के मामले में प्रदेश पूरी तरह पिछड़ गया है। यही वजह है कि आज हरियाणा पूरे देश में बेरोजगारी का सिरमौर बना हुआ है।

हुड्डा ने कहा कि पहले नोटबंदी और फिर कोरोना के बाद से ही लगातार संकट में चल रहे माध्यम व छोटे उद्योग अब तक उभर नहीं पाए। क्योंकि प्रदेश सरकार की तरफ से उन्हीं ना किसी तरह की आर्थिक सहायता दी गई, ना कोई रियायत और ना ही कोई सुविधा। उदाहरण के लिए प्लाईवुड उद्योग यमुनानगर की पहचान माना जाता है। लेकिन अब यह उद्योग उत्तर प्रदेश की तरफ पलायन कर रहा है। क्योंकि यूपी सरकार बाकायदा लक्कड़ उद्योग के लिए क्लस्टर बना रही है और कारोबार को काफी छूट दे रही है। जबकि हरियाणा की भाजपा सरकार का इस ओर कोई ध्यान ही नहीं है। इसके चलते साल 2017 में यहां जो 380 यूनिट चल रही थीं, वो अब घटकर मात्र 160 रह गई हैं। यानी लगभग आधी यूनिट यहां से पलायन कर चुकी हैं।

पंचकूला के उद्योग भी हिमाचल प्रदेश के बद्दी की तरफ पलायन कर रहे हैं। गुरुग्राम और फरीदाबाद की इंडस्ट्री नोएडा-गाजियाबाद का रुख कर रही हैं। नया निवेश लाना तो दूर बीजेपी सरकार उन उद्योगों को भी नहीं संभाल पा रही, जिन्हें कांग्रेस की सरकार ने तमाम प्रयासों के द्वारा प्रदेश में स्थापित किया था।

हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकाल के दौरान उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए इंस्पेक्टरी राज को खत्म किया गया। 6 नई आईएमटी पूरे प्रदेश में स्थापित की गईं। मारुती, एशियन पेंटस, एनटीपीसी, रिलाइंस, होंडा, आईओसी, पेनासोनिक, योकोहामा, डेंसो, जैसे बड़े उद्योगों को प्रदेश में स्थापित करके लाखों युवाओं को रोजगार दिया गया। साथ ही रेल कोच फैक्ट्री व महम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भी मंजूर करवाया। लेकिन बीजेपी राज के 11 साल में एक भी आईएमटी स्थापित नहीं की। एक भी बड़ा निवेश प्रदेश में नही आया। बढ़ते अपराध और सरकार की कुनीतियों के चलते उद्योग जगत में दहशत का माहौल बना और उद्योगों ने यहां से पलायन कर लिया। इतना ही नहीं, कांग्रेस द्वारा मंजूरशुदा रेल कोच फैक्ट्री व अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा जैसे प्रोजेक्ट भी दूसरे राज्यों में स्थानांतरित कर दिए गए।

अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का हंगामा, रोकी गई वंदे भारत एक्सप्रेस

अंबाला, 23 मई (एजेंसियां)। अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को दैनिक यात्रियों ने जमकर हंगामा किया। गुस्साए यात्रियों ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को रोक कर रेलवे के खिलाफ अपना रोष जताया। यात्रियों का गुस्सा ट्रेन के रोजाना देरी से चलने और पांच दिन पहले रूट को अंबाला से बदलकर हिसार किए जाने को लेकर था।

इस हंगामे के कारण स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और प्रदर्शनकारी यात्रियों को रेल लाइन से हटाया।

जानकारी के अनुसार, अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर दैनिक यात्री लंबे समय से ट्रेनों की देरी से परेशान थे। खासकर वंदे भारत एक्सप्रेस के बार-बार लेट होने से यात्रियों का गुस्सा भड़क गया। यात्रियों का कहना था कि रेलवे की ओर से रूट परिवर्तन और लगातार देरी से उनकी दिनचर्या प्रभावित हो रही है। समय और रूट बदलने से उन्हें काफी परेशानी हो रही है। रेलवे की ओर से हमारी समस्याओं का समाधान होना चाहिए।

पांच दिन पहले रेलवे ने वंदे भारत एक्सप्रेस का रूट अंबाला से हिसार कर दिया था, जिसके बाद से यात्रियों में असंतोष बढ़ गया। प्रदर्शनकारियों ने रेलवे प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के रूट बदलने से उनकी यात्रा और समय प्रभावित हो रहा है। हंगामे के दौरान कुछ यात्रियों ने रेल लाइन पर बैठकर नारेबाजी की और ट्रेन को रोक दिया, जिससे रेल यातायात कुछ समय के लिए बाधित हुआ। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। अधिकारियों ने यात्रियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों को रेलवे प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद यात्रियों को रेल लाइन से हटाया गया और ट्रेन को रवाना किया गया।

जोधपुर में लू की चेतावनी

प्रशासन ने अनावश्यक धूप में न निकलने की दी सलाह

जोधपुर, 23 मई (एजेंसियां)। गर्मी का प्रकोप देश में लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान का जोधपुर में पारा लगातार 44-45 डिग्री सेल्सियस के पास रह रहा है। अगले एक सप्ताह में लू की भी चेतावनी जारी की गई है। जिलाधिकारी गौरव अग्रवाल ने जिले के लोगों से धूप में अनावश्यक न निकलने का आग्रह किया है। गौरव अग्रवाल ने प्रेस वार्ता में कहा, इस बार मौसम विभाग की तरफ से हीट वेव की चेतावनी है। ऐसे में जिला प्रशासन की तरफ से एडवाइजरी जारी की गई है जिसके मुताबिक, दोपहर के समय में, जब धूप बहुत ज्यादा होती है, बाहर निकलने से बचें। अगर बहुत ज्यादा जरूरी हो तो खाली पेट न निकलें।

जिलाधिकारी ने कहा, हीट वेव से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए जिले के सभी अस्पतालों में विशेष व्यवस्था करवाई गई है। विशेष वार्ड का निर्माण कराया गया है। इसके बावजूद मैं सभी से यह कहना चाहूंगा कि धूप में अनावश्यक घर से बाहर निकलने से बचें। जिलाधिकारी ने लोगों से बेहद जरूरी काम होने की स्थिति में घर से बाहर निकलते समय पारंपरिक पेय पदार्थ जैसे छाछ आदि पीकर निकलने की अपील की। मौसम विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, जोधपुर का तापमान 23 से 29 मई के बीच न्यूनतम 30 डिग्री से अधिकतम 45 डिग्री तक रहेगा। इसके अलावा, 24 और 27 मई के लिए लू की चेतावनी भी जारी की गई है। इसी वजह से जिलाधिकारी ने यह अपील की है।गर्मी के मौसम में जोधपुर में पानी की समस्या पर जिलाधिकारी ने कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव की वजह से जलापूर्ति बाधित हुई थी, लेकिन अब स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है।

सेना के शौर्य पर सवाल खड़े करना कांग्रेस की आदत : राठौर

जयपुर, 23 मई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर शुक्रवार को तीखा पलटवार किया।

राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि कांग्रेस बार-बार भारतीय सेना की वीरता और उपलब्धियों पर सवाल उठाकर देश के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने का काम करती है। चाहे बालाकोट एयर स्ट्राइक हो, सर्जिकल स्ट्राइक हो या अब ऑपरेशन सिंदूर, कांग्रेस की आदत बन गई है कि वह हर बार सेना के शौर्य पर सवाल खड़े करती है।उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के बहावलपुर और मुरीदके में आतंकवादियों के अड्डों को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया। यह ऑपरेशन पुलवामा हमले का बदला लेने में एक बड़ी सफलता है। भारतीय सेना ने इस कार्रवाई से देश का मान बढ़ाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कहा है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते, खून और पानी एक साथ नहीं बह सकता। अगर भविष्य में कोई कायराना हमला हुआ, तो पाकिस्तान को, उसकी सेना को और उसकी अर्थव्यवस्था को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

पेपर लीक से भर्ती, फिर गिरफ्तारी तक का सफर

महिला वनरक्षक समेत तीन दबोचे लाखों में हुआ था सौदा

प्यारी कुमारी | उमाराम | रमेश कुमार

जयपुर, 23 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2020 का पेपर लीक कांड एक बार फिर सुर्ख़ियों में है। गुरुवार को एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पेपर लीक से जुड़े मामले में एक महिला वनरक्षक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो वे लोग हैं जो लीक हुए पेपर को पढ़कर नौकरी में भर्ती हुए थे। इतना ही नहीं, दलाली के इस गोरखधंधे में एक बिचौलिए को भी दबोचा गया है, जिसने लाखों रुपये में सौदा करवाया था।

एसओजी एडीजी वी. के. सिंह के मुताबिक, यह कार्रवाई उस पूछताछ का परिणाम है जो पहले से गिरफ्तार स्टेशन मास्टर कंवराराम जाट से की जा रही थी। कंवराराम ने खुलासा किया था कि उसने वनरक्षक उमाराम और प्यारी कुमारी को परीक्षा से पहले ही पेपर मुहैया करा दिया था। पेपर लीक 13 नवंबर 2022 की भर्ती परीक्षा का है, जो उदयपुर में आयोजित हुई थी।

उमाराम (23): गुडामलानी, बाड़मेर निवासी वनरक्षक। प्यारी कुमारी (30): वनरक्षक, जिसने अपने भाई के जरिए पेपर लिया। रमेश कुमार: दलाल, जिसने पेपर पहुंचाने का सौदा किया। उमाराम ने फरार आरोपी जबराराम जाट को 1 लाख रुपए दिए।प्यारी कुमारी की तरफ से उसके भाई हीराराम ने जबराराम को 3 लाख रुपए थमाए।पहले से गिरफ्तार एक अन्य महिला वनरक्षक टिमो के मामले में रमेश कुमार नामक दलाल ने 8 लाख रुपए वसूले थे। टिमो का पति लिखमाराम, जो खुद ट्रैफिक पुलिस में था, षड्यंत्र का हिस्सा था।

एसडीएम पर पिस्टल तानने वाले भाजपा विधायक की विधानसभा सदस्यता खत्म, अधिसूचना जारी

जयपुर, 23 मई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अंता से विधायक कंवरलाल मीणा की विधानसभा सदस्यता समाप्त कर दी है। विधानसभा सचिवालय ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। मीणा को एसडीएम पर पिस्टल तानने के मामले में अदालत ने तीन साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इस संबंध में राज्य के महाधिवक्ता और वरिष्ठ विधिवेताओं से राय लेने के बाद फैसला लिया। कानूनी राय में स्पष्ट किया गया था कि जब तक सुप्रीम कोर्ट से सजा पर रोक नहीं लगती, तब तक सदस्यता खत्म करना ही एकमात्र विकल्प है। इसके आधार पर यह निर्णय लिया गया कि कंवरलाल मीणा की विधायकी 1 मई 2025 से समाप्त मानी जाएगी।

मीणा ने सुप्रीम कोर्ट में सजा पर रोक लगाने के लिए याचिका लगाई थी, जिसे खारिज कर दिया गया। कोर्ट ने उन्हें दो सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया था, जिसके अनुपालन में 21 मई को उन्होंने अकलेरा कोर्ट में आत्मसमर्पण किया और फिलहाल वे जेल में हैं। कंवरलाल मीणा ने सुप्रीम कोर्ट में एक रिव्यू पिटिशन (पुनर्विचार याचिका) भी दायर की है। यदि कोर्ट उनकी सजा स्थगित करता है या कम करता है, तो उपचुनाव नहीं होंगे। फिलहाल, विधानसभा सचिवालय ने चुनाव आयोग को विधायकी समाप्ति की सूचना भेज दी है। आयोग तय करेगा कि अंता सीट पर उपचुनाव कराने हैं या नहीं। यदि उपचुनाव होते हैं तो छह महीने के भीतर प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

यह घटना राजस्थान विधानसभा में ऐसी दूसरी मिसाल है। इससे पहले 2016 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के विधायक बीएल कुशवाह को हत्या के मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद उनकी सदस्यता रद्द की गई थी। उस समय धौलपुर सीट पर उपचुनाव कराए गए थे, जिसमें उनकी पत्नी शोभारानी कुशवाह ने भाजपा के टिकट पर जीत हासिल की थी। स्पीकर के फैसले से पहले इस मुद्दे पर राजनीतिक खींचतान भी सामने आई। कांग्रेस पार्टी लगातार स्पीकर पर देरी को लेकर निशाना साध रही थी। दो दिन पहले नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने स्पीकर को ज्ञापन सौंपा था। इसके अलावा जूली ने हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की थी, जिस पर कोर्ट ने सुनवाई के लिए तारीख तय कर दी थी। इसी दिन स्पीकर की ओर से सदस्यता समाप्त करने की घोषणा सामने आई।

350 करोड़ रुपये की लागत से जमालपुर कारखाना का होगा कायाकल्प

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की घोषणा

मुंगेर (एजेंसियां)।
भारत सरकार के केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर मुंगेर पहुंचे। इस दौरान एशिया के प्रसिद्ध रेल इंजन कारखाना के ईरमि सभागार में उन्होंने घोषणा की कि 350 करोड़ रुपये की लागत से जमालपुर कारखाना का कायाकल्प किया जाएगा। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, बिहार सरकार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह कारखाना भारत का सबसे पुराना कारखाना रहा है। इसके विकास को लेकर जो भी कार्य हैं, उन्हें जल्दी धरातल पर उतारा जाएगा। उन्होंने बताया कि जमालपुर रेल कारखाना के विकास के लिए रूपरेखा तैयार कर ली गई है। 350 करोड़ रुपये की लागत से जमालपुर कारखाना का विकास होगा। वैष्णव ने बिहार के जमालपुर में रेलवे की आत्मनिर्भरता पर जोर दिया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि उन्नत प्रौद्योगिकी के विकास के साथ रेलवे वंदे भारत और नमो भारत जैसी नई ट्रेनों के निर्माण में आत्मनिर्भर बन रहा है। मुंगेर के जमालपुर में एक समारोह को संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में देश ने 50,000 किलोमीटर रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण किया है। उन्होंने कहा कि भारत ने हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की शक्ति देखी है, इसमें हाल ही में किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' भी शामिल है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में देश के सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के हवाई अड्डों को नेस्तनाबूद कर दिया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जमालपुर स्थित इंडियन रेलवे इंस्टीट्यूट ऑफ मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (आईआरआईएमईई) को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने जमालपुर लोकोमोटिव वर्कशॉप और आईआरआईएमईई के विकास के लिए 350 करोड़ रुपये की कार्य योजना शुरू की। रेल मंत्री ने कहा कि 2026 के शैक्षणिक सत्र तक आईआरआईएमईई संस्थान में आम छात्रों का भी दाखिला होगा। उन्होंने कहा कि गति शक्ति विश्वविद्यालय के कुलपति जल्द ही इस संबंध में जमालपुर दौरा करेंगे। बैठक में मुंगेर विधायक प्रणव कुमार यादव, जमालपुर विधायक डॉ. अजय कुमार सिंह, तारापुर विधायक राजीव कुमार सिंह, मुंगेर मेयर कुमकुम देवी, जमालपुर नगर परिषद की अध्यक्ष पार्वती देवी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

कंटेनर में लगी भीषण आग, हाईवे पर धू धूकर जला लाखों का सामान

रोहतास (एजेंसियां)।
रोहतास जिले के दरिगांव थाना क्षेत्र में बुढ़न मोड़ के पास नेशनल हाईवे 19 पर खड़े एक कंटेनर में अचानक आग लग गई। इस हादसे में कंटेनर में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। बताया गया कि यह घटना शुक्रवार दोपहर की है। कोलकाता से बनारस जा रहा यह कंटेनर रास्ते में हाईवे के किनारे खड़ा था।

रोहतास जिले के दरिगांव थाना क्षेत्र में बुढ़न मोड़ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर खड़े एक कंटेनर में अचानक आग लग गई, जिससे उसमें रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। बताया गया कि यह घटना शुक्रवार दोपहर की है।

कोलकाता से बनारस जा रहा एक कंटेनर रास्ते में राजमार्ग के किनारे खड़ा था। उसी समय तेज हवा चली और कंटेनर ऊपर से गुजर रहे हाई टेंशन तार से छू गया। इससे कंटेनर में आग लग गई और कुछ ही समय में उसमें रखा सारा सामान जल गया।

कंटेनर में आग लगते ही हाईवे पर अफरातफरी मच गई। कंटेनर से निकलती आग की तेज लपटों को देखकर अन्य वाहन चालक भी रुक गए। आसपास के लोग भी मौके पर जमा हो गए और आग बुझाने की कोशिश करने लगे। लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कुछ देर बाद दमकल की गाड़ियां पहुंचीं और काफी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया।

दरिगांव थाना अध्यक्ष कपिल कुमार पासवान ने बताया कि बुढ़न मोड़ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग के दक्षिणी लेन में खड़े एक कंटेनर में अचानक आग लग गई, जिससे उसमें रखा लाखों रुपये का सामान जलकर बर्बाद हो गया। उन्होंने बताया कि कंटेनर ऊपर से गुजर रहे हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया था, जिससे यह आग लगी। फायर ब्रिगेड की टीम ने समय पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। फिलहाल आग से हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। वहीं, अब हाईवे पर ट्रैफिक पूरी तरह सामान्य हो गया है।

पटना में पुलिस पर हमला, शराब तस्करों का पीछा करने के दौरान भागते हुए भी पकड़ लाई बड़ी खेप

पटना (एजेंसियां)।
राजधानी पटना से एक बड़ी खबर सामने आई है। बिहार में शराबबंदी को 9 साल हो गए हैं, लेकिन इसके बावजूद शराब तस्कर अब भी चोरी छिपे शराब का कारोबार कर रहे हैं। वहीं, पुलिस भी लगातार इन तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में पटना के गर्दनीबाग थाना की पुलिस को गुप्त सूचना मिली, जिसके आधार पर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई की और भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की। यह शराब एक स्कॉर्पियो गाड़ी में भरी हुई थी, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

पटना के सचिवालय एसडीप-ीओ अन्नू कुमार ने बताया कि इस दौरान पुलिस और शराब तस्करों के बीच खदेड़ खदड़ी हुई। शराब तस्करों ने पुलिस की गाड़ी पर पत्थर फेंककर हमला कर दिया, जिससे गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, इस घटना में कोई भी पुलिसकर्मी घायल नहीं हुआ है।

यह घटना गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के 70 फीट इलाके में हुई। फिलहाल जब्त की गई स्कॉर्पियो को थाने लाया गया है। पुलिस फरार हुए तस्करों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। राज्य पुलिस और मद्य निषेध विभाग मिलकर शराब माफियाओं की कमर तोड़ने की कोशिश में जुटे हैं, लेकिन तस्कर भी लगातार नए नए तरीके अपनाकर शराब की तस्करी करने में लगे हुए हैं। पुलिस ऐसे तस्करों को पहचान कर उनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

ओडिशा एसटीएफ ने मुंगेर से पकड़ा अवैध हथियार तस्करी का मास्टरमाइंड

पहले भी कई बार कर चुका था दौरा

मुंगेर (एजेंसियां)।
ओडिशा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अवैध हथियार निर्माण और तस्करी से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ कर बिहार के मुंगेर से मास्टरमाइंड मोहम्मद असलम को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) पिनाक मिश्रा ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि 20 मई को ओडिशा एसटीएफ ने मुंगेर पुलिस के सहयोग से मोहम्मद असलम को हिरासत में लिया। डीआईजी मिश्रा ने बताया

कि असलम ओडिशा के कटक जिले के बड़ा धुलेश्वर गांव में चल रहे अवैध हथियार निर्माण मामले में वांछित था। 13 मार्च 2025 को एसटीएफ ने इस गांव के एक घर में छापा मारकर अवैध हथियार निर्माण की एक बड़ी इकाई का खुलासा किया था। तलाशी के दौरान सात एमएम पिस्तौल बनाने की भारी मात्रा में सामग्री बरामद की गई थी। उस वक्त पांच आरोपियों की गिरफ्त-ारी भी हुई थी।

डीआईजी ने बताया कि असलम ने कटक के बड़ा धुलेश्वर गांव में कई बार आकर अधबने हथियार इकट्ठे किए थे। उसके खिलाफ बिहार और कोलकाता में भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के सबूत मिले हैं। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि पहले गिरफ्तार मोहम्मद आजम उर्फ बुड्डू और मोहम्मद आबिद हुसैन ने असलम के साथ कई मौकों पर लेन-देन किया था। ये सभी मिलकर अवैध हथियार निर्माण का पूरा तंत्र चला रहे थे।

गिरफ्तारी के बाद मोहम्मद असलम को मुंगेर की स्थानीय अदालत में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड पर भुवनेश्वर लाया गया। ऊबक्र मिश्रा ने बताया कि अदालत से असलम की न्यायिक हिरासत में पूछताछ की अनुमति मांगी जाएगी ताकि रैकेट से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी हासिल की जा सके।

डीआईजी ने बताया कि ट्रांजिट रिमांड की अवधि के तहत मोहम्मद असलम को शुक्रवार को कटक के न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में पेश किया जाएगा। वहीं से आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री निजी नलकूप योजना के तहत 16100 किसानों को मिला लाभ, 91.91 करोड़ का दिया अनुदान

पटना (एजेंसियां)।
बिहार लघु जल संसाधन विभाग सात निश्चय-2 के अंतर्गत हर खेत तक सिंचाई का पानी' की परिकल्पना को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री निजी नलकूप योजना का क्रियान्वयन कर रहा है। योजना का उद्देश्य राज्य के कृषकों को निजी नलकूप अधिष्ठापन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर उन्हें सिंचाई के लिए आत्मनिर्भर बनाना है।

योजना के अंतर्गत कुल 35,000 निजी नलकूपों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे लगभग 1,75,000 हेक्टेयर भूमि के लिए सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी।

अब तक 23,397 कृषकों द्वारा बोरिंग पूर्ण कर दावा पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है, जिससे 1,16,985 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई क्षमता का सृजन हो चुका है।

इसके लिए 16,100 किसानो को अब तक कुल 91.91 करोड़ का अनुदान वितरित किया जा चुका है। शेष प्राप्त दावों की स्थल जांच प्रक्रिया युद्धस्तर पर जारी है, पात्र किसानों जल्द ही अनुदान राशि का भुगतान किया जाएगा। वे कृषक जिनका आवेदन स्वीकृत हो चुका है, वे बोरिंग कराकर एमडब्लूआरडी.बिहार.जीओवी.अईएन पोर्टल पर लॉगिन कर अनुदान के लिए अपना दावा अपलोड कर सकते हैं।

विभाग द्वारा ऐसे कृषकों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है जिन्होंने अब तक दावा प्रस्तुत नहीं किया है।

इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है, ताकि योजना का लक्ष्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जा सके और अधिक से अधिक किसान सिंचाई सुविधा से लाभान्वित हो सकें।

शौचालय टंकी खोलने के दौरान बड़ा हादसा

जहरीली गैस से दो लोगों की मौत, तीन की हालत गंभीर

पूर्णिया (एजेंसियां)।
कटिहार जिले के कोढ़ा प्रखंड अंतर्गत रौतारा थाना क्षेत्र के रौनिया गांव में एक नवनिर्मित शौचालय की टंकी खोलने के दौरान हुआ दर्दनाक हादसा पूरे गांव को सदमे में डाल गया। इस हादसे में गृहस्वामी लक्ष्मी महतो के पुत्र मनोज महतो और एक मजदूर रणजीत सिंह की जहरीली गैस से दम घुटने के कारण मौत हो गई। जबकि तीन अन्य मजदूरों की हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, मनोज महतो अपने घर पर बनाए गए चार शौचालय टंकियों की सेंटरिंग (शटरिंग) हटवा रहे थे। पहले तीन टंकियों की शटरिंग सुरक्षित ढंग से हटा ली गई थी, लेकिन चौथी टंकी खोलते समय अनहोनी घट गई। जैसे ही एक मजदूर टंकी में नीचे उतरा, वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे बचाने के लिए मनोज महतो समेत अन्य चार लोग एक-एक कर टंकी में उतरे, लेकिन सभी दम घुटने के कारण बेहोश हो गए।

हादसे के बाद पूरे गांव में अफरातफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए जेसीबी मशीन मंगवाई और टंकी का ढक्कन तोड़कर सभी पांचों लोगों को बाहर निकाला। तत्काल उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मनोज महतो और मजदूर रणजीत सिंह को मृत घोषित कर दिया। अन्य तीन मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया रेफर कर दिया गया है।

इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों की आंखों में आंसू और दिलों में डर है। वहीं स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नव निर्मित टंकियों या बंद स्थानों में काम करते समय पूरी सावधानी बरती जाए, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

विशेषज्ञों के अनुसार, नवनिर्मित शौचालय टंकियों में अक्सर जहरीली गैसें जैसे मीथेन और हाइड्रोजन सल्फाइड जमा हो जाती हैं, जो अंदर घुसते ही व्यक्ति को बेहोश कर सकती हैं। ऐसी टंकियों में काम करने से पहले उचित वेंटिलेशन और सुरक्षा उपकरणों की आवश्यकता होती है, लेकिन सावधानी की कमी ने दो लोगों की जान ले ली और तीन की जिंदगी खतरे में डाल दी।

थानाध्यक्ष पर रंगदारी और मारपीट का आरोप, एफआईआर दर्ज और आवास सील

सहरसा (एजेंसियां)।
बिहार पुलिस की छवि को धक्का पहुंचाने वाला एक गंभीर मामला सहरसा जिले से सामने आया है। जहां बैजनाथपुर थाना के थानाध्यक्ष अमर ज्योति पर एक युवक को बेवजह उठाकर थाने में बंद करने, मारपीट करने और 79 हजार रुपये अवैध रूप से वसूलने का आरोप लगा है। आरोप सही पाए जाने के बाद थानाध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनका सरकारी आवास सील कर दिया गया है।

मामले की शिकायत मिलने के बाद सहरसा एसपी हिमांशु ने पूरे मामले की जांच सदर एसडीपीओ आलोक कुमार से कराई थी। जांच रिपोर्ट में आरोपों की पुष्टि होने पर एसपी ने बुधवार को थानाध्यक्ष अमर ज्योति को लाइन हाजिर कर दिया। वहीं, गुरुवार को दंडाधिकारी की उपस्थिति में उनके आवास की तलाशी ली गई और उसे सील कर दिया गया। इसके साथ ही बैजनाथपुर थाना में ही थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिसकर्मियों और कथित बिचौलियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की जांच की जिम्मेदारी अब सिमरी बख्तियारपुर एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर को सौंपी गई है।

मूल रूप से मधेपुरा जिले के परमानंदपुर पथराहा गांव निवासी अविनाश कुमार पटना में रहकर बीपीएससी की तैयारी करते हैं। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी एक लिखित आवेदन के माध्यम से एसपी को दी थी। उन्होंने बताया कि तीन मई को वे राज्यरानी एक्सप्रेस से पटना से सहरसा आए थे और वहां से मधेपुरा जाने वाली ट्रेन का टिकट लिया।

जब वह प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे, तभी 5-6 अजनबी लोगों ने उन्हें जबरन पकड़ लिया और प्लेटफॉर्म नंबर 4 की ओर ले गए। उनका मोबाइल भी छीन लिया गया। युवक ने विरोध किया तो धमकाते हुए पूछने लगे कि तेरे पास कितना है? युवक का कहना है कि डर के मारे वह कुछ समझ नहीं पा रहा था और इस बीच ट्रेन छूट गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com